

Gifted By

RAJA RANJAN SINGH

BLOCK - DD 34

CALCUTTA

ज्ञान

विद्य

10677

26-4-97

राखे

रात्म

शिवराज दंगणी

८. शिवराज च्छगानी

प्रकाशक : भारत ग्रंथ निवेदन, दाऊजी रोड, बीकानेर
संस्करण : प्रथम १९८८/ मोल : पैंतीस रुपया मात्र
आवरण : शान्ति स्वरूप/ मुद्रक : जवाहर प्रेस, बीकानेर

Jin Vidh Rakhe Ram (Rajasthani Stories Collection)
by Shiveraj Chhangani @ Rs 35/- ;

जिण विध राखै राम

भारत ग्रंथ निवेदन
बी का ने र

क्रम

नाम की धनिमाली	११
भगवती को स्तुति	२१
जिण विष नागों नाम	२८
सभी मा	२८
गुरु परमादी	४३

टूकें में

कहाणी साहित्य री मोकळी पोध्यां राजस्थानी साहित्य भंडार नें भरें । वोनमी कहाण्या नुवी वणगन रें सार्गें सामें घावें । पण माप्रतेक सामाजिक समस्यावा री गै'राई माय उतरणो घर उल्लूझ्योली गाठा नें मुळभावणो बोत ओखो काम है ।

म्हारी कहाण्या घापरें सामें समाज माय वीतणवाळी घटनावां मूँ जुटाव गवें । इयें री भरोसो तो पढणिया री पसंद मारु ई सामें घामो । ओळभो-सवासी भोळें माय दिगसो ।

नत्पूरमर गेट,
बीबानेर ।

घापरें
शिवराज धंगाणी

राजस्थानी रा
घणा मानीता
रावत सारस्वत जी
ने
घर्गे मान
सू

जिण विध राखै राम

राग री धणियाणी

मोवनकी बानपणे मूं ई सुरीनी राग री धणियाणी ही । आभे माय काळा बादनिया मडरावता घर रिम-भिंग रिम-भिम फुवार छोडना बी बखत मोवनकी काजळिये री मीठी गीत मधर-मधर सुर माय उगेरती । सोवनकी री मायड घर बापू मन माय हरखी-जता । गाव मांय ठाला वँट्या मिझ्या पडी रा गीत सुगन सारू मोवन की ने राजी करता । कदेई घाघरियो घर कदेई नवी कुन्नी ल्यावण रो लोभ दिरावता जद मनेई वा गीत उगेरणा मरू करती । राग कुवे जितरी गेरी । बोनी माय मिमरी निरखो मिठाम ।

जद मोवनकी वेल बधे ज्यू बघणां मरू हुयो बी रं बापू गाव री इस्कुत माय भरती करवायदी । इस्कुत री महेत्या मागे वारखडी री ग्यान हुवण लाग्यो । मईने-दो मईना पडूं आखर भणता सुरू । दोनारं री सुट्टी माय गुड्डी-गुड्डे रा खेन खेले घर मागे-मागे मघरं सुर माय गीत गावती रंवे ।

इस्कुल री वैनज्या इतरी मीठी शवाज ने सुण'र मोवनकी रा साड-बोड करे । बीने उत्सव-परव सारू सभा माय बोनावे । सभा-माय बी री मीठी शवाज १ सुण'र संगीतवाळी वैन जी बी ने आपरं नजो'क राखे । गीता री पोथी माय मूं हूने-नीज धेक-धेक गीत

घाद करावै ।

हैड बँनजी इस्कूल रो सालाना जुलमी मनावै । गाव रा मनी-
जता लोग-लुगाया ने न्यूतो दिरावै । उत्सव माय भान-भान रा
कार्यक्रम हुवै । चित्रकला, वाद-विवाद, घूमर-निरतः नाटक परकोर
गीत सारू छोरी-छोर्वा भाग लिरावै । पण आखो ममाज बो बेडा
मस्ती माय मूम उटै जद सोवनकी कुरजां रो गीत उगेरे ।

खन बँठी लोग-लुगाया खुमर-गुमर मरू करण ताग जाँ ।
“आ छोरी किण री है ?” भेक दूजी ने पूछै ।

पैलही लुगायी कैदे-“बाई ! आ तो जाणी-पिछाणी है, पण
बैरो कोनी किण री बेटी है ?”

दूजी उघळावै “जे नई चुकुं तो गिरघारी री टीगरी हुगो
घाईजि ।”

की हुवो पण छोरी युवकारो घानण जोग । बारि परमेसर ।
काई मिठी मिमरी री डळी घोळ दी हैं दये रं कठ माय ।

इनर माय सोवनकी रो गीत गनम हुई कं भीड माय मू
घवाजा भार-भेकर घोर । भेकर घोर ॥

प्रोग्राम रो बटेरचागे करणवाजी बँन जी ऊभी हुई घर भीड वं
पाछो गायनी दिरावै । पण भीड हिगो मान जावै ? बेवग होवै
बँन जी सोवनकी ने मथ माय ऊभी करण गाव हेवो मारै । सोवनकी
मथ माय पाछो घाई घर आगरी गीत उगेरे-“सम्मा गहारी नेण
दो-----हु ग सम्मा घारी गायो री बाछइरी-नेण दो दि
घ्यार-----।”

गीत रे मिटान घर दरद गागे बोन मो मुगायां रो घाग्या द-

गल्लो हूय जावै । केई सुगायां मुघवयां भरणी मरु कर देवे ।

भीड़ गीत रें मुगुन पाग मूनी हूयगी ज्यूं लागें । गगळा रें चै'रे मायें भेक अजीब भी उदाभी छायगी ।

हैड बैनजी इस्कूल री तरफ मू बडे आदमी रें हाथा इनाम बंट-
घावै । मोवनकी री नाव बार-बार बोलीजे । गाव वाळा री तम्फ मू
ई मोवनकी री रमभरी बोनी घर भोळी-भाळी मूरत मार ईनाम
दिराइजे ।

मोवनकी रें गीता री चरचा आलै गाव माय चालू रैवे । मोवनकी
रें लारले गीत री भोळ्या याद करना हाफेई सुगाया रें नैणा मू
भामू डा दुलकै ।

मोवनकी रें घरवाडा नै घणी छुशी । बं आपरी लड़ेसर कवरी
नै घणी प्रीत मू पाळै ।

मगीत वाळी बैन जी री उछाव दधयो । इस्कूल माय मोवनकी
नै घणै नेह मू गीत मोलावणा मरु करै । मोवनकी पेटोबाजै (हार-
भोनियम) मायें गीत गावै घर बीनै बजावलें-री अभ्यास करै । दो-
भेक भाल माय मोवनकी पेटोबाजो खुद ई बजावै घर गीत गावणो
सीख जावै ।

जद कदे गाव रें मन्दिर मायें भजन कीर्तन हुवै, बठै गिरधारी
मोवनकी नै मायें लै जावै । मोवनकी भजन गावै जद सुणन वाळा
मायें जादू फिरावै । गाव रा मानीजता लोग मोवनकी नै कईन कई
भाल-भत्तो देवे-दिरावै ।

ज्यूं ज्यूं मोवनकी दधनी जावै, किलामां पाग करती जावै ।
छेवट गाव री इस्कूल मू दमवी ताई पास कर लेवै ।

मा-बाप नै चिन्ता लागणी सुरू हुवै । सोवनकी रो ग्यांव मांडण री तयारी करै ।

गाव रो छोरो राम नो । घराणै-ठिकाणै री । दसवी पास । सभाव री सीधो-माधो, मिन्दर रो पूजा, ठाकुर जी रा पाठ अर बोदो परम्परावा रो हिमायती ।

सोवनकी रै बापू आप री जात विरादरी मांय इयै छोर नै ई ठीक-ठाक समझयो । बा रै घरवाळा मू सगाई सारू बात-चीत हुयो । रिस्ती पक्को हुयग्यो ।

अठीनै सोवनकी रो सौरभ आखै गाव माय फैलगी । गाव रै मिन्दर रै उत्सव सारू तयारी हुवै । भलै लोगा नै ई गाववाला न्यूतो दिरायो । भजन, कीर्तन अर उत्सव सारू आकाशवाणी बाळा ई भेला हुया । सोवनकी बठै परसिध । मिन्दर रै प्रोग्राम सारू रिकार्डिंग वासैं आकाशवाणी रै लोगा सोवनकी रा भजन मुणिया । पतली अर सुरीली अवाज मायै सगळा लट्ठू हुयग्या ।

सोवनकी रै बापू गिरधारी नै आकाशवाणी बाळां केयो कैं इयै छोरी री गळो बोत मधरो-भंडो है । इयै ने सँर रै आकाशवाणी केन्द्र खानी अवस लावो । इयै री अवाज परखावा ।

गिरधारी हामळ भर लेवै । आकाशवाणी रा पारखी कलाकार वहीर हुवै । रास्ते भर आप री मोटर-कार माय बैठ्या सोवनकी रै गीत अर मीठे कठ री परसंसा करता रैवे । ओ'क जणो कैंवे-"भई ! प्रतिभायां तो गावां मांय मिल सकै ।"

दूजो- "जे आपां गाव नई जावता तो आपा नै काई पतो चाल-तो कैं सोवनकी रै मांय ओक कलाकार छुप्योड़ो हैं ।" पैंतो-गची

हमारे हैं बुन्दोटे मनींगे रो पनी जागनी पार्जि । बूजो-बैर मन्ता,
 जे मोहनकी आकाशवाणी केठ आवैनी तो मन भरोमो है बँ बी रो
 आवाज मगला नै दगद आय मरैनी ।

मोहनकी रो मनींग प्रेम दायो जारैयो । गाव-गुवाह माय मोहन-
 की रो निम हमेग पख्या हूवै । बार्त धीमान लई वागल । गाव रै
 कुवै भू दाणी भर्मा पणिहार्या रै भू ई माय मोहनकी रो नाव
 मुणोजि ई ।

मोहनकी रै बापु गिरधारी रो मन्तो बीन आकाशवाणी खानी
 नेजावण रो हूवै । छेकट छेक दिन बटै पूग जावै । आकाशवाणी रा
 बलाकार, मोहनीन मायक बी रो आवाणी गुण'र भेळा हूय जावै ।
 बी रो आवाज रो परम माऊ भान-भान रा मीन गुणै । केरु निरगै
 मायै पूग बँ हूयै छोरी नै आकाशवाणी माऊ नौकरी राग नेवणी
 चोखी रैनी । बा रै बटै अकार गिरधारी नै आवरै दपहर माय
 बुलायो घर मोहनकी नै नौकरी रागण माऊ मन्ता बिचारी । गिर-
 धारी मोहनकी रा ओझ पीळा हाथ बीनी बर्या । बी दो पडो मूण
 धारै । अकसर बी रो भूण तोटना बी नै समभावै । बी रै आगै
 आकाशवाणी मूँ हूवण बाळा पायदा दरगावै । गिरधारी मोहनो
 नेकी घर पूछ-पूछ'र । बी हूँकारो भरनिवो ।

मोहनकी आकाशवाणी माऊ नौकरी लाग जावै । बी रा गीत
 रिकार्डिंग हूवै । बी रो आकाशवाणी मूँ प्रमारण हूवण लागै । मोहन
 की रै गाव रा जद-जद गीत गुणै बँ मन माय हरखीजे । मोहनकी
 रै कठां ने मगावै । मोनकी भय कमाऊ हूयणी । रुपिया-टक्का मोकळा
 मिळै । बी रो पोमाक निरवाळी । रैवण रै तरीके माय फरक आय
 जावै । मँ'र रो भणी-मुण्णी लुगायां ज्यूँ बा रैवै । बोलण-चाखण माय

घट अर हुसियार हुय जावै । छेकड मंगत री असर तो आवै ई ।

गिरधारी अर सोवनकी री मा री आंखियां री नीद उडै । सोवन की रा पीछा हाथ करणा जरूरी हुवै । बीद ई भणियो-गुणियो हुवै । सोवनकी रै सुभाव सागै रळ-मिळ सकै । अेरु ई छोरो गाव माय निजर आवै । अर बो ई रामियो । रिस्तो पैला सू ई पक्को हुयग्योहो ।

गिरधारी थोडा दिनां पाछै सोवनकी रा ब्याव रामियै सागै कर देवै । रामियै अर सोवनकी रे ब्याव मायै घणखरा मेहमान भेळा हुवै । सोवनकी री बैनज्या ई आवै । सै'र सू आकाशवाणी रा कला-कार आवे । ब्या'व री उछव धूमधाम सू मनाइजे । सरघा सारु सै लोग कई न कई भेंट सारु देव-दिरावै अर पाछा धानै मकानै बहीर हुय जावे ।

रामियै रै घर मांय सगळो घर-बिखरी सारु माल-मत्तो, दत्त-दायजो भेलो हुय जावै । सोवनकी अर रामियो सुख मूं जीवण बितावै अर मजा करै ।

छेवट सोवनकी नै तो नौकरी सारु सै'र खानी जावणो पडै । रामियो गाव मांय नित्त-नेम, पाठ-पूजा अर मिन्दर-मिन्दर दरसन करतो रैवे अर खुद रै काम-काज माय मस्त हुयोड़ो सो रैवे ।

बो मन ई मन च बं कै सोवनकी गाव माय रैवे । ढकी-डू बी । हाथ अेरु री घू'घटो राखै । मिनखा सागै कम रैवे । बं मुण राखी कै लुगायी अर लुकायो । पण सोवनकी माय अं गुण कोनी आय सकै । बो जमानो लदग्यो । जद लुगायो अर लुकायो वाळी कंवत चालती हो । थोयो अंध विस्वास बी रै नजीक ई कोनी फटकतो ।

अठ्ठिनै रामियै रै गांव रा भायल ई आ चावता हा कै सोवनकी

रौ खुरडो घर मांय टिके । भायला मगळा अणुड घर गंवारे । वोनै सोवनकी रँ कलाकार मरूप गो जाबक ई ध्यान कोनी रँवनी । बँ रामियँ ने सोवनकी रँ विमँ मे धूँधा—मूँधा भडनावता रँवता । बी रँ विमँ मोरुळी वात्या वनगडन वणाय'र बी नै कैवता । बाना गो वच्चो रामियो भटकीजतो रँवतो । पण इत्तीवान सोवनकी रँ मालम कोनी ही ।

छुट्टिया माय जद वा गाव पूमी तो रामियँ रौ बँवार न्यारो-निरवाळो ल्हायो । सोवनकी जाण्यो के वाई डोल खराब हुवैला । वा रामियँ ने बतलावनी जद वो झाडी—तेढी वात्या करतो ।

रामियो घर म.य अणुजियोडो रँवतो । जद रामियँ रा भायला घरँ घावँता तो वा घादर—भत्कार करतो । वा नै चाय—नास्तो करावतो । पण घू घट कोनी राखती । रामियँ नै श्री बात री मेवणा बम हुवती । जद भायला जावता तो वो सोवनकी रँ माये दाता—गिमी करतो । बी री मिन्नी छिडकियोडो रँवतो । सोफळियँ ज्यू धूँडो वणायो राखतो । बोली म नीव घुळ्योडो रँवतो ।

सोवनकी रँ भता गूम नी घावती ।

सोवनकी रौ दप्तर रौ छुट्टिया बघायो । वा रामियँ नै राजी करणु गो घुपाव मोचँ ।

जान री बेळा । गाव माय अणुखावतो सरगांटो । त.रा घामँ मांय घाव्या निकालता मा लागै ।

सोवनकी रामियँ ने पूछे—थँ म्हारै मू नाराज बिया रँवो ?

रामियो त्रिं—थँ निसरमी है, नमेनण है ।

“निया ?”

“भनै मिनसां सागै बैठतां लाज बोनी आवेमिनखेडी ।

“म्हारी नोकरी भिसी है, मने सगळा मागै बैठणो पड़ बोल-
वतलदण रासणी पडे ।

“पण मने अ मै वात्था पमंद बोनी ।”

“तो काई म्है नोकरी छोड दूँ ।”

“यू जाणै, थारो राम जाणै, मने मनी पूछ ।”

“म्हारा राम तो रे ई हो ?

“छोड दे अ वात्था, यू किसी सीता सनवती हैं.....”

“था म्हारै मांय काई दोष देत्यो ?”

“यूं तो वापडी गुणा री खाण है, मिनखेडी..... ।”

“यै मने मिनखेडी केवो आ थारै मूडै शोमा बोनी देवे ?”

“हू थारो मू डो बोनी देखणो चावूँ—बुलधणी ।”

सडतो भगडतो रामियो अतायदे पासी सोवण री बोसीस करै । सोवनकी री आस्था मूँ चौसारा फूटै । अणचायो कलक थी रे माथे माडणो बी नै कदेई बदलिन बोनी हवै ।

छुट्टिया खतम हुवणै रे पाछे सोवनकी नोकरी माथे जावे । वा दफतर माय अण-मणी सी रवे । विचारा रो भनूळियो बी रे माथे माय उठतो रवे ।

आकाशवाणी माय हरचद तबलवादक । बी नै तबला, ढोलक अर मिरदग बोल आछी बजावणी आवै । सभाव री घीरो अर मस्त । चैरे माथे मुलक वध्योडी ई रवे । सोवनकी नै ओमण-दूमण देखै रे वो पूछै—काई सोवनकी अठे थारो मन बोनी लागे ?

सोवनकी उधळो देवे—भिसी बात कोनी । म्है तो रोज सनै माथे पूणूँ ।

"पग धारो चै'रो छणमनो ओ जागै ?"

"नई नो ।"

"कोई दूग दसद ?"

"को बीनो, हरमनद बाबू ।"

स्टूडियो में गोवनकी गीत उगेरे घर हरमनद तबला बजावणा मरू करे ।

गिभया रा गोवनकी धारनै क्वाटेंर पूगै नो घेव अजबो गो ल गे । हाथ मू घेर निट्टो रागनेनी हूवै । बी नै उठापेर पडण बी चेस्टा करै । बागद रागि । ओ हो । बी रै बनीन दिगयोडो हो । रामियो बी नै तलाव दिगयण रो नोटिज भिज्चायो ।

गोदनकी में पजा मू उमीण गिमकी हूवै ज्यू बी नै नखावै । वा नओक रै पलग मारै घ डी हूय जाये । यवना मरू । गोवी रैवै.....मोचनो रैवै । वा मन माय दिव रे कै घो विण भाव रो मित्त । बेमनल्लु रे बेम बिम्बल ' मने मित्तनेरी, कुल्लणी, मनधर मिन्नी.....पनो नई काई काई केवे..... जद कै म्है बेबनूर हू । विण गोवे रामभे तलाव.... .. । अरूनो सबध सोडगो । और मला ।

गोवनकी रो कलाकार अन्तस मू जागै । वा हरडाट भर तलाव रो नोटिज जियोटी बधीन मू मिलै । अडीवै रामियो राजी अर बडीनै सोवनकी बेदम हूयोटी नचेडी माय तलाकनामो मन्जूर करै ।

गोवनकी अवे मुनव हूय जावै । ना चिन्ता ना किकर । वा दगदर जावै । स्टूडियो माय गीत रिकार्ड करावै । हरबद दिन हमेस

ताडंतवला बजावै । फेरु मुळक बंध । काम-काज पूरो हुवणु पावै
घर खानी बहीर ।

छेवट सोवनकी अर हरचंद री रिकार्डिंग हुयोडा गीत लोग
रै हिरद माय नवो उचड़ाव पैदा करै । बड़े-बड़े प्रोग्रामा मांय
सोवनकी अर हरचंद सांगै-सांगै रैवै । मोकछा रुपिया-टवका अर
निछरावळ मिलणी सह हुय जावै ।

अेक दिन सोवनकी रै सां हारचंद व्या'व री बात-चीन सम्
करै । पैला तो सोवनकी री मायो ठणकै । फेरु आगो-पीछो सोवै ।
अेक लोकगीत गायिका अर अेक तबलावादक । दोनू' री मिल-जुल
जोडी दोनू' बला-पारखी ।

छेवट सोवनकी हरचंद बाबू रै सांगै रैवण री हुंकारो भर
लेवै । कचेडी माय कागद जिल्जिजे । दोनू' रा सबध मरान रै पकरै
पट्टे ज्यूं हुय जावै । सोवनकी हरचंद बाबू रै काळजिये री बोर
बण जावै ।

कमली रो व्याव

भाभंती जमानो । ठाकुरा, उमरावाँ भर जमींदारा रो बोल-
वानो । बी-बसन गरीब-गुग्गु रो देली नुण ? लूठ रो डोको भर
ढागनै फाड़नो । डरनो दम करे शुभ राग । गरीबा रो नूण जूझनो
रेवनी । बदेई ठाकरा रा माल डोळा तो बदेई जमींदारा रो घोस ।

गौव माय बामण पड़िनाई, बाणियो विणज, रजपूत रणसेनी
भर बन्धोही जात्या मजदूरो रो काम-बाज साहू बगी रेवतो ।
भडीने ठाकुरा रो मूर्छा बट्ट चढ़ावनी, बढीने राजम्हेला माय रगे-
रेलियां हूवनी । फिरंगी-गोरा रो गज । गोरा रो बधतो परभाव
रजवाहा रो छातो माने मूग दलनो जारेयो हो । मरुचल माय
उदल पुचल माय रैय हो । मगरो मूतो । बदेई दुवाल भर बदेई
महामारी ।

भारू मे'र घोरा ई घोरा । जंगली पान आखे जंगल ने
पेग्योहो । जंगल माय हाकृषा रो डेरो । धादेती घाटो मारता ।
बदेई हबेन्या छूटीजनी तो बदेई गौव मू गौव ताई जायण बाळी
बरानी ।

हाकू मूरजमान रो अवरो जोर । मूनवाह माय बाँरो बमेरो ।
झोपारी, बाणिया भर पदमैवाळा गेटा रो बी मू रु रु बापनो ।

डाकू सूरजभान आप रे मागे दस-चार घाडेत्यां रो झुंड राखतो । वो गांव रो ठाकर हो । पण बी रो गांव दुकाळ रो मार सून फट-फटी जतो रेवतो ।

जद कदे डाकू सूरजभान धाडो मारण सारू निसरतो । बी बखत कसू'बो गळतो । सगळा डाकू गाळवो लैवता । फेरू सुगन मनावता । मा भवानी जगदम्बा रो जोत जळती । आरती उतरती । सुगनी देखता कै डावी विप जीवणे आयरेयो है- बै फतै करण सारू निकळता । आधो सामेळो लैय'र निकळणै सून नेडा-गजीक गाव रो हवेत्या सून घन लूट-खसोट'र जगळा माय रमता-राम हुय जावता । डाकू सूरजभान रै डर सून लोग घरा सून बारै कोनी निकलता । जद वो डाको डाल'र वहीर हुवतो जद थाणै-कवेडी रपट लिखावता । पण सूरजभान सून सामी भिडत रो हिम्मत कैई रो कोनी हुवतो ।

डाकू सूरजभान सिंह रो सै'र माय अेक सेठ सून धरमेलो हो । आधी रात रो देळा सेठा सून वो मिलण सारू वदेई-वदेई आवतो । बी बखत ठाकुर बण्योडो जाणे खरो सामंत सरदार सखावतो । छुद रै सज्योडे ऊट माथे बैठयो कमर माय तलवार भर पीठ माथे डाल लटकायोडो सीधो आय'र सेठ रो हवेली खनै अँट जैकावतो । सेठ रै पिरोळ रो कडी हवलै-हवलै खडकोयतो । चौकीदार आडो खोलतो । वा नै माय बिठावलो फेरू सेठा ने जगायतो । घटे-रोय घटे ताई सेठा सून गप्प अण लगावतो । सेठा रो छोटी छोरी कमली नीद सून जागती भर बटे आ पूगती । कमली कदेई सेठा सून तो वदेई डाकू सूरजभान सून बतळ करती रेवती । डाकू सूरजभान बी नै कंवली, कदेई कंवली चाई कंवता लाड सडावता । कमली वा ने

बाबा..... बाबा बैय'र बनलावनी । मेठा मूं मेण-मेण कर'र जद
 टाक मूरजभान वहीर हुवनो बी बनन कमली नै गोदी उठावनो ।
 माई नै लाय केरनो घर मेर जेव मय मू चर्दी गो मिश्रो निराळ'र
 देवगो । जद बी ऊँट माई बँठो-कमली, अय हूँ जावू । कमली
 उषळो दिगलनी-बाबा । पाद' बेगा घाया । घाबोना नी ? डाकू
 मूरजभान हुंवारो भरनो घर ऊँट रँ टोकर लगाय'र दुर'र वहीर
 हुवनो ।

दया दो-ध्यार दफे मिलगै मूं दमनी घर बाबा रँ बीच
 मोह माया गो जाल बधनो रँगो ।

भोजला बरग रँ श्या । टाक मूरजभान सिंह मेठा मू मिलन
 सार बोनी घायो । कमली धनही बरँ जू बधनी । बी री सगाई
 पनाई री बातया मर हुयगी ।

मै'र मूं चाली म कोम छँडे छेक गाय । गाँव रो मेठ व्यापारी ।
 बी रँ छोरे गाँव कमली रा व्या'व धरनीज्या । व्या'वरी चेळा
 घायो । केरा री ह्यारी । गण मेठा नै भायने डाक मूरजभान सिंह
 रो घनो-ननो पोनी मिन्यो । बा नै पीळा चोवन भेजणा चावै, पण
 सेठ कुणमी जगै भिजवावे ? कन्या रा हाथ पीळा करणा जरूरी हा ।

मै'र माय मेठा री हवेली रगीजी-पोनीजी । मजावट हुयी ।
 आगूँच गीत उगेरीजणा सार हुया । मू ड-मू डाले रा गीत बैठ
 गीतार्या गावण लागी ।

वठोने गाँव मू बारात मै'र बानी वहीर हुयी । बरात्या रो
 नखरो तो सगळा जागई । डोल-डमारा घर डोल्या रँ मगल गीता
 गावनी बारात मै'र धुगी । ऊँट, घोडा घर बैल गाढयी सार्ग रमक-
 भमक करता ज्यानी बीद रँ सार्ग-सार्ग मेठा री हवेली, पुग्या-।

विण कमली रो चै'रो देग्यो घर पिछाणग्यो । वो बोत्यो-कमली""।

यू कमली है बी.....,

"हा — बाबा ।"

"भा बारात थारो है ?"

"हा बाबा ।"

"थारा थ्या'व हुयग्या ?"

हाँ — बाबा । कैयर कमली लजग्वाणी हुयगी ।

डाकू मूरजमान सिंह धापरै मंगलिया नै धेक दकाल सागै लूटणो बंद करण रो आदेश दिरावे ।

सगळा डाकू अचभे मे पढग्या । जद बां अेक छोरी नै बी डाकू मूरजमान सिंह सनै ऊभी देखी । लूटणो बंद हुयग्यो । सगळा डाकू मूरजमान सिंह रं सने भाय'र खडा हुयग्या । डाकू मूरजमान सिंह सगळा नै धाग्या दीवी कै ओ भाल मरतो पाछो बारात्या नै दिरावो ।

पाछो कयूं दिरावो ? अेक डाकू बीन्वो ।

"भा बारात म्हारो बेटी कमली रो है ।" मूरजमान उयळायो घर कमली रं भाये ऊपर हाथ केरण लाग्या ।

डाकू मूरजमान दोय घटो वास्ते खुद इतरो गळगळो हुयग्यो जागुं बी री साहेसर बेटी चंपली धारिया मामै भाय'र उभगी हुव । चंपली नै छटियां नै बरस बीतग्या । चंपली रं रूप भाय कवली रं भाये हाथ केरना - केरना धारिया भाय मूँ औनू टपकावणा सरू कर्या ।

"बाबा ! थारो धारियां भाय औनू ?"

"हाँ बेटी ।" "यू म्हारो साहेसर कवळी है ।"

"बाबा ! तं मोबळी दिना मूँ घर खानी कयू नी भाया ?

रोल्लो-रूपो गुण'र कमली नौद गूं जागै । या घरवाळी ने पूछे - "घा बाई बान है ?"

कमली सनै बैठी लुगायी बी नै गैन गूं चुप करावै घर हीने सीक बनावै के डाकू मूरजभान सिंह बारात नै लूटरैयो है ।

कमली बोली — "मूरजभान सिंह"

दूजो उधळो दिरायो — हाँ हाँ.... हाँ.... चुप्प रै । इनरें भाय डाकू मूरजभान सिंह आपरी टोळी मार्गै होली सनै भाय पूग्यो । भाय बैठी सगळी लुगायी डर - फर हुय रैयो है - पण कमली कोनी डरै ।

जद डाकू मूरजभान सिंह री बोली विणनै गुणीजी नद बी हवळे मो'क पू घटो खोत्यो घर बा रै भावयो । धक्के कमली सम-भगी के भै तो "बाबा" है । बाबा म्हारें परे आधी रात रा आवता । मनै समावता । जावता जद चांदी री मिक्को देय'र जावता ।

बाबा पूछता - "कमली जाबू ?" म्है उधळायती - बाबा । बेगा-बेगा आवसो ।

कमली नै ओ विश्वास बघय्यो के बाबा म्हारी बारात नै लूट कोनी सकै ।

डाकुआं री टोली बारात्यां सनै पईसो-टक्को सोने-चांदी री गैणो-गौठो घर कपडा सत्ता लूटण लागरैया हा ।

"मिलमां बैटी । दू धारें व्या'व सिरमे मांके भायें कोनी पूग सकयो - मने अचभो हवै ।"

"खैर सन्ना ।" अक्के तो हू थां गूं मिल ली ।

"हो बैटी ।" इनरो बय'र डाकू मूरजभान सिंह आप रै भगळियो ने नजीक दुलावै । बारात्यां नै भेळी कर'र छुद बां रै

सामें हाथ जोड़'र माफी मांगता खड़ा हुय जावे । डाकू सूरजभान कमली रें गुसरें नै बुलाय'र बी रो भोत्रावण देवें अर कंवे मन सान गुनाह ई माफ करासो । म्हारी फूल सिरखी घेटी रो बरात मन ई लूटण रो पाप लागियो । ओ जलम-जलम रो पाप ब द ताई छूट सी ।

डाकू सूरजभान आप रें खनै राख्योडा सोने-चाँदी रा गंगा-गांठा कमली ने पैरावे । बारात नै आदर-सत्कार सार्ग गाडिया में बिठावै अर समझा ने भेब-भेक चाँदी रो सिक्को देय'र बहीर करे । जद बारात बहीर हुवै तो बी रें सार्ग-सार्ग कई कोर्सा ताई खाती करता-करता बा नै जगल भाँय सूं आगें पूगावै ।

फेरु आप रें डेरां खानी डाकू सूरजभान सिंह आवै । बी दिन वो सोचे कै डाको डानणो राखसा रो काम हुवै । वो घाडो मारणो जावक ई छोड़ छिटकावे । अर आपरी गढ़ी मे आय'र जीवन रा सारला दिन मुख सूं गुड़कावै ।

जिणविध राखी राम

राज रो बेछा । गगनाटो । घंघार भुग । हाथ नै हाथ कौनी
देख सरे बाज मेर निजरे फेसावा । डेवा-डेवा, डोगा-डोगा डोगा ।
घोरा रे घमवाहे घमवाहे बटैई बुई रा गु मला बटैई गिणियो घर
बटैई मोर । घोडो मोर देर पाँदे घामे रे उतगाहे गू घब घब
अवाज बग्गी घाँधी बाजधी गर हूयी ।

मोछि-मोछि झूपा घर-साग्यो मोटी झूंगह्यो रागगगी
नै देयर बागगी मर हूयगी । इमो मांगरयो हो जागै बिगी कपो-
धन माय भूव नू जगयो हायी घाय बढ्यो हुवै घर जोध-जिमावर
पाल पंखेर डर - पल हूयया हुवै । घापी घर संसाङ्ग रे बीध छैक
जाणी - पिछाणो आवाज भावै ।

घा आवाज घाफूडी रे टमबगै री हो घाफूडी कोलायन रे
नजीक पिलाप गाँव री रेवण बाली । घं दो बैन्या ही । दूजो रो
भाव मोमनो । मोमनो भाँझी - भाँझी घर निरमल सभाव बाली
ही । एण घाफूडी घोड़ी घट घर चपर-चपर करण बाली ।

पिलाप रे बग्रे रे न जीक घाले गाव मोय ह्ये री घर
घाफूडी रा माँचाप किरसाण, घर बाम -

धापूही म्हाळी गणगोत्र जू लागली । दरी रो बाप हरसो
 ई पिट बोळी न देग-देगर कयन गिना जू गिततो । धापूही
 बाळधर्मा जद-न दे ई बोधी जिनग मांगनी हरसो बी सापर देवतो ।
 हम्मी रं धापूही मूडे सायोरही ह्री गण गोमती भी बीरी साडनी
 ही । साट-नोट में बोधी कर्मा नई रेधनी । धापूही रं घेक भाषी
 हो जिके रो नीव गुगनी । घो बही गुगनी मूं जलम्यो । जिके
 घरी दरी रो जगम हूयो धापूही रं बाप रं तोगू-चारुं सेतो में
 मणोवध यात्रगी, गवार, मोठ घर तिन हूया । धीणी भी घापवो ।
 धापूही री मा बही कामेतण । बीरे घर न हरचन्द बाळाम हूयया ।
 गुगनियो बाके में ई गुगनावाळो ई हो । धापूही री मा रं भद्र-भद्र
 बोधी पार नई । मगळा घगूट भंडार भरया हां । तीनी टावरा-सू
 वर्धाक मादना रं भोर बोई हूय सई । माडी-वळट ऊट घर गायो-
 भैम्या मगळा ई गोरा रेंवे । चोत दिना पाछे जद धापूही ने मा
 भासम पही के पिलाप रं नजीक कोलायत गाव मे मेल्यो लागे ।
 मोक्ता-मिनरा घर तोरय जातरी दूर-दूर मूं भावै । साधु सन्यासी
 सरया घर भगति भावमूं बटै भावै घर-नलाव मे सिनान करे ।

घेक दिन धापूही घापरी मा मू बोली - जे माळ म्हने कोला-
 यत रो मेळो दितादे ।

मा बोली—म्हारी सहेल्यां घर बीग मां-भाप मगळाई मेळो
 मगरियो जावे । म्हने गोमती घर सुगने ने भी मेळो दिताव ।

मा - बंटी, म्हे तो भटै आपर ई कदैई मेळो मगरियो बीनी
 देख्यो । ओ घर भळो घर हूं भली पारें बाप रं भटै ऊभी भाषी
 ही घर भाडी हुयर ई घर मू निवळीज सी । ना बोधी मंडो घर
 ना कोभी डवळो ।

ધાપૂડો તાઢ-ફોડ માય પલ્લયોડો । દુશી કારણ થોડી જિદગી
મો હુયગો । બિન-જિદ ધાર્લિયો । આપવાલો બાન માધો મીધી
ઠેંટ ઘડે જ્યૂં ઘડગી । રોવણ લાગી । હાથ-પગ પટકયા । પણ મા
માયે કોધી વાતરો ઘસર થોની । વા તો ઘોમવાલા રો માટો
બણગો હુવે ।

દતરો દેર માય થીરો વાપ ધોંલયો । ધાપૂડો ને રોવની
દેવ'ર માધો ઊપર હાથ ફેર'ર થોલ્યો — વધૂ વેટી ધાફૂ' । થની કુળ
મારી ? મ્હારી ચિટકોલો ને કુળ છેડી ।

વાપ રે ભાડ - ફોડ પલ્લયોડો ધાફૂ - ઢૂળી લુમવયા ફાઢળી
મમ્મ જરદી । થીરો ગલો થરીજયો, પણ વાપ ને મેલે રે વારે વર્ડે
થોની રૂંચ સઘી ।

બિન ધાપૂડો રે મા ને પૂછયો, “ઘરે મુળેટૈની, ધા ધાવ્ર વિયા
લુમવયા ફાઢરયો છે । રૂં ને કુળ મારી-મોટી । ધા વાર્ડ માગળા
વાર્ડ છે ? થોલતો મારી ।

વા થોલી—ધા દોરી ધળી નાદીદી છે । રૂં મુલતળી ને
જમાને રો હથા માગરયો છે ।

ધાપૂ રો વાપ થોલ્યો—ઘરે નિલમી । મ્હારી વાન મો મુળ ।
મુળે વિનાઈ હટ-ઘટ હોય મેં જરે । દોરી લાયણ ચવાળી છે । વાર્ડ
વાર્ડ છે ? મ્હને માલમ્મ તો પડે ?

થો ડપલો દિયો—ધાવ્ર રો મહેલ્મી ઘર થીરા-માં-વાપ મ્હને
થોલાયન રે મેલે ઘટીર હુયા છે । રૂં થો મો મલ્મ જામરયો છે ।
મ્હને રૂંચે રૂંચે મેલો દિવાય રે । ઘરે દિવાલો રૂંચે થોડ-મ્હાલ્મી મ્હાડ
લડોયી દોલ વાળ ને મેલો । વાલણ જોમદી ધાળે માયે મૂ હાનણ

सागरयी हैं । इये रै हुकम हिलाय कियो हालसी ।

धाफू रा बाप बोल्या—“बाड जेड वा” इत्ती सीक बात भर इतो सीवावणो । म्हारी फूला सी कंवळी छोरी ने जै बाप मेळो नई दिखासी तो कुण दिखासी ।

धाफूडी रो बाप धाफूडी नै लाडसूं रमावतो-रमावतो गोमती भर सुगने नै बुलावो भैज्यो । गोमती भर सुगतो दोनूं आगम्या ।

बोल्या, “बापू, किया बुलाया हं म्हाने ? ओ हो धाफूडी रा लाड-कोड हुय रया है । धाफू थारी धणी लाडती है । बापड़ी मिसरी बोल ज्यू बोले । कदेई रोवे कृण कोनी । मिन्नी ज्यूं चुप रैवै । भर जै कदेई रोवै तो जाणै घर मायै बोझो कोयल कुकरयो हुवै इसी घाने लागे ।

धाफूडी रे बाप उधळायो—नई बेटा, आ धाफूडी जिती वाली लागै उताई थे सगळा । म्हाने लाङ्गरी कोर न कुण खारो भर कुण मिठो ।

गोमती बोली—बापू, ई धाफूडी री आख्या मे मोगी किया बिखर रया हैं ? जाणै कोआ पटराणी जी रुठग्या हुवै । बतावो ई री मिन्नी किया छलकगी ।

बापू केयो—आपारै गांव सूं थोड़ी दूरी मायै बोलायत री मेळो लागै । बोल सा लोग मेळो । गांव-गांव भर मेर-मेर रा जातरी आवे । दुकान्या लागै इयै मेळो मे आपां रै गांव री लोग सुगार्या भी जासी । धाफूडी मेळो देखणरो जिद करे । काई थे भी सगळा भी चालसी ?

वा उपळो दियो-हां म्हे सगळें चालसा । माऊ नै सागै लेनेसा ।

वै धोरा भाई मुरममने, गीत गातां घर घूमतां, डों मगळो
परवार बैठताही माथे मेळो देवता करीज हूँ । धाकूडी घर बोरा
मन्वाप बो दिन मू मेळो'र मगळ्या, नीज निवार मगळ्या सुमी-
सुमी मनावना ।

धाकूडी चांदेरी प्यानगी वगै उर वपणी मग हूयो । दोरी
रै थोडी सोरो मायोश-नियोडी हीन भाई निजर भावना
सांगयो हो ।

वान्डी रा व्याव भाडण री त्यागी । मगळण पूगळ गांव
माय दुकयो । धाकू रै दाण-धूम-धाम मू व्याव कर्या । बोरा हाथ
रव्या । सोवळो धन-पिंगो बो रे गागने धाळ, ने दियो दिरायो ।
भाव-भगन घर मिजमागी इती घोमी बरी जाये रिगी गावरै
धाई ठावर बरी हूयो ।

धाकू रो बाप हरयो बो नै शामने मेन'र अळो हूयो जद
मूं बो रै चैरे भाई सुदासी दायरयो हो । बो मोनण लायो अरै
भोमनी रो नवर भागी । पछे गुगने नै फेरा दिरामा ।

पाछो मेनन मूं सेत बोवणा-जोतणा घर धाणीरी म्हाळी
माय जुटायो । जद वदे खानी बैठे तो धाकूरी घोळू घर गं मती
रो चैरो भाग्या भागे चक्कर काटतो रैवे ।

कुण जाणे धाकूडी सोरो मुक्ती होतो या नई । पूगळ मू
समचार भावे जावे जिकै ने पूछतो रैवतो ।

इया मोकळा दिन बीतव्या । धाकूडी रै सासरै वाळा भेकर
बो वाग ई बीने भेजी हूमी फेरु आपरै घेमे मे लगाय दीवी ।

सगळा रै व्याव करणे रो सरजाम करता-करता हरलो धक'र

ढांचो हुयग्यो । पण आखातीज मायें गोमती अर सुगन रा व्याव मांडर हरखो घणो हरखायो बी सोच्यो वन वनरा काठ भेळा हुयोडो है पतोनी वियां संसार सागर सून वेढो पा'र लंपासी ।

उदास-उदास चैरो हुयोडो हरखें ने नभी बरस बीतग्या हा । पण अबकें बीमार पड़यो तो पाछो ठोक हुयोई कोनी । हरखो सुरग सिधारग्यो ।

ई बेळा धाफूडी हाजर कोनी ही । बी बापू रे मरणे रा समचार सुणया तो फूट-फूटकर रोवण सागी अर चेता चूक होयगी । होस मे आयी जद सासरें वाळा बीने बी रें पीरें कोनी भेजो ।

हरखें रे मरणे सून धाफूडी रो भा ने भी धक्को लाग्यो । बी माचो भाल्यो पछे उठी कोनी । सगळो सुरग सो गाव बांरी वास्तें भैसाण मारें उठीने सुगन रा हाल माढा हुयग्या । पाछले दो बरसां सून अकारां काती छंया धीणें नें आपरें सागें तपेटे मे से लोनो । गायं-मैस्यां अर ऊंट कई कोनी रेंया । कई तो चारे अर पाणी विण घरग्या अर कईयों ने बेचर आपरे पेट ने पाळणो काम करयो ।

बिणगी धाफूडी रे टाबर-टीगर हुवण लाग्या । पण अकाळ विण नें फोडा घालरयो हो ।

सुगन रे कंवणे सून धाफूडी टाबर-टीगरा सागें कई बरसां-पाछे गांव आयी । अबे गांवरो कोजा हवाल देख'र बा अचभं में पड़गी ।

कठे तो फूटरो बस्योडो गांव जठें राम-रमतो हो अर कठे काळ सून कुटीज्योडो गांव । दिन-रात रो आंतरो ।

धाफूडी घणी सोरी रेयोडी ही । दोरा दिन जावक ई देख्या कोनी हा । पण अबकें वाळें विजें सून बी रें फडके रो बीमारी लागगी ।

जिन्ही रात जोर मूं अंधड़ बाजणो सरु हुयो, घापड़ी रो
 गाम भी भूंको बघणलागगयो हो । घापूड़ी भाचै माथै पड़ी टसक
 रयो ही बीरी अस्या मय मूं आमूं डळक रया है ।

अघागी रात रा बीरे टमकणें नै मुण'र पडोमण बूढी दादी
 पायो । बी देख्यो — “भा बाई बान है ? मुण टमकै है ? अगै
 आपर देखें हैं तो आ है घापूड़ी । होव भी हेनो मार्यो, अरे घापूड़ी
 बाई हुय यो, बेटी थारें डाल नै । परा घापूड़ी मुण सकै है, पण
 उयलो बोनी दिनेजै ।”

होवगी घापूड़ी रै नई बैठ जावै अर धीमे धीमे बोले-अर
 बीरे माथै ऊपर हाथ फेरे अर भैवे. बा भगवान बाई हो अर बाई
 होपयो ? मौर जिण बिध राने गाम निण बिध रेंदें ।’ घापूड़ी गो
 पडवो होवनी रै माइ बोइ गु टीक हुवण लग गयो हो । दण अो
 अरइ अर गवार फेरु अवान रा मवण बनार्यो है ।

बड़ी मां

परिवार बड़ो हुवा चाबे छोटी । दाठीक लुगाया बी नै मंभाळ सकै । कैबत हँ कँ टाबरिया जे घर बसै तो बाबो बुढडी क्यू लावै । अबार री छोर्या छडया नै जो मऊर कोनी आवै । चटक-मटक भर फैशन परस्ती सून ई लुगाया नै पुरसत मिळै कोनी । घेरु कमाऊ घर सैस खाऊ । जे सगळ्या कमावै तो ई ऊपर ले पानो आवे कोनी । दो दसाना माथै रा माथै ।

मोटे परिवार री धणियाणी बडी मा न्यारी निरवाळी मभाव बाळी । परिवार म छोटा मोटा तीम मंग्वर । घर म बीनण्या री कमी कोनी पण टाबरा री सावळ रिछसाळ करै बडी मा । सगळ्या टाबर बी-रै हेडै । ट बरा नै पडसे-टके री जरूरत कोनी हुवै जित्ती हिवडै री । बोली मोठी मिमली मिरली । पोना-पोत्या भर बीनण्या बडी मा रै हेडै । उठणो-रैठणो, सावणो-बीवणो, बीज-बमत री ध्यान जितो बडी मा राखती उततो कँनेई नई हो । बा सगळ्या री पिरकत नै जाणती । बाबो तो बाबो ई हो । छेवट कमावणै रै पाछै दूजो काम-काज कई कोनी करतो । घर जाणै भर भर घर धणि-याणी जाणै । बिन्ता-फिकर सून कौसां दूर ।

देवर-बिराण्या, टाबर-टीगरां री सगळो जिम्मो जाणै बडी मा

मायें हूवनी ।

बड़ी मां जैठी । पोनी भंवरियो बी रै मनै बँठो हो । यो भाप
री मां मू रिगागो हूयोडो हो । मां री चुगत्पां बड़ी मां नै करै ।

भरगियो बँवे-“बड़ी मा ! धां बाई म्हारे मायें बटकिया पडे ।
धाम्पा निवाटे । बदेई दूध प वै नी तो बदेई चाय ई पावै तो थोवडो
पशापोडो राखै ।”

बड़ी मा उघळो देवे-“नई बेटा ! धारी बाई काम-नाज करनी
रैवे नी, जद धनै काम हाया ई करणो चईजे ।” फेर रीगा
बोनी बँठे ।

“हूँ बेगो उइ, दूध गाव , चाय रो पाणी चून्हे माये चढाव
तो ई गुम्मे रैवे ।”

“नई बेटा ! जद यू धारो काम करै जद बा रीमो ब्यू वळे ।”

“बड़ी-मा ! म्हारी ममभ मू बार है, मनै गुस्से रो कागण
पनो ई बोनी लागे ।

“खैर बेटा ! अवार धूँ मैं बिस्कुट लायलें घर मू डो गाफ
गर'र केग मंघार'र इस्कून जा परो, धारी बाई नै हू ममभाय
देयूँ ।”

भंवरियो राजी हूयायो । बँ बिस्कुट लाया घर पट्टा बाय'र
इस्कून दुर बहीर हूयो ।

बड़ी मा भंवरिये रो बाई तानी गयो । बा मुट्ठकी घर भंवरिये
री बाई ने पूछयो-“बयूँ लिछयो ! भंवरियो भाव रे लायोडो
मिळयो है बाई ? धूँ बो रै माये बयूँ गुस्से हूवे ?

“बो मनै उपतावे धरौ, बड़ी मा ।”

“काई उपनावै ?”

बो काम काज कोनी करै, रमतो-बैलतो रँवे । पढ़ए रौ नांव
ई कोनी लँवे । छोटे-छोटे टावर सागै गळी मांय भटकतो रँवे ।”

“टावर तो टावर सागै ई खेलसी, माईंतां सागै थोड़ो ई
खेलै ?”

बस बड़ी मा ! थारो सै'मू' टावर लाडलो हुं'र फीगर
जासी ।”

“देख लिछमी ! भंवरियो अवार सीधो-साधो इस्कूल गयो ।
जद हू थानै कैवू' । टावर मायै अकुश तो राखणो, पण हेत-व्यो'वार
माय कमो नी लावणी । टावर हेज मू' पळै । रिसां बळनै सू' नई ।”

“इस्कूल सू' पाछो आवै जद लाड कोड करै । 'चू'टियै' रो
चूरमो वणाय'र राख मेले । बी'नै प्रेम सू' परोसे । बो थारो
सगळो काम-काज कर लँ'सी ।”

“ठीक बड़ी मा । थै कैवोला जू' कहँला ।”

इस्कूल री छुट्टी हुयंगी । भंवरियो बड़ी मा खानी दौड़ता-
दौड़ता आयो । बस्तो राख मेल्यो । बड़ी मा मुळकी । बी कैयो-
“देख भंवरिया ! आज मू' थारो बाई थारा लाड-कोड करसी, थू'
ई” । बाई रो काम-काज फटाफट कर देव । पछै रमण नै जाये ।
इस्कूल री खोटल ना करै लाडी !

भंवरियो बड़ी मा री बातें सुण'र, बाई खानी जावे । बाई
मुलकै । बी रा लाड करै । बी नै चू'टियै रो चूरमो जीमावै । मोठी
बोलै । जद भंवरियो राजी । 'बो' नित हमेस बाई रो काम हळको
करै भर इस्कूल री खोटल कोनी करै ।

बड़ी माँ रँ तीन देवर घर तीन ई दिराण्यां। दो देवरिया
 चोगो बमावे घर नीजोहो माठो माठो। कमाऊ देवरा री दिराण्या
 बपहे-मनै, ग्यावगु पीवगु घर पैरगु ओइए माय महन। बा री
 नखरो ई ग्यारो।

तीजोहो देवर री वऊ घोभगो-दूमग रँवे। बी रँ मगली बाना
 री बमी रँवे। बी री नँ'रो पीवगो पडतो जावँ। बी री डोन भेजडी
 ताई दीमगु लागँ। दूजी जेठाण्या रँ शरीर माचँ जागँ माख्या
 निमले। एण बा काई करै ? बीर रँ मू ई गल्लया पडँ जद जानी
 बया करे माटो-माटो बमावँ जिकँ री बिराणी री भा ई दुरगत
 हवँ। बड़ी माँ री ध्यान तीजोहो दिराणी मीलूडी खानी गयो।
 मीलूडी रँ डोन नँ भेजडी ताई गूगनी देख'र बड़ी मा रँ मन न बई
 धावी बीनी रँयी।

बड़ी मा मीलूडी रँ बमरे गानी गयी। मीलूडी नँ हेलो
 मारयो।

मीलूडी बड़ी मा री भवाज मूण'र वारे धापी।

मीलूडी ने देखर बड़ी मा कँयो-“मीलूडी ! धनै काई सोच
 है ? पीलरी पड़गी है, मोकलियँ ज्यू मूंडो मूखग्यो है—बतावतो
 सरी।”

“नई बड़ी मा ! काई दुख बोती। धारो देवर बी मशूरी करै
 सो की सोरप भावे।

“इये री धनै काई सोच ?”

“सोच तो हया ई सरे”—बड़ी माँ। म्हारी जेठाण्या
 सोरी-खानै-मीवे, पूटरा कपड़ा-सल्ला पँरे, मौज मनावँ घर हँ धारँ

"बाई उगाती ?"

यो काम काज कोनी करे, रमनो-मननो रवे । पत्रगु री नांव
हं पोनी रवे । सोटे-सोटे टावर । मागे गळी मांघ भटवतो रवे ।"

"टावर तो टावर मागे हं गेलमी, माईतो मागे घोडो हं
गेलं ?"

यग बडी मा ! घारी मैंगू टावर साडवो हुय'र फीगर
जागी ।"

"देग तिसमी ! भंवऱियो छवार तिथो-माथो इस्कूल गयो ।
जदत घाने वेंवू । टावर मांघ भटुन तो रागनो, पण हेत-व्यो'बार
मांघ कमी नी सावणी । टावर हेज गूं पटे । रिमा बळने नूं नई ।"

"इस्कूल गूं पाछो घायें जद साड बोड करे । चूटिये रो
चुरमो बगुण'र राख मेले । बी नै प्रेम गूं परोमे । वो घारो
सगळो काम-काज कर ले'ती ।"

"टीक बडी मा । ये कैवोला जू' करूंसा ।"

इस्कूल री छुट्टी हुयंगी । भंवऱियो बडी मा खानी दोडता-
दोडता घायो । बस्तो राख मेल्यो । बंडी मा मुळकी । बी कैयो-
"देख भवरिया ! भाज गूं घारी बाई घारा साड-कोड करसी, घूं
ई" । बाई रो काम-काज फंटाफट कर देवें । पछे रमण नं जाये ।
इस्कूल री सोटल ना करे साडी !

भंवऱियो बडी मा री बातं मुण'र बाई खानी जावे । बाई
मुलके । बी रा साड करे । बी नै चूटिये रो चूरमो जीमावें । मीडी
बोलें । जद भंवऱियो राजी । बो' नित हमेस बाई री काम हळकी
करे घर इस्कूल री सोटल कोनी करे ।

जिण विघ राखै राम / ३६

बड़ी माँ रँ तीन देवर घर तीन ई दिराण्यां। दो देवरिया
 खोखो कमावै घर तीजोडो माठो माडो। कमाऊ देवरा री दिराण्यां
 कपड़े—लत्ते, खावण पीवण घर पैरण धोडण माय मसन। बां री
 नखरो ई न्यारो।

तीजोडे देवर री बऊ भोमणी—दूमण रँवे। बी रँ मगली बानां
 री कमी रँवे। बी री चै'रो पीलरो पडतो जावै। बी री डील भेजडी
 ताई दीमण लागै। दूजी जेठाण्या रँ शरीर मायै जाणुं माहया
 निमलै। पण बा काई करै ? बीद रँ मूँई राळ्या पडै जद जानी
 क्या करे माडो—माठो कमावै जिकै री विराणी री धा ईं दुरगत
 हवै। बड़ी मा री ध्यान तीजोडो दिराणी सीलूडो खानी गयो।
 सीलूडो रँ डील न भेजडी ताई मूखनी देख'र बड़ी मा रँ मन न बई
 बाकी बीनी रँजी।

बड़ी मा सीलूडो रँ कमरे खानी गयी। सीलूडो न हेनो
 माग्यो।

सीलूडो बड़ी मा री घवाज मूण'र बारै धायो।

सीलूडो ने देखर बड़ी मा बँयो—“सीलूडो! घने बाई सोच
 है? पीलरी पड़गी है, भोकाळिये ग्यु भू हो गूखग्यो है—बनावतो
 सरी।”

“नई बड़ी मां! बई दुग बीनी। धारो देवर बी मङ्गरी करै
 सो बी सोरप आवे।

“दुय री घने बाई सोच?”

“सोच तो हुआ ई सरे”—बड़ी माँ-----। ग्हारी जेठाण्या
 सोरी-खारै—बीवे, पृटरा कपड़ा-भरता पैरे, बीज मनावै घर हँ बारै

“बाई उठनाई ?”

बो बाम बाज कोनी करै, रमनो-मेननो रैवे । पड़ए री नांव
हं बोनी सैरे । छोटे-नोटे टावरों मागै गळी मांय भटवतो रैवे ।”

“टावर तो टावर मागै हं मेननी, माइंता सागै थोड़ो हं
मेसै ?”

यस बड़ी मा ! थारी सै‘मूं टावर साडलो हुयैर फीगर
जागो ।”

“देग लिछमी ! भंवरियो घरवार सीधो-साधो इस्कूल गयो ।
जद हू पानै फँवूं । टावर मायें प्रकुश तो राखणो, पण हेत-व्यो‘वार
माय कमी नी लावणी । टावर हेज सूं पळै । रिमां बळनै सूं नई ।”

“इस्कूल सूं पाछो भावै जद लाड कोड करै । चूटियै रो
चूरमो बणायैर राख मेले । बो नै प्रेम सूं परोसे । बो थारो
सगळो काम-काज कर तै‘सी ।”

“ठीक बड़ी मा । ये कैवोला जून् करूँता ।”

इस्कूल री छुट्टी हुयंगी । भंवरियो बड़ी मा खानी वीडता-
दोड़ता आयो । वस्तो राख मेल्यो । बड़ी मा मुळकी । बो कैयो-
“देख भवरिया ! आज सूं थारी बाई थारा लाड-कोड करसी, थू
ई” । बाई रो काम-काज फटाफट कर देवै । पछै रमण नै जाये ।
इस्कूल री खोटल ना करै लाडी !

भंवरियो बड़ी मा री बात सुणैर बाई खानी जावे । बाई
मुलकै । बो रा लाड करै । बो नै चूटियै रो चूरमो जीमावै । मीठी
बोलै । जद भंवरियो राजी । बो नित हमेस बाई रो काम हळको
करै अर इस्कूल री खोटल कोनी करै ।

जिण विध. राखै राम / ३६

बड़ी माँ रै तीन देवर घर तीन ई दिराण्यां। दो देवरिया
 धोंगो बमावै घर नीजोडो माठो माडो। कमाऊ देवरा री दिराण्या
 बपदे—नने, गायण पीबण घर पैरण धोइण माय मस। बा री
 नखरो ई ग्यारो।

नीजोडे देवर री यऊ सोमणी—दूमण रैवे। बी रै मगली बाना
 री बमी रैवे। बी री चै'रो पीनरो पटनो जावै। बी री डील मेजडी
 ताई दीगण लागे। दूजो जेठाण्या रै शरीर मायें जागें माख्या
 निमळें। पण या बाई कं ? बीद रै मू डे राळ्या पडे जद जानी
 क्या करे माडो—माठो बमावै जिके री धिराणी री भा ईं दुरगत
 हवै। बड़ी मा री इशान नीजोडो दिराणी सीलूडी खानी गयो।
 सीलूडी रै डील नै मेजडी ताई भूखनी देख'र बड़ी मा रै मन न कई
 धाकी बोनी रैयो।

बड़ी मा सीलूडी रै बमरे खानी गयो। सीलूडी नै हेनो
 मार्यो।

सीलूडी बड़ी मा री भवाज मूण'र बारें धायी।

सीलूडी ने देखर बड़ी मा बॅयो—“सीलूडी। यनै काई सोच
 है? पीनरी पड़गी है, मोकळिये ज्यू मूंडो मूखण्यो है—बतावतो
 सरी।”

“नई बड़ी मा। कई दुख बोनी। चारो देवर बी मजूरी करे
 सो बी सोरप आवे।

“हयें री यनै काई सोच?”

“सोच तो हुया ई सरे”—बड़ी माँ-----। म्हारी जेठाण्या
 सोरी-खावै—पीवे, फूटरा बपड़ा-सत्ता पैरे, मौज मनावै घर हूं शरै

सा नै दोरप भोगूँ—पछै काई सूख मिछै-टावर-टीगर नै दूध-
विस्कुट तो दूर रैया, सूखी रोटी घलए री सांसो पड़ए सगरियो
है—आहँय'र आहना मू आमूडा टळकावै ।

बड़ी मा बी नै ध्यावस बंधावती कैवे—“देख सीलूडी सगळा
दिन सीसा कोनी हुवै, अबारै रै पाछै च्यानणो हुवै इंज । थनै
चि ना मू' डीन नई गलणो चाईजे । म्हारै होवतै थका थनै बोझी
चिन्ता—फिकर नई हुय सकै ।”

सीलूडी बड़ी मा री सनेव देखता मन न राजी हुवै पण
आहया मू' चौनारा बैवा'वै ।

बड़ी मा मू' बी री दुख कोनी देखीजे । बा सीलूडी रै माथै
ऊपर हाथ फेरे । बा नै धीरज बंधावै । इनै भाय सीलूडी रा छोटा
अर छोटी वारै मू' रमता-खेलता आवै । बड़ी मा ने देख'र सगळा
टावर लटूव जावै । बड़ी मा आपरी घोती रै पलनै मू' बई न कई
खावण री जिनस छोरा-छोरी नै देवै । जावती बेळा पञ्चास रुपिया
सीलूडी ने देवै अर कैवे—“पू' इय री दूर पी लेवे । रुपिया छुट जावै
जद मनै होले सीक इसारो कर देवे ।”

“ठीक बड़ी मा । म्हारी तो जेठाणी समझो अर मां समझो
थै इंज हो । म्हे बी ने कैवूँ अर कुण सुणै ? बड़ी मा आपरै कमरै
खानी पाछी जावे ।

मिझया पड़ी सीलूडी री बीद आयो । सीलूडी बी नै बड़ी मां
री हेत-ज्यो'वार जनायो । बड़ी मा दूध खातर पञ्चास रुपिया
दिराया । नाड-गोड दरसायो । मा' वात सीलूडी रै धणो मुणो ।
मन न हरमायो । सोच्यो कै आ बड़ी भोजायी नई आ तो मां री ई

दुजो सम्प है ।

मीलुडी री धनी घोडी देर आगम करे अर फेर दडी मां
खानी जावे । बडी मा रै चै'रे माघि मुञ्ज वधै । वा छोटोडै देवर
नै खनै बिठावै । खुद रै बमरे माय मूं दो लाइ अर घोडा सी'क
भुजिया बी रै नामे राख मेनै । भोजायो रै हाथ मूं दियोडै लाइ-
भुजिया ने बी सनेव मूं ख वै । ठडै पाणी नी लोटो लाय'र गवै । बी
पानी पीवे । भोजायो केव-देखो देवर जी । हू भाज मीलुडी खानी
गयी हो । वा मूख'र मेजडी हुवती जारैया । हू - धानै बी नी टेव-
चावरी गायणी चाईजे ।

“हो भोजायो । ये ठीक कैवो, पण म्हारी मूं बगै जिनो
मनूरी हू बम्' अर वा घर न लाय राखू-पेर देख' बटेई चोगो
नौवरी मिळ जावे तो भाग री बात ।

“भाग तो उदै हूतो, पण पुरमारथ बरणी मिनस री करज
हुई—देवर जी ।

“धां नी कैवणो गो टेवका साखो है” अर म्हारी मै नन मै
बसर बीनी-भोजायो, पण भाग छाई पापर पटयोहो ?—घो बैय'र
देवर गभीर हुय जावे ।”

बडी मा बात नै मुळत'र घामे दधावे अर देवर ने मै नन री
पळी मीटो पळत री घासीम दिरावै । जद देवर हृदयस बरतो हुतो
बहीर हुवै बी बखत बडी मा आपरै बमरे माय मूं घेव घोनी पोटी
देवर गानर अर घेव बधिया बूंदडी दिरावै । गी.सू.री खानर दिगव ।

देवर रडो भोजायो रै हेनु मूं मन न बिनगो राखी हुई-इ
बीरी मन ई जागै । बी गोवै बी मा बडी भोजायो दं नई ?, देवट

माँ रो गरुण छँ द्यर माँय लगीरि ।

सोलूड़ी बारनँ भिजवार्योड़ी चुनड़ी भर धणी रँ कपड़ा देखनी
पाण धी रो हिरदे बँवळ नि जानँ । बा बड़ी माँ रो चाकरी ह्यां
करँ जाणँ बी रो जेतम देवालि माँ हुवँ ।

सोलूड़ी रो धणी घर रँ माँचलियँ मायँ मूर्तो-भूतो कइं घडे
भर बड़ँ भागँ । कदेई अणमणो भर कदेई चैरे मायँ मुळक बवँ ।
केरु कमर बसैर बमायँ ग रो निरगँ ले लेवे । सोलूड़ी रा भाग
सैते । धणी नित हमेमं भजूरी करँ भर सोलूड़ी नँ हपिया देवे ।
बा रूपिया नँ भेळा करे । मोके-टोके बड़ी माँ नँ ई कइं न कइं
सोलूड़ी रो धणी सायँर देवे । बड़ी माँ बौन राजी हुवे ।

मुवाड पणिघार सारु छेकड़ला कमाऊ देवर ई बड़ी माँ रो
धणी आदर करँ । देवराण्या छोटो-मोटो बाम-काज बड़ी माँ नँ
पूछया बिण बोनी करँ ।

बीमारी-सोमारो मायँ बड़ी माँ ई छोड़ी आवँ । प्रेक दफँ बड़ी
नँ देवर-रो छोरो निमूनीया दुतार मायँ जकड़ीजग्यो । बी नँ रात-
रात भर नीद कोनी आवँ । दिराणी अणमणो हुय जावे । बा बड़ी
माँ नँ गोद मायँ बिठावे । पखँ मूँ हवा करँ । दवा-दाह मिसळायँर
पावँ । छोरो बड़ी माँ रो गोदी माँय नीद ले लेवे । बड़ी माँ देवराणी
नँ आश्व मे बट्ट लेवण रो कँवे । भर खुद आपी रात जागती रँवे
इयाँ दो-तीन रात्याँ बीतगो । पण बड़ी माँ छोरे ने छोडे नी । छेवट
बी रो बुखार ठीक होयग्यो भर बिण दूध-बिस्कुट लेवणो सह कर्यो
जदेई बड़ी माँ आप रँ कमरे खानी गयो ।

कमरे माँय बड़ता पाण ई बाबँ पूछ्यो-टावर रँ कियाँ है ?

“घने ठीक है”

“घूँ बटै ई भेयगी ।”

“हाँ — मा !

“बपू !”

“बड़ोहे देवर देवर जी रो छोगे निमूनिया बुखार मे हो ।
र जावना ई म्हारी गोदी माय घायगी । म्हें दवा-दारु दिरायी ।
रो नीद न सोययो । “घब ठीक है जह हूँ घायी ।

बाबो बोल्हो—“देगलो ! टावरिया गल्ला ई म्हारें खनै रैवे ।
मृन जावे । भूँ-गुर्ग । पर रो काम धधो करै । पछे वा री
वटया नै कादं बाइवे ?

बाबो पूछे—“छोटोहे देवर जी रा काँ हाल है ? कई कमावे
जावै या वो रा टावर-टीगर दोरप भोगे ?

बड़ी मा जयनो दिरावै—“छोटोडा देवर जी घासँ दिन म तूरी
रै । मै'नत भूँ रोजाना पईमा कमावै । दिराणो घर टावर-टीगरों
। लाह-कोह करै । घनै बँ भाग मरोसे कोनी जीवे । या नै आप रै
जबल मायँ बिस्वाम ।

बाबो कँवे—“बोगो, जीव मोरो । मै'नत माय फायदो ।” इतरै
माय छोटोहे देवर बड़ी मा खनै घायँ । वो बड़ी मा नै पाच सौ
पिया देवै । बड़ी मा वो रँ रुपिया नै आप रँ तिजोरी माय रावे ।

छोटोहे देवर मोवनियो बडे भार्घी ने देखै घर बाँ नजीक
माय'र बैठ जावै । बड़ोहे भार्घी, बीरा हाल-बाल पूछै । मोवनियो
मायरी कमायो री हाल-बाल बतावे घर फँवे है भार्घी जो । म्हारी
शर्या बड़ी मा खोल दीवी । मनै ग्यान दिरायो । म्ह वा रो कैवणो

मान'र मजूरी मरु कर दी वी । अत्र सौ काई ठीक है ।

बडो भाग्री बँवे—“मोहन ! मैंत अर मजूरी न ठाकुर जी री वामो हूँ । तू च दैवे जिको ठाकुर जी चुगो देवे ई ।”

इसूल री छुट्टी हुवे जद सगळा टावरिया धरै आवे । आपरा वस्ता राख'र सीधा बडो मा रँ कमरे खानी आय जावे । बडी मा मुलकै । टावरा ने दिगमण मारु बडी मा अल्मारी खोले । कँने ई टॉकी, कँने ई भुजिया अर कँनेई केळा बांटे । सगळा टावर घोघारियो माड'र बैठ जावे ।

बाबो मन ई मन हरखीजे । बा री कंवळ-कंवळ खिलै । ई मांय देवर-देराण्या ई बडीने आय जावे । सगळा देवर बडोड भाग्री खने बैठे अर देराण्या बडी मा खने ।

बडी मा बात्मा रा गुलछर्रा लगावे । कदेई-कदेई नीति अर ग्यान री बात्मा सुणावे । सगळो परिवार बडी मा री मोठी बोली लाड कोड अर चौध सभाव सून धुयोडो-मित्योडो रवे । बडी मा सगळा रँ दुख सुन री सुगनवाला अर नीति सगत सत्ता देवण वाली हुवे ।

थोड़ी दे'र मांय दूजोडी दिराणी लिछमी री बँटो भवरियो आवै । वो बँवे—“बडी मा । अत्र लिछमी म्हारो लाड करण लागी ।

बडी मा अर लिछमी दोनू मुलकै ।

गुरु घर सादी

प्रोफेसर रामशरण जी दोन धीरे सभाव रा हा । तीन विगे
 रा गय ना मस्तुन, हिन्दे घर मधे जी रा धुँवर पड़िन । कालेज
 मे सगळा मू बर्धक ध्यान राख्ण पाळा । उँन मू पनळा घीचे-
 मिरया । रंग गोरो गट्ट । पोसाक धोळी खादी री धोती अर धोतो
 ई बुरनो । पग मे गोरगपुरी पगखी । अर्या मागै तममां पनळी
 डाई, गै । दूर मू आचना उर्या लागता जाणै ह्या रं हाचें माथै
 धोळें चमडी ओढायोटी हुवें । मू डै माथै मुळक बध्पोडी रेंवती ।
 साईगा प्रोफेसर घणा कोमती वपडा पेंरता । पण वारी मादगी
 रें मांमै मगळा पाणी भरता ।

कॉलेज म आबता जद आप आळी पुराणी सायकिल जिफी
 सगळें रस्ने भाय चरंरटाचु वरता बा री वर्सा । करावती रेंवती ।
 छोरा-छोरी वानें घणो आदर सत्कार देंवता-दिवावता ।

बडी कॉलेज मे छोरा-छोरी उछाद्यलया करना । वदेई
 प्रिंसिपल सामें मडता तो वदेई पुस्तकालयाध्यक्ष मूँ भवबेडो देवता ।
 वदेई आपस परी भाय राव मचावता तो वदेई बारै मूँ बवेडो खडो
 फर तेंवता । वदेई नुवा अध्यापका मूँ छेष्ट कुचरणी करना तो वदेई

नाव री चरवा लेय'र हुडदंग मचावता ।

पण जद वदेई प्रोफेसर रामशरण जी आवां तो सगळा
छोरा-छोरी माथो भुवाय र खडा हुय जावतां । सगळो वखेडो कैय
इं नईं सलट तो जद प्रो० सा'ब दोनू' पाटोयो ने हुलाय नै
जीपो करावता । फँरू कॉलेज पें सांयती हुम जावती ।

प्रो० सा'ब टाबरा सूनं घणो सँव राखता । खुद वदेई
लास कोनी छोडता । वारी विलास माय पढणनै छोरा तरसता ।
रो ग्यान समदर री गै'राई री तरै हुवतो । हरेक विसं माथे
रो पूरो इधवारो ।

वारी खूबी आ हो कै वें छोरा नै पढावता अर वा नै मोक्ळो
ध्या पढण सारू पुस्तकालय सूनं दिरावता । खुद आज रै
फेसरा री तरै ना तो चुल-बुला हा । अर ना बां नै ट्यूशन-
सण रो लोभ । कोरो लोभ ईं बात रो हो कै वारा पढायोडा
छोरा-छोरी खूब ग्यानी हुव अर चोखा-चोखा नम्बर लावे ।

खुद रै घरै प्रो० सा'ब पणखरो वखत पोध्या पढण अर बी
नोटस बणावण सारू बीतावता । पढावण रो वा नै सोख ईं हो ।
० सा'ब रै घरमाय लुगायी घणी पढी लिखी कोनी ही, पण खुद
टाबरा नै पढावण सारू मँनत करती । घर गिरस्ती रो काम-
ज ईं मोक्ळो हुवै, पण पढाई-लितायो रो महत्त्व वा भाछी
रयां जाणती ।

प्रो० सा'ब रै अेक छोरी ही । दोनू ईं पढण माय हुसियार ।
० सा'ब रात री बेळा में बाने पढावता रँवता । दोनू ईं छोरा-
री फस्ट डिबीजण सूनं पास हुवता ।

बौनेज रै चैला मंडली रा बीन भा छोरा जगै-ब्रगै अधिकारी
 बोग था । बारी सरधा प्रो० मा'ब मारु घणी देवनि । प्रो सा'ब
 धारै बौनेज भाय घणे मनेव मू घनलावता बां रो दुग दरद
 पृथना । जि बा कमजोर समाज मू धावता बारी फीस माफ करावता
 घर पुस्तकालय मू धारै पोछ्या दिरावता । मार्ग-मार्ग पढाणी-लिखायो
 रे मुजब निर्ग दाम्नी बरता रैवता । केई-केई छोरा रो भोलावरण
 दूज प्रोकेवरा नै ई दिरावण मारु प्रयाम करता ।

समाव रा उदार घर हिरदै मू बबली हुवण रै बागु दो-
 तीन छोरा बा रै मू डे लाग्या । छेक छोरो रमाका त मो बोन ई
 घट घर चानबाज । दम-बीस छोरा बी रै मार्ग नित-हमेम मूंड
 बगयोडा गा रैवता । रमावान्त रै कंवणु मू घाने पुस्तकालय मू
 पोछ्या प्रो० रामनरण जी दिरावता । बो कदेई-कदेई तो कंई रै
 घाम्ने प्रो० मा'ब इण छोटी-मोटी बातया मार्य ध्यान कोनो देवता ।
 इसी ई मभाव रो ही प्रो० मा'ब रो घरबानी कमना । नाव जिमोई
 रूच घर गुण । हिरदै मू उदार घर भोली भाळी घर अनुभव मू
 गुणी उमोडो । प्रो० मा'ब रै समाव नै बा भाछी तरिया जाणतो
 घर बा रै मुजब ई चालतो ।

दियाली-होली जद कदेई कनिज रै छोरा रो मूड घर कानो
 भावतो तो कमला बा नै मिठाई खवायें बिण पाछी कोनी जावण
 देवनी । भाछे मभाव रो छोरा प्रो० मा'ब घर बा रो लुगायी रो
 भोकली बटाई करता । बा रो भादर घर सरधा मू नाव लैवता ।

रमावान्त कमना रै ही मूंडे लाग्यो । मईन में दम-बीस
 ईके तो बारे घटै भावतो ईज ।

प्रो० सा'ब नै नरनै विश्वविद्यालय सारू भाषण-भाळा रो नूतना मिलतो, जद रमाकान्त वाने ठेसए पूगवतो घर घर रा दो-चार काम-काज ई सज्जदाय देवतो ।

प्रोफेसर सा'ब री घरवातो अेक दिन रमाकान्त ने पूछयो-रमाकान्त यू कुणसी बितास मे पडे है ? वो बोल्यो:-माताजी, हू सोलबी मे रहु ।

“या रै कार्ड बिसे लियोडे है ?

“म्हारै हिन्दी लियोडी है ।”

यू आगे कार्ड “पडैला ?”

म्हे पी. एच. डी करणी चावू ”

“कैरे अन्तर मे करेला ?”

“जठै प्रो० सा'ब बता गी ।”

प्रो० सा'ब खुद बीनी करा सके ?

बपू नई, वा री म्हारै माथे भैरवानो है ।

यू चाओ तो म्हे पारी भोजावण दे दू ।

“माताजी, नेवी घर पूछ-पूछ'र ।”

तो ठीक, अघार धूँ घरे जाय'र आराम करले ।

“जावूँ माताजी, माय री आभ्या । म्हारै जोग बोघी काम-काज हई-भोजाया अवम ।

या बैय'र रमाकान्त घर गु वारै जावै । कनित्र रे नत्रीक बी रो घर । भायझा री मइती बीनै उछोरै । घेर भायझा बोल्यो-आयग्यो रमाकान्त घर मगझा बी नै घेर लियो । मगझा आदम दरौ मे हथाया करे । कदेई पडनरी वारयो घर कदेई गिनमा री पिन्ना री ।

बो मांय मूँ धेक जगै बँयो-रमाकान्त । म्हुनै हिन्दी रै पौचये
र री पोथ्या बोनी मिळी ? ५ प्रो. मा'ब ने म्हागे मिफागि
र देवे तो पोथ्यां मिळ जावै । बो पडूनर देवे-भूँ नई, प्रो. मा'ब
भावण दे । जरूर दिरामूँ । छोरा बान्ने वै भाषी गत रा ह्यार
।

आ बँय'र पाछी दूजो-गण-गण सगावणी मन् करदे । केई
मा'ब रै गुग्गा मायै, केई बारै ध्यान मायै केई बारी उदागना
आछी बणाण करै । केई कैवे कै इन्ध्या देवरा वम ई मिळै जिका
रौ नै घणै हेन मूँ पठावे । खुद री जेह मूँ वा री फेम भरे ।
ध्या दिरावै घर जद छोरा घरे मिळग नै जावै तो चाद-नागो
र्या बिण पाछा बोनी जावण दे ।

रमाकान्त कैवे-भई गुग्गी सगळा नै घावै दावण दाई
मभै । छोरा री लाड-बोड करै । प्रेम घर मनब मूँ बीन घर
नळावै ।

ह्या ह्याया करना धर्मा बगन दीनगी । सगळा छोरा धाव-
प रै घरै दुर घहीर ह्या ।

प्रोफेसर रामहरण जी केई दिना पाई बाने मूँ आया । सगळा
नेम कुल्ल धूँछी । फेरु बनिज रै बगन वटे पूराया । १६ बानो
र सिखावणो प्रो. मा'ब री रोज री फरज । घणवण छोरा बा रै
देवी एच. डी. कर'र निहार या । ऐबट रमाकान्त री नम्रह ई
रौ जोहावन रै बँवणै मूँ आयायो । बी रै मोटबी बाना ई रजि-
न हययो । तीन साल माय बिण धावणै डिहरी गुग्ग बिहरी
तोबी । रमाकान्त डिहरी मेबणै रै पाई गुग्गी घर बा री जोहा-

यन ही आजीस तेवण सः आयो घर फेकूँ आप रें गांव वचने हुयगयो ।

थोडा दिना पाछे वो भी कठई कठिज माय नीजर सागयो ।
 प्रो. सा'ब आ खबर गुणी जद बाने यडो आणंद आयो ।

प्रोवेसर सा'ब री रिटायरमेट नजीब । थोडाई मईना बाधी हा । रें आगरी वेगन रा बागड लाग करबाय रेंगा हा । सोचो रिटायरमेट रें पाछे मोबळो मर्म पाडण निराण माय बीतागू । पईमो-टबरो ई ठीक-ठाव मिळजागी । घर रा छोरा-छोरीसू घट-गुणयो- घर वा रें नोवदूया ई सागली । छोट वेगन रें आगरी भूँ दोय बीबा री आयो पेट भगीरतो रेंगी । जोरगो रिनीई मीवणी । गारमा 'मै' गुमी रेंगी । ना ऊथी रीगेतो घर ना मायो री दे'गी ।

आ मोख'र प्रो. सा'ब मुद रें बागडा ने ठीक-ठाव बाग मा' साग जाव ।

वें आचानक दुखबागय माय जाव । गुनबाकबागय वो ने गोख्या री निरट पचदाय देवे घर बंद-प्रो. सा'ब आगे नारे नारे नारे मुदलो गोख्या बाधी निरव । प्रो. सा'ब निरट देवे घर मुद री आगरी उ'बो-नो'बो करे । वो गोख्या मोबळा दाग ने दिशवी । नल बंनई पाछे बोनी जमा करावी । घर प्रो. सा'ब मोब न पचदा । वो रमाबा'न ने पाद करयो । वो ने घेक बागड निरटो त्रिके माड गोख्या री सडो निर मेययो । उपटो पासो आयो बोरी । रिटायरमेट री मायो दिन आययो । नल गोख्या नगी बोनी निर लवी । गोख्या री नल न बोमन दल हजार कठिया रें घई-जई ई । प्रो. सा'ब निर-निर टोरा ने बाकन हा । वो ने बागड पच

निम्नो । पण विणी रो उयलो नई निम्नो । छेवट डा रमावान्त
 रो कागद प्रो० मा'व खनै आयो । बिणु निम्नो-गुम्जी मोकळा
 बरम बीतग्या । छोरा पुस्तकालय माय पोथ्यो जमा कोनी बरायो
 आ भुणर मनै घणो दुःख हयो । अबै म्है तो कई छोगा रो पतो-
 ठिकाणो जागूं ई कोनी । कियो पतो नगा मक्कू ? पण आप म्हागे
 जीवण घणावण मात्त जिको मनैर दियो-दिगयो वो नै कदेई नई
 भुलाय मक्कू । दस हजार रो कमल बोत ज्यादा हवै । आप रो
 गुम्-बरमादी मूँ छोरा आपनै कदेई कोनी भून मनै । हूँ अबार काम-
 बाज माय बरम रैवूँ । समै मिलतागल ई आप रो मेवा मात्त
 हाजर हय जागूँ । म्हागे जोग मेवा हवै निम्नो । कागद रो
 उयलो दिरामो । प्रो० मा'व ओ कागद पढ़'र मन-राय मोरै रो
 सोग छेवट गुरपग्गादी हाफेई नै लैवो ।

प्रो० मा'व रो घेछूटी घर पेणन मात्त मूँ दस हजार रु'या
 बाटी'जर राज रै खजाने मे घुग जावै घर छोगा रै गुर पग्गादी
 हाथ साथ जावे ।

प्रोपेसर मा'व घरवालो खनै पूमै घर मगळो बधा बगळवै ।
 पैसा उदास हय जावै । घरवालो मयभराय हवै । डा ब्या'बक
 दिगवती बँके — बिन्ता-पे'कर रै घणो घान बान' रै जागूँ रै
 घेक टाबर नै ऊँखो शिक्षा दिगवण रो घर मूँ द घरब मा'दादी ।
 पेरु होवूँ आप रै काम-बाज माय जुट जावै ।

भैम साँब

इस्कटर गंगर होटल आगे हययो । चंचला अर दीरो बीइ खंट मूँ हेठे उतरया । अ.गे आगे बौद अर लारै-लारै ऐय्या चट-काबती चंचला होटल रै माय । सज्योड़ी कुरसी टेवल मायें दोनू आयर बैठल लाग रया हा के इने म उजळी बरदी अर मायें साको पैरयोड़ो वेरो लुल्लु'र दोना रै स'मै सलाम करयो ।

चंचला बोली-मिस्टर, दीय कप काफी लाम्यो अर एक प्लेट रसमळाई ।

वेर उचलो दिशयो ' हूजो अबार सामने हजिर करूँ । "आ कर चयो ज.वै ।

चंचला होटल रै खुणै-खुणै कानी मिजर दीडावै । धएख'रा मनघला रौ ध्यान बी रौ पोशाक मायें जावै । चंचला रौ नांव जिगाई'गुण । बधिमा रेशमी साडी पेरयोड़ी चिलकती टीकी, इलाऊज अर चैरे मायें घोळो-गुलाबी पाउडर, आस्या मायें भीणो-भीणो काजळ अर मायें रा केश खडायोड़ा जाणै कोई इन्दर रौ अप्सरा ज्युँ लागरेयो हौ ।

होटल रै पंखा री हवा मूँ साड़ी रौ पल्लो हवळै-हवळै उड

रैयी हो। वो मूं मधरी-मधरी फटूमिषा मेन्ट री खगबू सगळी
होटन माय फैल रैयी हो।

हो-नैन जोडा जिरा होटन माय तफरी नेवण मारु आयोडा
हा-बारो मेवट ध्यान चवला रै मायै नाय्योडो हो।

चवला री आपरै पतिदेव मूं धान कारण री नय्यरो इं निरागो
हो। वान वामू वरं अर ध्यान दूजागोनी राखे।

इत्तं मे दूजो बग्दी पेरूर योडो बेरी आवे। वो बीरे पतिदेव नै
पूदे मा'व, आप हुवम करो कई मेवा मे पेश करे।

माव मूं पैनाडंज चंचला ह्योर बडळकर बोनी-किनी बार
पैवगो पडमी? यू नोन मेन्म, बिग टू कप बाफी एण्ड बोन्ड
घाटर।

बेरो उयळायो-यस मैडम। अवार लाई। गरदन भुकावतो
पोंटर दोय गिलास ठडे पाणी रा भर ल्याय राख्यो।

चवला रै पनि बँयो-पू विद्या बोले वावळी, था आडर तो
दूजै नै दिरायो अर मुम्मे इये बेरे मायै करै।

चवला री अ.ख्या माय विसी गरम हो। अजी, यू डोन्ट
अन्डर स्टेन्ड द टेडेमी आफ ए बेटर यानि धाने बेरे री आदना री
बैरो बोनी।

पमवाटळी टेबिल खनै बैठया दूजा लोग वा होना मानी देखण
सागरया हा।

चवला बान नै पळटनी कैवे-साब, आजरी मदर इन्डिया
फिल्म धाने विद्या लागी?

सा'व चुप हुयोडा उयळो बोनी दिरायो। पण चवला तो

चंचला ही । आंखों मटकारती होंरा जड़पौड़ी घंखुडीवाली भांगली
नै किरावती फेरू पूछे-नाथ, भाज रो दियन किया नागी ? कितरा
मधरा-मधरा गीत भर किजो फुटरो डांस, नबो भयम्भो गिबवर
देखण गी ।

“पण भाव अबके भी चुन ।”

चंचला कैयो-उयलो बोनी दिरावो ? बोई अदरवाईज मानग्या
बैरे ने डांट दम नम्बर री दीवो हा ।

चंचला रा भाव धीरजवाला हा । नै पी. डकनू मांय ऊंवे पद
रा इन्जीनियर हा । घणासारा मिनसां नै परोटता हा । ब्योहार
सारू मोकली समझ ही ।

इन्जीनियर साव कैयो मंडम । धनै बैरा सागै डसडो बरताव
नहीं कर गो चाईजे । म्हें अफसर हूं पण आदमी हूं । मो होटल रो
बैरो है पण संबट आदमी रो जायो है-बोड़ीसीक बोली में मिठास
हुवणी चाईजे ।

दोनों बातचीत कर रैया हा कै पैलडो बैरो भायो-साव दो
कप काफी लेवो भर देरी बास्ते माफी बगसो ।

बैरे दोनूं सामें लुलर सलाम कर दूजा री मेवा मारू पूगग्यो ।

चंचला नै विचार आयो कै कुंभार कुंभारो सू पीव नहीं
आई जद गधैरा कान खीचे । बापडे दूजे बैरे ने फिजूल डांट पड़ी ।
इतरे मे इन्जीनियर साव बोल्यो-भयस मंडम “हब काफी कप ।” भर
मुळकण लाग्यो चंचला पैलडो कप साव मामे राख्यो भर दूजो खुद
रै हाथ माथ धाम चुस्की सरू करी ।

इन्जीनियर सा'न सैर रा रैवण बाला हा । वै बात-चीत माथे

- नो-न माफ़ मिस्त्रा गरी छावना घर घटे
 - घर खानी बहीर हुवना ।

गो न ब मोहन टम हो । त्रिपार्ई गुन । बा गो
 गु प र मान रंवनो घर टेकेदार खाने गुन
 - भागि लालो जगना जोर मे-दा ।

॥ निधन माव रं दो-दो बगना । मोटर घर महुटर
 - नने । बगना माय इगना टाड ब ट के जगने बहा-
 ना रं पग माय कोरी लारी । जोबना ग बहा-
 र, नेना मित्रन माफ़ छावना द रंवे । गगना री घाव
 ॥ कर ब कर बर । कम ई माय मोहन गम ई हुरे पा
 पानीके ।

मैम माव बबना पानी बट घर मातू । योगी मित्राज
 गो लाल । पटोव नाराज घर पटोव गली । बबना गो
 ॥ य माय हो । गाव म य बाव रो घर माधारण गो हो । घर
 - री पानी दोग्य देमयोडी हो । नेन कानो घर पी रं रं खंचा
 गाव बाळा री जिनगाणी खंत जावे पण बबना पू ब जलम
 ई न बरूं बोला बर धायोरी हो ।

बीरं कपाव रं पाछे बीरं धर्मी री इजीनियर धणन री नौकरी
 रागी । नांकरा मगना गूं तो बगना कोनी बगै, पण उवरळी
 भूतिया बमाई सरकार रं टाठ सगाय मेळे । बमीजन घर रिषन
 तो मदा मुकाभण रंवे । उवरळो पानो आवना देर कोनी लागै ।

खंचना व्याव रं पाछे दगवी पाम करी घर हवळे-हवळे पढना-
 पढना छे उद्वेशन करवी । पटाई-पिळाई रं सागै-सागै फैशन माय

लूमबलूम हुयगी । होटलवाजी रो पूरो सोल । सनेमा भर नाच-गान
 माथे मोकळो धन खरचे । भा कैबत है कै एक जबानी पटनो पन्ने
 राम चलावै ज्यूं बा चालै । चचला सार्ग भाई बात लागू हुवै ।

चचला रा मां-बाप गाव ने रँवे । गांव माथ तो ना बोर्ड
 निनेमा भर ना कोई होटल । चंचला रा भाई-भोजाई सीधी मन्ना
 रा । ना बोर्ड बारें ल्होड़ बड़ाई भर ना बोर्ड पमण्ड ।

चंचला नै सैर री हवा लागणै सूं गाव माथ बदेई टिके
 कोनी । मा बाप मू मिलन री रली भावै जद दो नीज घडा वाने
 भापरी मोटर कार माथे भिळणु साहू जावै । बटै रो तावणो
 पावणो बीनै घणो चोखो कोनी लागे । बीने बाळणु माथ भाव-
 टनो जितो भवै कोनी भावडे ।

इजीनियर साहब रँ माथे चंचला रो घणो परभाव । माथ'रें
 धार म थ इये नतराळी रा पत्थर निरे । इजीनियर साब रँ निनग
 वाजा टागवर, टेकेंदार भर भफमर मूं इयेरी बोल बनलावणा वय
 लाग रँयो हो । जद बदे इजीनियर माब'र माथे तवादेने रो नकट
 भावतो तो चचला ने मिनिस्टर रँ वगने भागे चक्कर मगावनी
 देवता । चचला बारे वगने माथ गहवा बीलावनी । वारी हाजरी
 भण्ण माहू विणु बाज रो पमी बोनी रागनी । मिनिस्टर रँ
 हाजरी रँ सामे चंचला रँ भागें मडा-बडा अधिकारी भाषो निवर
 जानता । चंदसा रो इये कारण नाव ऊँचो वधयोडो रेवतो ।

ना रँ सगळो मुख हो पण मुद रँ मन्नान बोनी रँ
 चंचला ने धिन्ता हुवन लागी । बदेई-बदेई कोणी
 ~ पूछ नेवनी-चंचला त्रों भावरें बदे मन्नान है ?

वा उल्लो देवनी-प्राण टावर नो म्हारा ई टावर है । के
मने मन्नाम नी वार्दे जन्म है ?

अपगर री जोडावन नैन गिनाई मा नगरी री महत्व सन्ना
मूं ई जोगी लागे । टावर-डीगर म् वारी वंग बधे ।

चंचला बौली-टप मे म्हागे वट सागे धोडो ई हूँ । मन्ना
गुल री वास्ते नो धाय गाव न ईवो । वा मूं ई कोई न कोई उर
हो सके तो हूँ ।

अपगर री जोडावन बीगे उभलो मुण र मुळवग लागी
रिए चुटकी लेवनी बंधो धाय गाव न गरी राखसो जद ई नो
मारी मनमा पुन होनी ।

चंचला उयसो दियो - म्हागे म्हागे मूं वदेई नागज बोनी
हूँ ।" वारा तो टाट ई टाट है ।

चंचला री मन माय जतान गुल री वान घर बरग । व
सोवण लागी के नारी री महत्व मन्नाम बिना बोनी हूँ । चंचला
जतान गुल री वास्ते सोवण लागी । बिना री नाइ ठाठ मोहना
गोई बान री बसी बोनी । पण ई मानमने घर टाट बाट री
गोना नो हुवण बाळो सन्नाम मूं ट चोर्वा लागे । वा धर्मा मोमग
हूमर्गो रीधण लागी । दूजा री टावर न जद देने तो व रो मन ई
धायरी गोद भरीजण वास्ते हूँ मे मण हूँ न म गो-वारी बंधे ।

दगने भाई घला मंग घावे । दजानियर गाव री हाजरी
मने । वदेई टेने री बान हूँ नो । देई बसीजण री बान । चंचला
री मन टावर देवण गाव व बट हूँ नो म्हा हूँ ।

मेर दिन दजानियर गाव री घटि पटिज नी घावे । पटिज

जोतिम घर हाथ देवता से पगो मोग गगै । घरगग मूं मितां
 भी सो बी तरीतो गोता धनधार करयोही है, यहा हाथमा से मंड
 मन्त्र घर जोतिम विद्या न पगो विद्याम । धा वंवा है के भुगो गूं
 जोतिमो । पग घट्टे दू जोनिपर ग ब ही गगगगी रें भुग तो ने डे नत्रे क
 टं बोनी धर धर माममरगो धावबी है । पग घेर बाव ही भुग
 गगगा ने म.ग्योही है । बा म.गान गुन पावग ही ।

परिहय जो ने देवता पग पगगा घाटें गाव ने वंभी-म.ब
 घाव घाने धारी जगमनरी दिमायो घागें मगगान हूँगा के नदं ।

दू जोनिपर ग.ब बाव गुननेया हा के परिहय जो ने भोगो
 मोचो मि.यो । वो बो.यो-मन धारी जगम कु हारी दिमायो । मंभ
 गाव ही जगम कु हारा हूँगे नद तो पगोहं घागा मंद तो हू बागो
 हाथ देवता पगो मगा मग ।

गगगा देवीदेव घागगा हाथ परिहय जो रें गगं मी.यो ।
 परिहय जो वदेहं लममा उग.रें । वदेहं हाथ ने उग.गु.बा क
 देवतावा दू पग बाव हा हा गुम बो.रें घा.रें पग बाव बागा.रें बिग
 के.र.म.ब लाव य हा हाथ दल.र म.न दगा म गुम हूँगे के य ही प
 हा दिग्दवी हा प.गा हाथ ही गगगा बागा.र के दू जोतिपर लाव रें
 बाव बा.र बा.र घा.रगे म् मी.र उ.र हा.र-बा.र ला.रगा हा । पग बा
 हाथ देवता म् म.र वि.र ला.रें हा के घा.र हा.र गुम हा.रगा
 बो.री ।

साहब मू भेळ मुलावात वणावें जिकें मू दागे धधो चोखो चाल सकें ।

पण्डित बोल्हो — आ बाप तो थारी जनमकु डली देख मूं भर
ब.मै गिरे-गोचर मूं पतो लग य मकू । अवार तो मनै साब मूं
धोडे.सीक घात मतलब री करणी हैं । मेममा'ब ओ पेट पाणी है ।
इये रै कारण घग्गा ददं पंद रचना पडे । जीव अेक भर कथा
अनेक आळी बैचन म्हारै सागे ई जुडयोडी है ।

चचल बोली—इजीनियर साब पण्डित जी रो वाम काज
जन्दी-जन्दी बरो । आ मूं अमा नै घणा वाम हुतो ।

इजीनियर साब मुळक्या भर पण्डित जी मू बागे वात मुगुन
साध्या । पण्डित कैयो साब इयै सडक रै अेके न मनै गरीब नै वोन
बम फायदो हुवैला । आपरो-आपनी बलम मूं दव । दरमावा तो मनै
दो तीन लाख री मजुरी हुय जावै घर मे दागा ई बापर जावै ।

इजीनियर साब आपरै कमीमग री सोदो नय कर्यो भर
कैयो कै दोनो हाथ मिलाया ई धुपेला पण्डित जी ।

पण्डित जी हुंवारो भरयो घर जावग लागो । एने माय
चचला चाटो रै प्याले माय चाय न्याई । पण्डित जी घर माव रै
आगे राख मेसी । बा बोली “पण्डित जी चाय पीवो ।”

पण्डित अेकर नवरो बियो दगु मेवट मन्दवार रो बच्चो ।
चाय पीवग लाग्यो । चचला आगे बैवग लागी — “पण्डित जी
म्हारो जनम कु डली ले जावो घर पेला-देग लिखर त्यावो ।

पण्डित जी अे. र चचला गामै गीरे मू देख्यो । फेर मुटहर
बोल्हो अेबम ला मू, जरूर ला मू आप तो गाग्रनेक निघमी हो
धन भाग म्हारा कै मनै थारा दरमण हुवै, पण्डित जी आरतो

जोनिग घर हाथ देखण रो पगो मोय राखै । असमय मूं भिसी
 रो मो बी तरीयो मोया अतयार बरयोड़ी है, बड़ा हावमा रो मं
 तन पर जोतिम विद्या न घणो विरवास । आ केवत है के भूषो पूरे
 जोतिरा । पण अउ इ की नियर माय रो घरवानी र भूष तो नेड़े नजीक
 र कोनी धर भर मातमरतो थापवो है । पण ओक बात रो भूष
 चचला ने लाग्योड़ी ह । बा सन्तान मुख पावण रो ।

पण्डित जी ने देखना पाण चचला आपरै साव ने कैयो-साव
 आप आने धारी जलमपतरी दिसावो आपरै सन्तान हुंला कंनर ।

इजोनियर माय बात सुणरया हा के पण्डित जी ने बोवो
 मोनो मिल्यो । बो बोल्यो-मने धारी जनम कुंडली दिसावो । मेम
 साव रो जनम कुंडलो हुवे जद तो घणोइं आधो नई तो हू बारो
 हाथ देखर पतो लगा मकूं ।

चचला बेगीमीक आपरो हाथ पण्डित जी रें मामें मैल्यो ।
 पण्डित जी कदेइं तसमो उतारें । वदेइं हाथ ने ऊंधा-मूंघा कर
 रेखावा देले पण बात गना मूम बोनी आवै, पण बात बणाय बिअ
 कैयो-मेम साव घ रो हाथ देखर मने इसो मालूम हुवे के ये इयं धर
 रो लिछमी हो धारी हाथ रो रेखावा बतावे के इजोनियर साव रें
 घर मांय धारे आवणूं मूं मोनळा ठाट-चाठ लागरया हा । पण धारे
 हाथ देखण मूं मने जिसो लागें हो के धारे टावर मुख हासतई
 कोनी ।

आ मुण र चचला रें मन न खल्लवली माचणी । बा बूझण
 लागी पण्डित जी, ओ मुख बदताईं होसी निपुतणी तो कोनी रेंवूं ?

पण्डित दुवनी रंग पकडली । बो चावतो होकें अफसर रो मेम

सुगायी बाप-राज बरा गरु ।

दूजै दिन पंडित जी सांग सूं दशर माय आपरो बान पडा-
लियो ।

मिझयारी टैम इंजीनियर साब अर चंचला काफी दीवरा माय
अम्बर होटल पूया, चंचला रो सजावट बी रो नाहो । दोस्तों ।
खूशबू सगळे होटल माय फैलगी । काफी रै प्याने रो आदेश बरे ने
मिल्यो । बरे सुद्धर माथो भूजावनो खाने हुयो । अडीने चंचला रै
चरे माय होटल मे बैठ्या दूजा अरुनरा रो निजरा जावे । अमरा
री बीव्यां, जिकी होटल मे आयोडी ही, चंचला रा सगल देवे
तो बी रो रूतवो ई न्यारो लागे ।

इंजीनियर मा'ब अर चंचला काफी बप खानी कर्यो । बिन
रो चुकारो कर्यो । कई बरे ने टिप्स दीवी अर खाना हुया । होटल
सूं बार आवे तो देवे है कि पंडित जी खडा हा । बा'चंचला रो
रै नजीक जाय'र हाथ जोड्या फेरु माव ने ई । चंचला बूझो-
पंडित जी, थारो काम-काज मा'ब गलटायो के नई ?

पंडित बोन्नो-“अरे तो आपरी किरपा मू अरुनरा बान-
काज सलटैला । म्हा रे म बं आपरी किरपा हुवणी चाईजे ।”

चंचला पून'र बुझो हुयमी । बा बोलो - पंडित जी, म्हा रे
साहू काम हुवे तो बताया ? पल म्हा रली काम प्यान राखी जो ।”

पंडित “मरे प्यान है मेम मा'ब । चंचला अर मा'ब खाना ।
सा'ब तो मइने मे पना दिन दुर माय जावे । घर न मेम मा'ब रेंवे ।
पंडित रो खेबाप बार चकर सागे इंज । चंचला अर पंडित रो
दो-दो अगर-ब्यार पडा नाई दण सगरे ।

चचला पंडित जी के हरेक काम साफ बड़ा-पटा अपसरा भर मिनिस्टरा में भिलगई न बोर्न। चूके। पंडित जी ने चचला के मतान माफ चिन्ता रहे भर चचला ने पंडितजी के काम-काज साफ मोष। टजीनियर माव ने डेय मेळ-जोन की घणो मालम बोरी। कारण के देवद बा भोटूर प्रेग्राम रहे। चचला जी पंडित जी के कारण आछा-आछा के घरे पूगे। वो के कर रग भर बोन-बतलावण के मतवे मू धगा उचे नदके बाला बीन चःवे। पंडित जी परमा रा मोभी अहमर रूप रा मोभी भर चचला मतान मुख की लोभण।

चचला बगो ठणी रहे। पंडितजी तिलक आहम्यर भर म्हाध के कठा रो मिगनार गाई। पंडितजी ने कदेई डागवरा के ने जावे सो कदेई दूजा मेठ मउकाग के ने जावे। भर आपरी निट्टो गैवना रहे।

पंडित जी ल मो अपया दगायि लेवे। या के घर रा ठाठ देखा टम्पो नःवे न जागे बिरोधनि - या के माई पार्ग। भर। टजीनियर माव की गैर हाजरी न चचला पंडितजी के परे बेटा रहे। चचला के हाल ताई मतान मुख बोनी हुरो।

अटने दोष दिन पंडित जी के परा इनरम देवन रो एपो पड़यो। एपो पड़ने मू हजारो रूपिया रो देख वकनः निरुप्यो। मोनो चादी भर मोबळा बीमनी नगीना मिलिय। इनरम देख के अपगरा ने पंडित जी के घर के पोटू मिलिया। बिरे न चचला भर पंडित जी रा पोटू माई-माई। बेई पोटू मोला घर केई भुडा भी। माई रूपिया के एपे रो गुणु'र अगवार बाला बटे दुगदा।

या पंडित घर चचला रा माई-माई पोटू देखा। समाचार

रामें न बरबस माल-मालें कर बैठें रीं सोठूयां छापी ।

बो दिना, माल इन्ही-मालें कर बैठना वारें मगोटा हा ।
माल-मालें कर बैठें रीं सोठूयां छापी । धवाराण बागे
मालें रीं सोठूयां छापी । माल-मालें कर बैठना । धवें बां माल-मालें कर बैठना
मालें रीं सोठूयां छापी । माल-मालें कर बैठना । धवें बां माल-मालें कर बैठना
मालें रीं सोठूयां छापी । माल-मालें कर बैठना । धवें बां माल-मालें कर बैठना
मालें रीं सोठूयां छापी । माल-मालें कर बैठना । धवें बां माल-मालें कर बैठना
मालें रीं सोठूयां छापी । माल-मालें कर बैठना । धवें बां माल-मालें कर बैठना
मालें रीं सोठूयां छापी । माल-मालें कर बैठना । धवें बां माल-मालें कर बैठना
मालें रीं सोठूयां छापी । माल-मालें कर बैठना । धवें बां माल-मालें कर बैठना

मालक छोड़ै कोयली

मनवन्ता धारा नगरी बाजै, मानखो बीड़ी नगरै जू चालतो नागै । द्राम मोटरया घर दम्या री चालगो देखाग । बडा बडा व्यापारी घर छोटा मोटा नौकरा री बँट बँट भरायो बँट मजै मू हु मके । बामण-बालिया, मेठ साऊवार आपरी आजम बँटै चोर्य । सरिया जमायोह राजै । बमावणो घर खावणो भगलो बँटैह हुवै । भोज घर मन्नी रो आणुद नो बारी आनरो ग्यारो दुनिया माय ई बायम रैवै ।

जद बदेई मरगो घर पग्गो हुवे जद बै मगना आप रै नगरा जानी खाना हृयर आवै । मोरना घन सरवै घर भायना-भापेना घर विरादेरी घाला मू मिल भेंट'र पाछा बहीर हुया जावे ।

बागिया-मागै कैंई बामणइ रैवै । बारो बाम चीके री रुखाली बग्गो घर दोनू बखन रमोई तयार राखणी हुवै । मेठ-मेठाण्या घर बारा टावर-टीगर जीमणु जूठण आवै जद बाने भोजन परोमणो बारा काम हुवै ।

चीके रा दुन्बाजै मा'राज इ हुवे । दाढ-दयिलो, साग मन्त्री, धो-तेत, घाटो लांड चावल फावल, दूध-दही रो सगलो परबन्ध आयै

दिन मा'राज करना रहे । मीने-नीने चार्ड-पेटिया रो देहो-हूँकारो
 ई करणों पट्टे गो पोसी हरज रो बाज बोनी । बागिया-बामन
 मा'राज ने मा'प्रतेक काम गारु मगयोडा । दुई वामने बा'ने सुट्टी
 बम मिने घर मा'राज जिगो देग दिगो बंग रावे ।

घरने बामना ने मयि मू हो-मट्टी पैंती नंद-गुरु आररे
 गगर पसरया । नगर माय गूगता ई मगता भायता ने सनेमो
 बरायो । नंद गुरु रो आवणो घर मगला रो मन हरमावणो । घटा
 दोय एक म.य पाच-मात भायता रो मडली भाय जमी ।

नन्द गुरु भरगुरा घर लिफाफे बाज । हूँडो भारे तो फेर
 वमी कायगी । भायता ने साने दमकता नगरी रो सागोपाग चिन-
 राम गडो कर देवे । गुगनवाना ई कम बोनी । चाय रो चुस्की ने
 साने अनाम घर पतात रो मय गुगता रहे । नन्द गुरु ग्हावर-
 धोय-गु रो थारो करे जद सगलिया रो मडली सानेई बैठो रहे ।

नन्द गुरु बलवत्ता मू रवाना हुवा जद दोय मन-मन रा
 चौळा घर दोय दासलेट रो धोत्या मागे नामा हा । आधी दरजर
 सनलाइट म वणु रो भग्या भावे भग्या लगाने । घर बात्मा रा
 गुनधरी भी । वदेई धरम तनी रो बाह्या रो वदेइ तिरुमैरी
 वडाई । वदेई सैठारी प्रमसा तो वदेई सैठालिया रो उगारता
 घर दया रो बसाण करे ।

भायता रो मंडली बारी बाह्या गुणे घर नन्द गुरु रो पर-
 संसा रो पुन बांजे । दो भायता माय मूना मा'राज घर भटपटिया
 मा'राज नन्द गुरु रो धोयोडी टीनोपोल लाग्योडी धोती न रोपर
 हवा रे भपट मू सुकावण लागे । नन्द गुरु भवमन रे चोळै रे

माहों मगावन नाचते न नगीं माथें मुखावें । केरु बनारसी दृष्टीं त्रिकै
रै माथें राम-राम ग नात्र मडयोहा हूँ बीने फटकारा मगावें ।

साधा मृगावण रै पछ नंद गुन पीयर मोर मूं गिनान करै
छर माहीहो बघेली रो लेन बाला माथें रगडें । चारु मेर धूमधूं
गुन रै नैरवे रै माथें पमरनी रैवें ।

दुनरै माथें नन्द गुन री जोडायन आवैं । वा कैवे रमोई तयार
हूयो है । ये भोजन बगोयो । "नन्द गुन पूर्यै"—धवार रमोई काई
दगायो है ? जोडायन बँदे बाठी दाळ-भान छर पाण्ड पटियां ।
नन्द गुन को-यो छरे बर भागण ? काई मिठाई तो मगावनी । वा
को-यो—ये हूरम देबो तोधवार मगाव दू । काई फरमावण है ध री ?

नन्द गुन बँदे छापा रै तो छात्र सोभिया मा'रात्र री दो किलो
रटरी मगाव ले । छर गुण माथें पाच छ मीठा पान नगवानें ।

सा गुणर धरवालो बमरै मूं बट बडावनी मा रगियागी
हूँ माथें । सो धै रगिया छर धारि बिर्गा भायले मू मगवाय तो ।

बान गुणन पाण ई भीटिया मा'रात्र लट'र गहा हूरा छर
मीने छर पान लवण नै बाने बहीर हूरा । गुन मा'रात्र भटपटिया
मा'रात्र छर भाग पटिन बटै बेटिया नन्द गुन री बाग्या गुणें ।

सा बैसन साची है बँ जगन्नी पल्ल तो रोई न चखे । वनरै
विष्णु भाव री बिर्गा रटरी छर पाच छ मीठा पान लेयर भीटिया
मा'रात्र भाव आवैं ।

नन्द गुन रगडा भायला नै माथें जे मग मात्र बिठावैं । थोडी
देर जो रगडा बगरा करे पणु बेर मूं जोडण मात्र जम जावैं ।

नन्द गुन री जोडायन बटापट आलो परोन'र माथें राखे,

दान-भात घर देगी रं सगळा ने घांत घाटो मार्ग । फेर नन्द गुरु
 रं मार्ग रघुनी रा मरुद्धा उडगुग गरु हूवें । भेक भायनो बोन्वो-वाह
 रं नन्द गुरु क्या बडिया है थारी जाड़ायत । मुगायो क्या है बीर
 हाथ मूं दभरत दगुगयोहो भोजन लागरयो है ।

नन्द गुरु बंधो-धरे भटपटिया मा'राज, धो लुग यो नई
 निदमी है निदमी । द्यरे रे भाग मूं ई हूं कमावूं घर साव ।

मूला मा'राज बोल्या-भई नन्द गुरु, धकें मूं चौड वरम मूं
 म'र बाधो । धाने तो गान मे धेक धेवकर तो भटरी लगावगो
 धादजे । भायना भापेला मूं मेळ मुलाकाने हुय जावें । भई मन
 मितिया रा मेळा हूवें । म्हानूं तो बसकतो देखीज्यो ई बीनो ।

नन्द गुरु कंधो-बाई करु मूला मा'राज, जीव धेक बंधा धनेक
 वाली बंधन सांची लागे ।

बात भा है कें मन मालक छुट्टी कोनी दिरावें । म्हारें माघ
 सगळा काम काज मूं प्योडा है । मालक तो कारोवार मूं ई फरमन
 बीनो राले घर मन सगळों घर रो काम-काज मूं प्योडो रेंवें । मुई
 थोरा मूं लेय'र चले-चाकी ताईं री भोलावण मन दिरायोडी है ।
 सैठारुंया री म्हारें धिए दो यडी कोनी सरें । मातिक रा टावर-
 टोगर सगला भणई गुणा ई करे घर मालमर्तो, धन दादलो घर
 वपडो-लखो मगलो ई म्हारें धलावा बीनो धरीदीजे धवें बता
 बिया बठे मूं निकलर म्हारें गैर धावूं ।

इत मे फट-पटिया मा'राज बोल्या-भई जियां गुड़ बिना चौध
 कौनी पूजीजे, बिया ई नन्द गुरु बिना किया मातिक नें आवडे ?

नन्द गुरु बोल्या - सांची बात है फट-पटिया मा'राज कल

बना मे तो मरणनैई फुरमन बोनी फेरु मानिक रो म्हारे मावै
जम्पोडो बिम्बास । अबै बिस्वाम तोड'र बानै भोमण-द्रुमण छोड'र
बिया घडै भाय सकूँ । भीटिया मा'राज कैयो — नन्द गुरु सांच
ने सांच ई कैईजे । मानिक रो बुण मानिक ? फेरु सगला मू मोटो
धारै मायै बिम्बास । बूठे रो बात तो बटाऊ ई कैवे । सन है बडे
घाम है । बिस्वाम तोड्यो घर तूटियो ।

सगला भायला बात्या करता चरता भोजन कर'र उठे ।
नन्द गुरु घाल माय हाथ धोवे । फेरु नुवे अगोछे मू मू डो पू छ'र
सगला नै पान रा बीडा हाथ में दिरावे । बारी जोडावन थाली
अलायदी बर'र जगै साफ करै ।

नन्द गुरु भायला नै लियोडा पमवाहनै दान-खाने माय
जाय'र बैठ जावे । दान-खाने माय जाजम बिछायोडो हो । पत्तो
घान रैयो हो । मोल तबिया सगायोडा हा । भीटिया मा'राज
घर मुला मा'राज थोडी सी'क देर पाछे नीद रा फवाग लेवणा
सरु बर देवै । पण पट-फटिया मा'राज नन्द गुरु सागै बात्या रा
बानमा बणोहा है ।

पटफटिया मा'राज पूछ्यो—नन्द गुरु, कलकला माय देखन
सायक बुण-बुण सी जगावा है ?

नन्द गुरु उषलायो—भई फट फटिया मा'राज कलकलो नै'र
नर्वाणो है । जटे बरोडा रा स्पीमार हुवै, बटे राम रजै । बटे देखन
मारु घरी जगावा है । बिस्टोरिया हाथ, ज्याज बोडी घर तारा
मडन पणोई पाछो ।

फटफटिया मा'राज—ओ तारा मडन कई बीर है ? कलकला

माँय काई तारां री मंडल अकाम माँय न्यारी निरबाली उगै ?

नन्दगुरू बोल्यो—मा'राज ये तो जावक ई भोछा भाला हो ।
अकास तो सगळारो वास्ते सरीखो हुवै, पण तारा मंडल घाघो
बण्योडो हँ । बटै बडे हान माय घुसते ईया लागै, जाएँ इये नगरी
माय चावै जद सिभया हुय जावै । हवळै-हवळै सूरज छिपणा लागै ।
फेहँ आभै माँय तारी दीमणां सरू हुय जावै चन्द्रमा उगै । चन्द्र
लोक मय स्पूननिक पूरै । तारा मंडल रा मैनेजर सगळी बाता
आहिस्ता-अ हिस्ता समझवै । जद सगळो बखान हुवै पाछै हॉय
माय सँचनण हुय जावै । देखगिया हॉय सू' वारै आवै जद बां नै
मालूम पड़ै के हानजाईं तो दिन ढलियो ई कोनी ।

फटफटिया मा'राज कैवे बाह रै नन्दगुरू, जवरो गुलछरी
छोड़्यो । इया कदेई रात हुवै ? म्हे कोई गाव सू' धोड़े ई घाया हा
जिका इयै फरी नै सुण'र राजी हुवा ।

नन्द गुरू बोल्यो मा'राज ये कदेई कलकत्ता आवोला जद हू
थाने सगळी नुवी जगावा दिख्ता सू' ।

फटफटिया मा'राज कैयो—अवकै सगळी भायला रै सांगे बडे
आवोला । आपारी मडलो छव जमेली ।

भोटिया मा'राज अर मून्ना मा'राज नीद सू' ओभकरया । ये
बैठा हुया । घडी देखी तो अ्यार बजगी हो ।

के दोनू' बोल्या नन्द गुरू, अवे सँर खानी घूमण नै चालो ।

नन्द गुरू हुंकारो भरयो अर थोड़ी देर माय ब्रासलेट री धोनी
अर भल-भल री चोछो पँरयो । फेहँ मायै ऊपर गोळ टोपी अर नि-
लाम मायै तिलक लगाय'र रामनामी दुपटो धारण करयो । चमकता

घोड़ों दूनों से जोड़े, पेटी मोट्र मूँ बार निकाली । पगों मोयें जूनी
 घर मूँ बारें अया जद नुवों नशोर छालो घर तागें री सवारो ।
 नागो बिस्यो ? मैले कुवैले रंग घर मुडदेभाडे घोड़निमै वालो
 नट । मानगो घोड़ी, रा-रंगीनी तागो । बौचबान माफ भुयरो ।
 तागें रै घटी नगायोडो । घोड़ी एडो लागती पाणी हवा मूँ वायवा
 करै । घटी से टणकारो लगो-लेग वाजतो रैवे । दूर मूँ दीमे जा गैमा
 मंडली कोमो : पारो निग्यानी हूँ । बेधत है कं मंतरा साहू भावणा
 पण पीवा नयूँ ?

नन्दगुरू घर द्वारा आयला द्वागै-नारै नन्दगुरू धोपरै मिलन
 वाला रै अटै पूने । मगना मूँ रामा-भामा करै । वा री मेम-
 भुमळ पूरै । छोरी रै द्वाव माफ बाने बनावै ।

नन्दगुरू कैके-मई, छोरी री हाथ पीया करणा है आय मगना
 धारिना घर प्रेम-नोह्वत वाला से आयो-वादे होमी जगं फनै
 मिलगो ।

मगना छोटे उयलो दिगधिता नै छोरो री भागै भेला हूँ
 जद ई मगनी काम मानगो हूँ । इमे माई नन्दगुरू बिला-फिर
 री बात बोनी । परमात्मा धूँध देव जिक् नै नुगोई देवै ।

नन्दगुरू मगना मूँ मिल भेट'र धोपरै पुराणा मगधिया मूँ
 धारै अवादा मै मिलन माहे बहीर हूँ । अवाटो भगेट्यां घर
 मगाबाजी से । भगेटो नन्दगुरू नै देखिता पाण ई भूपरै री नगिया
 भेला हूँ जवै ।

धैव अगेही बोवै-बाह नै नन्दगुरू ! अवेरै तो पना बरमा मूँ
 आयो । पागे घोड़ तो पावती रैवै । दोरो भाईयोरो घर गोरो

जीमाघोंडो हमेमा याद रैये । धै भायना म्हाने वोत मातजीमा-
योडा है । धू जुग-जुग ताई जीवगो रै । दूग गो-बीगणो कमावतो
रैये । जद म्हारोई जीवडो सोरो रैये ।

नन्दगुरु भैवे-म्हारै माई भायनारी किरपा है । वा रै भाग
मूं ई बलाना कमायी करीजे ।

दूजो भगोड़ी पड़ूतर देवै-कलकत्तो रो काळी-ताई धारै सामे
आयगी । कैय है-काळो कलकत्ते वाने जीरो ववन कदे नई जावे
त.ली ।

नन्दगुरु मा.ने काली-माई री बोन वडी किरपा है ।

नन्दगुरु भीटिया मा'राज ने बुलायो भर फट मूं कडकतो सो
रुपिया रो नोट देवै कैयर भाज तो भाग इये अखाडे मायै छपती ।
भीटिया मा'राज ये बजार मूं दोय किलो मंतरा सो ग्राम बादाय
धर तीन किलो रबड़ी लेयर आवो । भायला सागे छाएने मूं सेर
पूत वई । भीटिया मा'राज हुकम पावता ई टुर वहीर हुवे ।

अखाडे माय नन्द गुरु रा आवला-चावला हुवे, फरा मार्गे
फरा सागणः सह हुय जावे ।

भायला मा.य मूं अक जणो पूर्व नन्द गुरु अब है तो कलकत्ता
मूं वोत बरमा वाद आयी ? धाने तो साग-गेय साज माय मै'र री
बक्कर लगावणो चाईजे । जलम देवाल भर जलम भोज मूं तो
सगळा नै प्रेम हुवे । मात-भोज साह आयणो ई बोखो लागे ।

नन्द गुरु उथळो दिरावै-काई करूं, मालिह छुट्टी कोरी देवै ।
घडी पल छोडणा ई बोनी चाये । बीरा कारोवार खूब कैथोडा है ।
पर री जिम्मो सगळो म्हारै माये । म्हारै मूं मालक नै बोख त.ली-

पानो । माँतरा रे टापर-टीगर घर मुगिया ने जद देम जावतु रो
 बंद नद बं घोन-भूमण हूय जावें । मूडो लटकाय'र उदाम-मा
 हूय जावें । भव दनाघो निमा बाने छोड़'र भाव' ?

मगटा घनाई बाळा नन्द गुरू रो घाया भाय लूम-पलूम हूय
 जावें । छोटी मोर देर मार मोटिज, मार'राज आवें । भांग घुटयोई
 हूय । वा माय बदाई घर मरग गये पेरु तारी रो घट्या (नोटा)
 भग-भर'र भगदा पीवें ।

भाग छान-पीय'र गै गगधाह नै बाटियै ताळ मे निपटण
 भाग जावे । घटा होय घटा मे नहो जोर भावें । पाछा असाडे
 भुग घर बघरी रा गधोरा लेश'र अभावणा गरु करै । सगळा नै
 भग द भाव जावे ।

अशाई बाळा ने छोरी रे व्याव भाग नूनी देय'र नन्द गुरू
 भगलिया भागै नागे भावै गधार हूय'र घर भूगै ।

व्याव ११ दिन नजदीक । छोरी रो व्याव ई मानरो । व्याव
 रे दिन भगभरमभो घर मिलगुभेटगु बाळा रो अ छो गत्कार ।
 भूवै दिन भागीटो लूटो जीमण उयान रो । सगळा असाडो रा नक्ष-
 बाज बठे आबीडा । काम-भाज फटाफट हूय रैया है । केई जीम
 रैया है घर केई जीमाय रैया है । सगळे मर माय नन्द गुरू खुमवू
 फलगु नाग रैया है, नन्द गुरू रा क्या कवणा नन्द गुरू तो नन्द
 गुरू ई है । आवैं मर माय अक फडदी है, हवा रो जोडो तो बेमाना
 घटयोई बोनी ।

नन्दगुरू ब्रासलेट रो धोनी घर मनमल रो चोळो राम-नामी
 हुपट्टो लगायोटा अटीने बटीनै बाह-बाही रूटरैया है । सगळा गट्टी

गुवाड़ वाला बी. नै पई सै वालों समझै ।

छोरी रा हाथ-पीछा हुय्या जद नन्द गुरु बनकत्त रो मतो कर्मा । भायला रै सामे नन्द गुरु बनकत्त जावण रो विचार बतावै पण भायला बाने वेगो नई जावण देवै ।

भोटिया मा'राज कैवे—नन्द गुरु, अवार तो यूँ व्याव मूँ निरवालो हुयो है । केई दिन तो यूँ म्हारै सामे मोज मनावो । वभावणो अर खानवणो तो उमर भर लग्योडो ई रेवै । जीदणो जितै तो सीवणो देखे ई हूँ ।

नन्द गुरु बोल्यो—कई बरु मा'राज, म.सठ रो कगद बुलावण सारु आयग्यो । बै म्हनै छोडणा ई कोनी चावै । म्हारै दिए घड़ी पळ बानै पहाड लागै ।

भोटिये उबलो दिरायो — नन्द गुरु, संगलिया रो संगत बठै कोनी मिळ सतै । दस-पनरें दिन तो म्हारै सामे ई रेवो । बात आपा धाधू मा'राज रै अलाडे चातसा बठै रो मम्ती अतायदी हूवै ।

नन्द गुरु भायला रै कैवणै नै कोनी टाळ सकै । बनकत्ता जावणो दम पनरह दिन ठेर होसी ।

दूजें दिन केरु नन्द गुरु रानी मू गज्जन मोठ हूवै । दाळ रो सीरो त्पारी अर दही बड़ा रो पूरो परगथ हुय जावै । मगल्ला भायलां ने केरु नू 'तो । अलाडे जावण गारु तागो मगयायो सागी पोशाक अर सागी मस्ती ।

बई दिना पाछे नन्द गुरु बनकत्ता खाने हूवै । भायला ने बठै आवण रो नूतो देवे । अब बै भायला ई मन न बिचारयो बा नन्द गुरु मूँ बनकत्ते मिलण रा परवा बाधा कर्दा ।

पाँच-छव मईना पाछै भायला बलकसे पूगे । नन्द गुरू रो
पनी पूछना बाँ रै छठै पूगे । नन्द गुरू रै बारै म छेक बाडी घागे
बाणियै नै पूछै-भई मेठ, नन्द गुरू रैयै है नी । बिण उधलो दिरायो
नन्द गुरू तो पाचवी मंजिल माथै रेवै । छवै भीटिया मा'राज,
फट-फटिया मा'राज घर भासा गुरू उपरली मंजिल माथै जावै ।

उपर जाय'र छेक नौकर नै पूछै-घरे छठै नन्द गुरू बठै रैवै ।
यो नौकर बँवै नन्द गुरू तो चौके माय बैठा है । धे बडी ने जावो,
भायला चौके माय जावे तो दाने भारी सबमो हूवै । नन्द गुरू
सगोछो पैरयोटा थोटा उगाडे डील चुनै रै कृपा म गरैया है घर भुरै
मू बारी छाया नान चुट हूयोहो नानै । नन्द गुरू रो काम बूझो
पूकणी घर रमोई बणावणी । देख मगलै बाणियो रै परिवार नो
जोमावणो घर चौका-बरतण बरगो ।

नन्द गुरू.....घरे नन्द गुरू भायला हैरै मा'यो । नन्द
गुरू भायला ने देखे तो जागै बिण माथै मो घटा पानी दुनायो
हूवै । सबबचायो । राजगवाणो न्यायो हूयायो । छेक भायला बँड
नन्द गुरू छठै बाँइ करी हो ?

नन्द गुरू भेष पिटावलो बोन्यो भायला घाज मेटावनी बाँ
भूमण तारु मयोडी है । मने रमोई म बँवया हा । उद घा बाय
बरगो पटयो । ये लोग बंद आया ? बा भेषा - घाज बंदार दुई
धडी घाय रैया हा ।

नन्द गुरू पूछयो — ये बँडै उपर्या हो ?

उधलो मित्रयो — सेबा समिति म य ।

नन्दगुरू बँयो-ये जानो बँडै । म्हा बंदार म्हा भायला । बँडै मू

2. वह तुमको अच्छी तरह जानता है न ?
He knows you very well, *doesn't he* ?
3. वे अच्छी तरह खेले थे न ?
They played well, *didn't they* ?
4. तुम बनारस हो आये हो न ? तुम बनारस गये हो न ?
You have been to Banaras, *haven't you* ?
5. हरि तुम्हारा मित्र है न ?
Hari is your friend, *isn't he* ?
6. तुम हरि के मित्र हो न ?
You are Hari's friend, *aren't you* ?
7. तुम मैदान जाओगे न ?
You will go to the Maidan, *won't you* ?

अन्तर समझो—

(i) *Do you know Ram ?*

(ii) *You know Ram, don't you ?*

पहले वाक्य में साधारण ढंग से प्रश्न पूछा गया, प्रश्नकर्त्ता को माफ नही उत्तर 'हां' में आयेगा या 'ना' में। दूसरे वाक्य में यह प्रकट होता कि प्रश्नकर्त्ता 'हां' में उत्तर पाने की आशा करता है।

B. 1. तुम राम को नहीं जानते हो न ?

You don't know Ram, do you ?

2. राम तुमको नहीं जानता है न ?

Ram doesn't know you, does he ?

3. वे आज अच्छी तरह नहीं खेले थे ?

They didn't play

उत्तर समझो—

(a) You know Ram, *don't* you ?

(b) You *don't* know Ram, *do* you ?

वाक्य (a) में प्रश्नवाक्य 'हां' में उत्तर पाने की आशा करता है और वाक्य (b) में 'ना' में उत्तर पाने की आशा करता है। छात्र देखें—
वाक्य Affirmative में हो तो उनके साथ Negative प्रश्नवाक्य जोड़ा गया है। और Negative वाक्य के साथ Affirmative प्रश्नवाक्य जोड़ा गया है। ये जोड़े हुए Tag Questions कहलाते हैं।

Do, Does तथा Did के अन्य प्रयोग—

(a) बात को जोर देकर कहने के लिये—

(1) You *do* know it यह तुम जानते ही हो (अबूर जानते हो)

(2) He *did* come वह आ ही गया था (यह आया तो था)।

(3) You *did* say that. तुमने कहा था (कहा तो था)।

(4) *Do* come in please, अवश्य घन्टर आइये।

(5) *Do* be quiet जरा शांत हो जाओ।

(b) विषय के बदले में— do, did का प्रयोग)

(1) Who took that hat ?

I did, मैंने लिया। (यहां I did = I took)

(2) Do you like it ? क्या यह तुम्हें पसन्द है ?

Yes, I do (या, No I don't) हाँ मुझे पसन्द है।

(नहीं) पसन्द नहीं है। Walk as I do (यहां do = walk)

(3) Does Ram know you ? क्या राम तुम्हें जानता है ?

Yes, he does. (या No, he doesn't)

(4) I like it very much मुझे यह बहुत पसन्द है।

So do I. और मुझे भी।

- (5) I don't read novels. मैं उपन्यास नहीं पढ़ता ।
Nor do I. शोर न मैं ही । (मैं भी उपन्यास नहीं पढ़ता)

(c) Do के कुछ मुहावरेदार प्रयोग—

- (1) That will do. इससे काम बन जायेगा, इतना काफी है ।
(2) This room will do me quite well
इस कमरे से मेरा मजे में काम चल जायेगा ।
(3) Do your best. भरतक प्रयत्न करो ।
(4) He is doing well. उसका हाल-चाल अच्छा है ।
(5) How do you do ? कैसी तबीयत है ?

EXERCISE 21

नीचे लिखे वाक्यों का *Negative* तथा *Interrogative* बनाओ—

He lives in Bombay. He is teaching me Hindi. Mohan and Ram ran fast. He tried hard. He was trying hard. It rains. It is raining. It rained yesterday. It was raining yesterday. He has done his work well. He had a book. He will try. He must go. He did his home task in the morning. He did well in the examination.

Translate into English—

मैं झूठ नहीं बोलता हूँ । तुम झूठ नहीं बोल रहे हो । मैं झूठ नहीं बोला । क्या तुमने कल किताबें खरीदी ? मैंने कुर्सी को नहीं तोड़ा । उसने पत्र नहीं लिखा । पोढ़ा ट्राम कार्र नहीं खींच सकता । हम तारे नहीं गिन सकते * । क्या तुम तारे गिन सकते हो ? यदि तुम बीमार हो तो तुम्हें लेनी चाहिये । लेखक कलम काम में लेता है, वह तलवार काम में नहीं लेता । मछली पानी के बिना जिन्दा नहीं रह सकती । यदि तुम पानी पीना चाहिए । क्या तुम मंच में खड़े थे ? यात्रा

मैंने ब्रेकफास्ट नहीं किया है (I have not had breakfast today)
 उसने Homework नहीं किया । यन्त्र । अच्छी तरह सोया था न ?
 तुम मुझे अच्छी तरह जानते हो न ? राम बुझाया पड़ोसी है न ? तुम
 इस बात को बार सक्ती हो न ? वह कठिन परिश्रम करता ? न ? तुम
 क्या खूब नहीं खाते थे ? बुझाया राम कहा है न ? तुमने यह बात ज़रूर
 कही थी (You did say that) । वह जरूर बीमार लग रहा है
 (He does look ill) । जैसे मैं चलता हूँ वैसे चलो । (Walk
 as I do) । तुम्हें यह पसन्द नहीं आता न मुझे भी । इस कलम से
 बात बत जायेगा ।

कॉटन शब्द—To use (युक्त) —काम में लेना । A sword
 (शोर्ड) तलवार । Neighbour=पड़ोसी । लीचन=to pull भूट
 खींचना-1) tell a lie

LESSON 18

QUESTIONS WITH

(Who, Whom, What etc)

छात्र इन वाक्यों का बार-बार पढ़कर याद कर लें—

Who saw you there ? किसने तुमको वहाँ देखा ?

(Who कर्त्ताकारण में)

Who gave you this pen ? किसने तुमको यह कलम दी ?

Who is shouting ? कौन चिल्ला रहा है ?

Who was at the party ? पार्टी में कौन-कौन थे ?

Which of you shouted ? तुममें से कौन चिल्लाया ?

What happened at the meeting ? मभा में क्या हुआ ?

Note— यदि प्रश्नवाचक शब्द (Interrogative words)

कर्त्ता (Subject) हो तो क्रिया के हेर-फेर नहीं होना, जैसे ऊपर
 वाक्यों में who, which of you, what—ये कर्त्ताकारण में हैं

जवाब 'हां' या 'ना' में आ सकता हो तो What का प्रयोग नहीं होता।
 क्या वह जाता है ? Does he go ?

End Position of the Preposition

1. To whom did you give that book ?

या, Whom did you give that book to ?

तुमने वह पुस्तक किसे दी ?

2. From where do you come ? या, Where do you come from ?

नोट—ऊपर के कुछ वाक्यों में Preposition वाक्य के अन्त में रखा गया है—ये वाक्य अधिक चालू और प्रचलित माने जाते हैं।

Where does the rain come from ? It comes from the clouds.

May I come ? Shall I come ?

दोनों में भेद

दोनों ही प्रश्नवाचक हैं यदि मैं आप से कहूँ May I come ? (क्या मैं आ सकता हूँ ?) तो इसका तात्पर्य होगा—मैं आना चाहता हूँ और इसके लिये आपकी इजाजत चाहता हूँ। यदि मैं कहूँ—Shall I come ? (क्या मैं आऊँ ?) तो इसका तात्पर्य यह होगा—यदि आप चाहते हो कि मैं आऊँ तो मैं आ सकता हूँ—इसमें मेरी निज की इच्छा का कोई प्रश्न नहीं। उपर्युक्त प्रश्नवाचक वाक्यों Shall और May में यही अन्तर है।

मुझे जाना पड़ेगा—(I must go. या I shall have to go.)

नीचे निम्ने वाक्यों को याद करो,—

1. Who (कौन) (कर्त्ताकारक में)

Who is on the roof ?

उन पर कौन है ? या कौन-कौन हैं ?

Who gave you this pen ?

यह कलम तुम्हें किसने दी ?

Who has got a pen ?

कलम किसके पास है ? किस-किस के पास है ?

Who is crying ?

कौन चिल्ला रहा है ?

Who was absent yesterday ?

कन कौन अनुपस्थित था ?

Who are these men ?

ये धादमी कौन हैं ?

2. Whose (किसका) (सम्बन्ध में)

Whose pen is this ?

यह किसकी कलम है ?

Whose books are lying there ?

किसकी किताबें वहाँ पड़ी हैं ?

3. Whom (किसको, किसे) (कर्मकारक में)

Whom do you want ? आप किसे चाहते हैं ?

To whom did you write that letter ?

वह पत्र आपने किसे लिखा ?

With whom did you go there ?

तुम किसके साथ वहाँ गये ?

By whom were you beaten ? तुम किसके द्वारा पीटे गये ?

4. What (क्या)

What will you eat ? तुम क्या खाओगे ?

What game do you play ? तुम कौन सा खेल खेलते हो ?

What time is it ? क्या समय हुआ ? (कितने बजे हैं ?)

LESSON 19

Conjugation of Verbs

(Present, Past and Past Participle Forms)

पिछले पाठो मे तुम क्रिया के Past Tense का प्रयोग सीख चुके हो, अब Past Participle का प्रयोग समझो—

Present Tense: *I write a letter to my friend*
(write)

Past Tense: *I wrote a letter yesterday.* (wrote)

Past Participle: *I have written a letter* (written)
मैंने पत्र लिख दिया है, मैं पत्र लिख चुका हूँ, मैंने पत्र लिखा है।

इस अध्याय मे हम Present, Past एवं participle का वर्गीकरण स्वरशास्त्र (Phonetics) के आधार पर करेंगे जिसमे छात्रों की लिस्ट याद करने मे सुविधा हो। पुस्तको मे साधारणतया alphabetical order मे यह लिस्ट दे दी जाती है जिसका व्यवहार शब्दकोष की भाँति भले ही हो सके, परन्तु अध्ययन के दृष्टिकोण से यह पद्धति उपयोगी नहीं मानी जा सकती।

सर्वप्रथम हम वैसे verbs लेंगे जिनका Past Participle 'n' ('न') की ध्वनि जोड़ने से बनता है—जैसे bite-bit-bitten, write-wrote-written, ऐसी क्रियाओं को हम चार भागों मे विभक्त करेंगे।

a b b—Past और Past Participle की मूल स्वर ध्वनि समान और Present की भिन्न।

Present और Past Participle की मूल स्वर-ध्वनि (root vowel) समान और Past की भिन्न।

जानो का मूल स्वर एक-सा।

c—तीनों के मूल स्वर भिन्न।

Example—rise (राइज) rose (रोज) risen (रिजन्)
 'rise' में 'i' की ध्वनि 'माइ' की तरह, 'risen' में 'i' की ध्वनि 'इ' की तरह, बीच वाले शब्द 'रो' का उच्चारण, तीनों की स्वर ध्वनि समान। धन. यह क्रिया a b c के अन्तर्गत जायेगी।

Present (a)	Past (b)	Past Participle (c)
Break ब्रेक तोड़ना	broke तोड़ा	broken तोड़ा हुआ
Wake जागना, जगाना	woke बोक	woken बोकिन, जागा हुआ
Choose चुन चुनना	chose चोज चुना	chosen चोजिन चुना हुआ
Speak बोलना	spoke बोला	spoken बोला
Freeze ठहर में जमाना	froze फ्रोज	frozen जमा हुआ
Steal चुराना	stole चुराया	stolen चुराया हुआ
Bite दान में काटना	bit बाटा	bitten बाटा हुआ
Hide छिपाना	hid	hidden छिपा हुआ
Tread ट्रैड, पैर में कुचलना	trod ट्राड	trodden ट्राडन
Forget फॉरगेट भूलना	forgot फॉरगॉट	forgotten फॉरगॉटन
Fall फॉल गिरना	fell फेल गिरा	fallen फॉलन, गिरा हुआ
Give गिव देना	gave गेव दिया	given दिवव दिया हुआ
Eat ईट खाना	ate एट खाया	eaten ईटन
Bid बिड आज्ञा देना	bade बेड्	bidden बिडन
See सी देखना	saw साँ देखा	seen देखा हुआ
Draw ड्रा सीखना	drew ड्रू सीखा	drawn सीखा हुआ
Grow गो उगना, उगाना	grew ग्रू	grown रोन
Throw थ्रो फेंकना	threw थ्रू फेंका	thrown थ्रो
Know नो जानना	knew न्यू जाना	known नो
Blow ब्लो हवा चलना	blew ब्लू	blown ब्लो

जवाब 'हा' या 'ना' में आ सकता हो तो What का प्रयोग नहीं होता।
क्या वह जाता है ? Does he go ?

End Position of the Preposition

1. To whom did you give that book ?

या, Whom did you give that book to ?

तुमने यह पुस्तक किमको दी ?

2. From where do you come ? या, Where do you come from ?

नोट—ऊपर के कुछ वाक्यों में Preposition वाक्य के अन्त में रखा गया है—ये वाक्य अधिक चालू और प्रचलित माने जाते हैं।

Where does the rain come from ? It comes from the clouds.

May I come ? Shall I come ?

दोनों में भेद

दोनों ही प्रश्नवाचक हैं यदि मैं आप से कहूँ May I come ? (क्या मैं आ सकता हूँ ?) तो इसका तात्पर्य होगा—मैं आना चाहता हूँ और इमके लिये आपकी इजाजत चाहता हूँ। यदि मैं कहूँ—Shall I come ? (क्या मैं आऊँ ?) तो इसका तात्पर्य यह होगा—यदि मैं आ चाहने हो कि मैं आऊँ तो मैं आ सकता हूँ—इसमें मेरी निश्चय की बात का कोई प्रश्न नहीं। उपर्युक्त प्रश्नवाचक वाक्यों Shall और May में यही अन्तर है।

मुझे जाना पड़ेगा—(I must go. या I shall go.)

नीचे निम्न वाक्यों को याद करो—

1. Who (कीन) (कर्ताकारक में)

ऊन पर कौन है ? या कौन-कौन हैं ?

Who gave you this pen ?

यह कलम तुम्हें किसने दी ?

Who has got a pen ?

किसके पास है ? किस-किस के पास है ?

Who is crying ?

कौन बिल्ला रहा है ?

Who was absent yesterday ?

कौन कौन अनुपस्थित था ?

Who are these men ?

ये आदमी कौन हैं ?

2 Whose (किसका) (सम्बन्ध में)

Whose pen is this ?

यह किसकी कलम है ?

Whose books are lying there ?

किसकी किताबें वहाँ पड़ी हैं ?

3. Whom (किसको, किसे) (बर्तमान में)

Whom do you want ? आप किसे चाहते हैं ?

To whom did you write that letter ?

वह पत्र आपने किसे लिखा ?

With whom did you go there ?

तुम किसके साथ वहाँ गये ?

By whom were you beaten ? तुम किसके द्वारा दौड़े दरे ?

4 What (क्या)

What will you eat ? तुम क्या खाओगे ?

What game do you play ? तुम कौन सा खेल खेलते ?

What time is it ? क्या समय हुआ ? (कौन-से घंटे में)

जवाब, 'हां' या 'ना' में आ सकता हो तो What का प्रयोग नहीं होकर।
क्या वह जाता है ? Does he go ?

End Position of the Preposition

1. To whom did you give that book ?

या, Whom did you give that book to ?

तुमने यह पुस्तक किमको दी ?

2. From where do you come ? या, Where
do you come from ?

नोट—ऊपर के कुछ वाक्यों में Preposition वाक्य के अन्त में
रखा गया है—ये वाक्य अधिक चालू और प्रचलित माने जाते हैं।

Where does the rain come from ? It comes
from the clouds.

May I come ? Shall I come ?

दोनों में भेद

दोनों ही प्रश्नवाचक हैं यदि मैं आप से कहूं May I
(क्या मैं आ सकता हूँ ?) तो इसका तात्पर्य होगा—मैं आप
और हमारे लिये आपकी इजाजत चाहता हूँ। यदि मैं
COULD ? (क्या मैं आऊँ ?) तो इसका
चाहते हो कि मैं आऊँ तो मैं आप
का कोई प्रश्न नहीं। उपर्युक्त
यही अन्तर है।

मुझे जाना पड़ेगा—

नीचे लिखें

1. Who

How is your mother ? तुम्हारी माँ की तबीयत कैसी है ?

How old are you ? तुम्हारी क्या उम्र है ?

How many pens have you ? तुम्हारे पास कितनी कलमें हैं ?

How many boys are there in your class ?

तुम्हारी कक्षा में कितने लड़के हैं ?

How much milk do you drink ? तुम कितना दूध पीते हो ?

How kind you are ! अगर कितने दयालु है (you are very kind)

How lucky I am ! = I am very lucky.

EXERCISE 22

Translate into English—

१. तुम स्कूल कब जाया करते हो ? २. तुमको घर में जी कौन पढ़ाता है ? ३. चण्डी घटी बजाया करना है । ४. क्या तुम कल स्कूल गये थे ? तुम कल कब स्कूल गये थे ? ५. तुम क्या चाहते हो ? ७. दरवाजा खोलने सेना ? ८. तुमने क्या खरीदा ? ९. तुम कब उठते हो ? १०. तुमको किमने देखा ? ११. तुमने किसको देखा ? १२. तुमने मेरी पुस्तक कहा रखी है ? १३. यह किसकी पुस्तक है ? १४. गीत-गीत संग्रह में तुमने क्या रखा है ? १५. कितने बजे हैं ? १६. वह कितनी निर्दयी है ? How cruel he is !) १७. कौन-कौन बैठे हुए हैं ? (Who is sitting) १८. कक्षा में क्या-क्या है ? What is in the class room ? (उत्तर) कक्षा में चार मेजें और दो कुर्नियाँ हैं। (There are four tables and two chairs in the class room) १९. बड़ा कौन है ? २०. उसने किसको धक्का दिया ?

What colour is your turban ? तुम्हारी पगड़ी का रंग क्या है ?

What o'clock is it ? कितने बजे हैं ?

What day is it ? आज कौन-सा दिन है ? (It is Sunday to day)

With what do you write ? तुम किससे लिखते हो ?

I write with my pen.

What have you in your hand ? तुम्हारे हाथ में क्या है ?

5. Which (कौन-सा)

Which is your pen ? तुम्हारी कौन-सी कलम ?

Which pen will you give ? तुम कौन-सी कलम दोगे ?

In which room do you live ? तुम किस कमरे में रहते हो ?

6. When (कब)

When do you go to school ?

तुम कब स्कूल जाते हो ? (आधा बजते हो)

When did you come ? धारा कब आई ?

When will the train start ? गाड़ी कब चलाएगी ?

7. Where (कहाँ)

Where do you live ? तुम कहाँ रहते हो ?

Where is your brother ? तुम्हारा भाई कहाँ है ?

Where are you going ? तुम कहाँ जा रहे हो ?

8. Why (क्यों)

Why were you absent yesterday ? तुम कब मर्यादित क्यों थे ?

Why do you drink tea ? तुम क्या पाने पीने पीते हो ?

Why is he crying ? वह क्यों रो रहा है ?

9. How (कैसे)

How is your mother ? तुम्हारी माँ की तबीयत कैसी है ?

How old are you ? तुम्हारी वय कितनी है ?

How many pens have you? तुम्हारे पास कितनी कलम हैं ?

How many boys are there in your class?

तुम्हारी बधा में किन-न बड़के है ?

How much milk do you drink? _____

How kind you are! पातृ 'कितना दयावाना'। You are very kind.

Класс

How lucky I am ! = I am very lucky.

EXERCISE 22

Translate into English - -

‘तुम स्कूल सब जाया बरन हो’ र तुमका घरे जाओ ।

१. चण्डी घटी बनाया जाता है। १६ वर्षा तक प्रयोग होता है।

२. तुम बन कर रहूँ गये थे ' तुम कह च नही ' ५३२

रियने मोना ? ८ सुपन बरा बरिदा १६ २५ बर २५

दूसरी बिगने देगा ? ११ तुमने बिगबो देखा १२ तुमने म/१ पुनः ५

कहा गयी है ? १३ यह किसकी पुस्तक है ? १४ कौन-सा अक्षर है ?

मरने लगे है ? १५. बिलन बजे ? ? १६ वह 'ब' । 'द-न' । '

(How cruel he is!) १७. कौन-कौन किसे मारें? (Who is)

sitting) १८ कक्षा में क्या-क्या ? What is in the class

room? (उत्तर) कक्षा में कार मंचे छोड़ दा कृपिा है। । I have

are four tables and two chairs in the class room.)

11. क्या बोन है? २०. उसने कहा

LESSON 19

Conjugation of Verbs

(Present, Past and Past Participle Forms)

पिछले पाठो में तुम क्रिया के Past Tense का प्रयोग सीख चुके हो, अब Past Participle का प्रयोग समझो—

Present Tense: *I write* a letter to my friend
(write)

Past Tense: *I wrote* a letter yesterday. (wrote)

Past Participle: *I have written* a letter (written)

मैंने पत्र लिख दिया है, मैं पत्र लिख चुका हूँ, मैंने पत्र लिखा है।

इस अध्याय में हम Present, Past एवं participle का वर्गीकरण स्वरशास्त्र (Phonetics) के आधार पर करेंगे जिससे छात्रों को लिस्ट याद करने में सुविधा हो। पुस्तक में माधारणतया alphabetical order में यह लिस्ट दे दी जाती है जिसका व्यवहार शब्दरोप की भाँति भले ही हो सके, परन्तु अध्ययन के दृष्टिकोण से यह पद्धति उपयोगी नहीं मानी जा सकती।

सर्वप्रथम हम वैसे verbs लेंगे जिनका Past Participle 'n' '(न)' की ध्वनि जोड़ने से बनता है—जैसे bite-bit-bitten, write-wrote-written, ऐसी क्रियाओं को हम चार भागों में विभक्त करेंगे।

a b b—Past और Past Participle की मूल स्वर ध्वनि समान और Present की भिन्न।

a b a—Present और Past Participle की मूल स्वर-ध्वनि (root vowel) समान और Past की भिन्न।

a a a—तीनों का मूल स्वर एक-सा।

a b c—तीनों के मूल स्वर भिन्न।

Example—rise (राइज) rose (रोज) risen (रिजन्)
 'rise' में 'i' की ध्वनि 'घाइ' की तरह, 'risen' में 'i' की ध्वनि 'इ' की तरह, बीच वाले शब्द 'रो' का उच्चारण, तीनों की स्वर ध्वनि असमान। अतः यह क्रिया a b c के अन्तर्गत जायेगी।

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Past Participle</i>
(a)	(b)	(c)
Break ब्रेक तोड़ना	broke तोड़ा	broken तोड़ा हुआ
Wake जागना, जगाना	woke बोक	woken बोकन, जागा हुआ
Choose चुन चुनना	chose चोज चुना	chosen चोजेन चुना हुआ
Speak बोलना	spoke बोला	spoken बोला
Freeze फ्रीज में जमाना	froze फ्रीज	frozen जमा हुआ
Steal चुराना	stole चुराया	stolen चुराया हुआ
Bite दान से काटना	bite काटा	bitten काटा हुआ
Hide छिपाना	hid	hidden छिपा हुआ
Tread ट्रेड, पैर में कुचलना	trod ट्राड	trodden ट्राडन
Forget फॉरगेट भूलना	forgot फॉरगॉट	forgotten फॉरगॉटन
Fall फाल गिरना	fell फेल गिरा	fallen फालन, गिरा हुआ
Give गिव देना	gave गेव दिया	given गिवन दिया हुआ
Eat ईट खाना	ate एट खाया	eaten ईटन
Bid बिड आज्ञा देना	bade बेड्	bidden बिडन
See सी देखना	saw सॉ देखा	seen देखा हुआ
Draw ड्रा खींचना	drew ड्रू खींचा	drawn खींचा हुआ
Grow ग्रो उगना, उगाना	grew ग्रू	grown ग्रोन
Throw थ्रो फेंकना	threw थ्रू फेंका	thrown थ्रोन
Know नो जानना	knew न्यू जाना	known नो
Blow ब्लो हवा चलना	blew ब्लू	blown ब्लोन

<i>Present</i> (a)	<i>Past</i> (b)	<i>Part Participle</i> (b)
Spin गिर बुलना	spun रूना	spun गिर
Clung चिप बिरना	clung बरग	clung बलग
Fling चिप फेरना	flung पलग	flung
Swing चिप भूना	swung गग	swung
Win विज जीतना	won गी जीत	won वा
Hang लटकना	hung रग	hung
Hang पलने ला	hanged ल	hanged
Shine जल चमकना	shone मोल	shone
Come कम आना	came वेम	come कम
Become बिकम होना	became बिकेम	become
Run रन, दौटना	Run रन	Run रन
Begin बिगिन, शुरू करना	begin बिगीन	begun बिगन
Drink ड्रिंक पीना	drank ड्रिंक	drunk ड्रिंक
Sink सिंक, डूबना	sank गैक	sunk सक
Swim स्विम नैरना	swam स्वेम्	swum स्वेम्
Stink स्टिंक बदबू देना	stank स्टेक	stunk स्टक
Shrink श्रिंक, सिकुटना	shrank श्रैक	shrunk श्रिंक
Ring रजना, बजाना	rang रैग	rung रग
Spring उछलना	sprang	sprung

कुछ विशेष ऐसी हैं जिनका *Past* एवं *Participle* एक से हैं —

Bring ब्रिग लाना	brought	brought ब्रॉट्
Catch कैच पकड़ना	caught कौट्	caught पकड़ा
Teach टीच पढ़ाना सिखाना	taught टौट्	taught पढ़ाया
Think थिंक सोचना	thought थौट्	thought सोचा thought

<i>Present</i> (a)	<i>Past</i> (b)	<i>Past Participle</i> (c)
Buy बाइ, खरीदना	bought बाँट् तरीश	bought
Fight फाइट, लड़ना	fought फाँट लड़ा	fought
Seek सीक, ढूँढ़ना	sought साँट	sought
Beseech बिसीच, प्रार्थना करना	besought बिमाँट्	besought
Spend स्पेंड, खर्च करना, बिताना	spent स्पेंट	spent
Send सेंड, भेजना	sent सेंट भेजा	sent
Make मेक, बनाना	made	made
Lend उधार देना	lent लेंट	lent
Build बिल्ड, बनाना	built बिल्ड्	built
Bend भुकना, झुकाना	bent बेंट	bent
Have रखना, लेना	had	had
Get पाना	got	got
Meet मीट, मिलना	met मेटे, मिला	met
Sit सिट, बैठना	sat सेंट	sat
Shoot बन्दूक चलाना	shot	shot
तीर चलाना		
Read रीड, पढ़ना	read रैड्	read रैड्
Lead लीड, मार्ग दिखाना	led लेड	led
Speed जल्दी	sped स्पेड	sped
Lean लीन झुकना	leant	leant
Sell सेल, बेचना	sold	sold
Tell टेल, कहना, सुनाना	told टोल्ड	told
Hear हीयर, सुनना	heard हर्ड सुना	heard
Say कहना	said सेड कहा	said
Hold पकड़ना, धामना	held हेल्ड	held

<i>Present</i> (a)	<i>Past</i> (b)	<i>Past Participle</i> (b)
Stand सदा होना	stood स्टुड	stood
Find फाउंड, पाना	found फाउण्ड	found
Grind ग्राइण्ड-पीसना	ground ग्राउण्ड	ground
Wind वाइण्ड, लपेटना	wound वाउण्ड	wound
Bind बाइण्ड, बाधना	bound बाउण्ड	bound
Feed फीड, खिलाना	fed खिलाया	fed
Bleed ब्लीड, खून निकलना	bled ब्लेड	bled
Breed ब्रीड पैदा करना	bred ब्रेड	bred
Creep क्रीप, रेंगना	crept क्रेप्ट	crept
Light जलाना	lit, lighted	lit, lighted
Spit स्पिट, छूकना	spat स्पेट	spat
Deal डील	dealt डेल्ट	dealt
Feel फीलुमस करना	felt फेल्ड	felt
Kneel नील घुटना टेकना	knelt	knelt
Mean	meant मेन्ट	meant
Leave लीव, छोड़ना	left	left
Lose लूज, खोना	lost लॉस्ट	lost
Leap लीप, उछलना	leapt लेप्ट	leapt
Keep कीप, रखना	kept केप्ट	kept
Sleep स्लीप, सोना	slept स्लेप्ट	slept
Sweep स्वीप, झाड़ू देना	swept स्वेप्ट	swept
Weep वीप, रोना	wept वेप्ट	wept
Burn जलाना, जलाना	burnt	burnt
Learn सीखना	learnt, learned, learnt	learned
Spoil साराधन, नष्ट करना	spoilt, spoiled	spoilt, spoiled

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Past Participle</i>
(a)	(b)	(c)
Smell स्मेल, सूँघना	smelt स्मैल्ट	smelt
Dwell ड्वेल, रहना	dwelt ड्वैल्ट	dwelt

कई ऐसे भी *Verbs* हैं जिनका *Past* तथा *Past Participle* 'd' के जोड़ने से बनता है—

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Past Participle</i>
Climb क्लाइम्ब, चढ़ना	climbed चढ़ा	climbed
Beg बैग, भीख मांगना	begged बेग्ड	begged
Kill जान से मारना	killed किल्ल	killed
Tease टीज, चिढ़ाना, तंग करना	teased टीज्ड	teased

Hang हैग, फासी देना	hanged हैगड	hanged
Fell गिराना	felled गिराया	felled
Sow सो, बोना	sowed बीज बोया	sowed
Try कोशिश करना	tried कोशिश की	tried
Move मूव, हिलाना	moved मूव्ड	moved
Prove प्रूव, सिद्ध करना	proved प्रूव्ड	proved
Show शो, दिखाना	showed दिखाया	showed

नोट—ऊपर की क्रियाओं, 'd' का उच्चारण 'ड' की तरह ही होता है,—begged बेग्ड, killed किल्ल आदि । परन्तु नीचे की क्रियाओं में 'd' का उच्चारण 'ट' की तरह होता है । talked टॉल्ड, dropped ड्रॉप्ट, snuffed स्नफ्ट आदि ।

चाहना	Liked लाइक्ड	liked
	kicked किक्ट	kicked
	looked लुक्ट	looked
	jumped जम्प्ट	jumped

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Present Perfect</i>
Ask पूछना	asked आस्कद्	asked
Wish विग चाहना	wished विशद्	wished
Fix फिक्स् स्थिर रहना	fixed फिक्स्ट	fixed
Drop ड्रॉप डालना	dropp:d ड्रॉप्ड	dropped
Cross पार करना	crossed क्रॉस्ड	crossed
Lock लॉक, ताला लगाना	locked लॉक्ड	locked
Talk टॉक बातचीत करना	talked टॉक्ड	talked
Place प्लेस, रखना	placed प्लेस्ड	placed
Reach रीच्चना	reached रीच्ड	reached
Preach प्रीच, उपदेश देना	preached प्रीच्ड	preached
Hop हॉप, उछलना	hopped हॉप्ड	hopped
Whip व्हिप्, चाबुक मारना	whipped व्हिप्ड	whipped
Miss मिस, खोना, चूकना	missed मिस्ड	missed
Vanish वॅनिश, गायब होना	vanished वॅनिश्ड	vanished
Stop स्टॉप, रकना रोकना	stopped स्टॉप्ड	stopped
Snatch स्नैच, भगटना, छीनना	snatched स्नैक्ड	snatched
Pass पास, गुजरना पास होना	passed पास्ड	passed
<p>नोट—जिन क्रियाओं के अन्त में f, k, p, ck, या ch, s sh, या x हो और उनके आगे 'd' या 'ed' का उच्चारण 't' की भाँति आता है देखो नीचे उदाहरण—</p>		
Count काउण्ट गिनना	counted काउण्टिड	counted
Tempt टेम्प्ट ललचाना	tempted टेम्प्टिड	tempted
Scold स्कॉल्ड, फटकारना	scolded स्कॉल्डिड	scolded
Want वाण्ट, चाहना	wanted वान्टिड	wanted
Shout शाउट, चिल्लाना	shouted शाउटिड	shouted
Wait वेट, इन्तजार करना	waited वेटिड	waited

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Past Participle</i>
Waste वेस्ट, नष्ट करना	wasted वेस्टिड्	wasted
Tasted टेस्ट, चखना	tasted टेस्टिड्	tasted
Melt मेल्ट, पिघलना	melted मेल्टिड्	melted

Note—(1) अंग्रेजी में जितनी नई क्रियाएँ बनी हैं—चाहे वे दूसरी भाषाओं के शब्दों में बनी हों प्रथमा गड़ी गई (coined) हैं—उन सबका Past Tense 'ed' जोड़कर बनाया जाता है जैसे motored, telephoned, filmed, radioed, cycled, torpedoed, looted (लूट लिया), boycotted आदि। I motored him to the station. I motored my friend home. मैं अपने मित्र को मोटर द्वारा घर ले गया।

(2) कुछ Verbs ऐसे हैं जिनका Present, Past तथा Past Participle रूप ही एक रहता है।

Cut कट, काटना	cut कट	cut कट
Spread स्प्रैड, फैलाना	spread	spread
Put पुट, रखना	put	put
Burst बर्स्ट, फटना	burst	burst
Hit हिट, चोट मारना	hit	hit

अन्य उदाहरण—shut, let, set upset, cast, hurt, bet (बाजी लगाना, घात लगाना) hurt आदि।

EXERCISE 23

निम्नलिखित क्रियाओं का Past Tense और Past Participle लिखो—

cut, teach, break, go, come, buy, write,
win, know, catch, sing, steal, fear, find
be (be—was—been).

LESSON 20

Present Perfect Tense

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Present Perfect</i>
Go	went	have gone
Buy	bought	have bought
Begin	began	have begun
Lose लूज	lost	have lost
Write	wrote	have written

'Have' या 'Has' के साथ क्रिया का Past Participle रूप रख देने से Present Perfect Tense बनता है, जैसे—

'Write' क्रिया का Past Participle है 'Written' प्रयोग होगा—I have written. मैं लिख चुका हूँ, मैंने लिख दिया है। He has written वह लिख चुका है, उसने लिख दिया है।

1. They have gone to the field.

वे मैदान चले गये हैं।

2 I have bought a new book.

मैंने एक नई किताब खरीदी है। मैं एक नई किताब खरीद चुका हूँ।

3 He has begun the work.

उसने काम शुरू कर दिया है। वह काम शुरू कर चुका है।

4 Ram has lost his hat.

राम ने घपना टोप खो दिया है।

(a) सभी-सभी समाप्त होने वाले कार्य (action just finished) को बताने के लिए Present Perfect Tense काल में आता है।

Have you taken your food ? क्या तुम खाना खा -

हो ? Yes, I have taken my food हां मैं खाना खा चुका हूँ ।
मैंने खाना खा लिया है । भोजन समाप्त करके तुम अपना हाथ धो रहे



हो, खाने का काम तुमने अभी
समाप्त किया है वर्तमान समय में
कार्य का पूरा होना बताने के लिए
Present Perfect Tense का
व्यवहार होता है जैसे—*I have*
broken the glass. मैंने ग्लास

तोड़ दी है ।

(b) वक्ता के जीवन काल में एक या अधिक बार घटित हुई बात को कहने के लिए भी इस Tense का प्रयोग होता है । *I have played tennis. We have lived in Agra,*

Note—एक बात ध्यान रखना Present Perfect Tense वर्तमान काल से सम्बन्धित है इसलिए भूतकाल सूचक समय का व्यवहार इसके साथ मत करना । *I have seen it last year.* गलत है) *I saw it last year.* (सही है) *I have received your letter yesterday.* (गलत है) *I received your letter yesterday.* (सही) *The train has arrived a minute ago.* (गलत) *The train arrived a minute ago* (सही) (मिनिट) ।

ध्यान—घांपने बताया इस Tense के साथ भूतकाल सूचक शब्द (yesterday, last night, a minute ago, 1955, some years ago, once आदि) काम में नहीं आते हैं । तो फिर कौन सा ऐसा समय सूचक शब्द है जिनका प्रयोग हम इन Tense के साथ कर सकते हैं ।

शिक्षक—हम इन Tense के साथ 'today', 'this after-

noon', 'this week', 'this month', 'this year' आदि का प्रयोग कर सकते हैं जैसे—*He has played well to-day*. ध्यान रहे to-day भूतकाल सूचक शब्द नहीं है। इसी तरह *He has played this year* सही है। 'this year' में 'year' का कुछ हिस्सा बीत गया और कुछ बीतना और बाकी है, अतः 'this year' पूरा भूतकाल सूचक क्रिया विशेषण नहीं है। ध्यान रहे इन समय-सूचक क्रिया-विशेषणों के साथ Simple Past का भी प्रयोग हो सकता है, क्योंकि वृद्ध यश में ये भूतकाल से भी सम्बन्धित हैं। जैसे—

He played well to-day (या *this week, this afternoon* आदि)।

Pre-ent Perfect Tense के साथ इन समय-सूचक क्रिया-विशेषणों का प्रयोग किया जाता है—**JUST, NOW, ALREADY, YET, NOT YET** आदि।

I have just come into this room. मैं अभी इस कमरे में आया हूँ। *He has now done his work* वह अपना काम कर चुका है।

The doctor has just got down from his car. डॉ॰ अपनी कार में अभी उतरा है। *I have already told you this thing*. यह बात मैं तुम्हें पहले ही कह चुका हूँ। *already-आगेसे, पहले से ही*। *He has*



already done his work. वह अभी अपना काम कर चुका है, वह पहले ही यह काम कर चुका है।

(C, आर्थिन वाचर में future time दर्शाने के लिए भी—A

soon as I *have finished* my dinner, I will go out for a walk.

Have you done your work *yet* ?

तुमने अपना काम अभी तक पूरा किया है या नहीं ?

He has *not yet* finished his work.

उसने अभी तक अपना काम पूरा नहीं किया है ।

I have never failed *yet* (as yet.)

मैं अभी तक कभी फेल नहीं हुआ हूँ ।

Have you *ever* seen the Taj ?

क्या तुमने ताजमहल देखा है ?

I have *never* seen it.

मैंने उसे कभी नहीं देखा है ।

Note—ध्यान रहे I have *just* seen it. (सही), I have *just now* seen it (गलत है) I *saw* it just now, (सही) है । अंग्रेजी के आधुनिक व्यवहार के अनुसार *just now* का प्रयोग प्राक् भूतकाल के लिए किया जाता है । What did you say *just now* आपने अभी क्या कहा ?

EXERCISE 24

Translate into English :—

उसने एक शेर मारा है । क्या उसने एक शेर मारा है ? उसने शेर नहीं मारा है । उसने अभी अपना काम पूरा नहीं किया है । मैं वह पुस्तक पहले ही छोट्टा चुका हूँ । उसने अभी तक अपना काम पूरा नहीं किया है । क्या उसने अभी तक अपना काम पूरा नहीं किया । क्या तुमने कभी रामायण (the Ramayan) पढ़ी है ? स्लेट किसने तोड़ी है ? क्या तुमने इस स्लेट को तोड़ा है ? उसने अब (now) एक नई कार खरीदी है । मैं अभी-अभी (just) खाना खाई । मैंने उसे एक बार भी नहीं देखा

LESSON 21

Present Perfect Tense

With *Since* and *For*

इस अध्याय में Present Perfect के साथ 'since' और 'for' प्रयोग समझा जायगा ।

'To be' क्रिया का Past Participle रूप 'been', 'has' बनता है । मान लो मैं तुम्हारे यहाँ १० बजे आया और इस १२ बजे हूँ और अभी तुम्हारे यहाँ ही हूँ । मैं कितने समय से यहाँ हूँ दो घण्टे से यहाँ हूँ—इस वाक्य की प्रत्येकी होगी I have been here for two hours—मैं कब से यहाँ हूँ—मैं दस बजे से हूँ—इस वाक्य की प्रत्येकी होगी—I have been here since १० o'clock.

आगे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़ो—

India became independent in 1947.

soon as I *have finished* my
for a walk.

Have you done your work

तुमने अपना काम अभी तक पूरा बि

He has *not yet finished* !

उसने अभी तक अपना काम पूरा न

I have never failed *yet* !

मैं अभी तक कभी फेल नहीं हुआ

Have you *ever seen* this

क्या तुमने ताजमहल देखा है ?

I have *never seen* it.

मैंने उसे कभी नहीं देखा है ।

Note—ध्यान रहे ।

just now seen it (मल

अंग्रेजी के आधुनिक व्यवहार

भूतकाल के लिए किया जात

आपने अभी क्या कहा ?

Translate into En

उसने एक शेर मा

नहीं मारा है । उसने अ

पहले ही लौटा चुका है

क्या उसने

I have been to the zoo. मैं बिड़ियाघर जो घाया हूँ ।

Has Ram been to the zoo ?

क्या राम बिड़िया घर जो घाया है ?

Have you ever been to Agra ?

क्या तुम कभी आगरा गये हो ?

(i) *I have lived in Bombay* (Finished use)

(ii) *I have lived in Bombay for three years*

(Unfinished use)

पहले वाक्य का अर्थ है—मैं बम्बई में रह चुका हूँ—(मैं इस समय बम्बई में नहीं रहता हूँ) दूसरे वाक्य का अर्थ है—मुझे बम्बई में रहने तीन वर्ष हो गए हैं। (तीन वर्ष पहले मैं न बम्बई में रहता तब बंगालिया और मैं इस समय भी बम्बई में रहता हूँ) इस वाक्य का अर्थ यह भी हो सकता है—मैं तीन वर्ष तब बम्बई में रह चुका हूँ। (यह स्पष्ट है कि व्यक्ति यह बात करने समय बम्बई में रहता हो) जैसा—*At present I don't live in Bombay But I have lived there for three years.* ऊपर पहले वाक्य में *Present Perfect* का *finished use* हुआ है और दूसरे में *unfinished use* हुआ है। *Present Perfect* के साथ 'since' या 'for' लगाने से इसका *unfinished use* होता है—बातों की सम्मति प्रकट करता है—यह साधारण नियम है। *I have used this car for ten years.* (दो वर्ष)

(i) इस कार को काम में लेने मुझे दस वर्ष हो गए हैं।

(घर भी ले रहा हूँ।)

(ii) मैंने दस वर्ष तक इस कार को काम में लिया है।

(यह आवश्यक नहीं घर भी काम में लेता हूँ।)

1. *I have lived here since 1950.*

भारत सन् १९४७ में स्वतन्त्र हुआ ।

It is now 1985 and India is still independent

अभी १९८५ चल रहा है और भारत अभी भी स्वतन्त्र है ।

So India has been independent for thirtyeight years.

अतः भारत ३८ साल से स्वतन्त्र है ।

Since when has India been Independent ?

भारत कब से स्वतन्त्र है ?

India has been independent since 1947.

भारत १९४७ स्वतन्त्र है ।

I have been in this school for four years.

मैं चार साल से इस स्कूल में हूँ ।

How long have you been here ?

तुम यहाँ कितनी देर से हो ?

I have been here for two hours.

मैं यहाँ दो घण्टे से हूँ ।

Since when have you been here ?

तुम यहाँ कब से हो ?

I have been here since 7 o'clock

मैं यहाँ सात बजे से आया हूँ ।

He has been ill since yesterday

वह कल से बीमार है ।

This school has been here for ten years.

यह स्कूल दस साल से यहाँ है ।

He has been to Bombay three times.

वह तीन बार बम्बई हो आया है । (भाव—वह आज तक तीन बार गया और वापस आया) ।

I have been to the zoo मैं बिड़िया घर हो गया हूँ ।

Has Ram been to the zoo ?

क्या राम बिड़िया घर हो गया है ?

Have you ever been to Agra ?

क्या तुम कभी आगरा गए हो ?

(i) *I have lived in Bombay* (Finished use)

(ii) *I have lived in Bombay for three years*

(Unfinished use)

पहले वाक्य का अर्थ है मैं बम्बई में रह चुका हूँ—(मैं इस समय बम्बई में नहीं रहता हूँ) दूसरे वाक्य का अर्थ है—मुझे बम्बई में रहने तीन वर्ष हो गए हैं । (तीन वर्ष पहले मैं ने बम्बई में रहना शुरू कर दिया और मैं इस समय भी बम्बई में रहता हूँ) इस वाक्य का अर्थ यह भी हो सकता है—मैं तीन वर्ष तक बम्बई में रह चुका हूँ । (यह आवश्यक नहीं कि व्यक्ति यह बात कहते समय बम्बई में रहता हो, जैसे—*At present I don't live in Bombay But I have lived there for three years.*) ऊपर पहले वाक्य में *Present Perfect* का *finished use* हुआ है और दूसरे में *unfinished use* हुआ है । *Present Perfect* के साथ 'since' या 'for' लग जाने से इसका *unfinished use* होता है—कारण की प्रसमाप्ति प्रकट करता है—यह साधारण नियम है । *I have used this car for ten years.* (दो अर्थ)

(i) इस कार को काम में लेते मुझे दस वर्ष हो गए हैं ।

(शब भी ले रहा हूँ ।)

(ii) मैंने दस वर्ष तक इस कार को काम में लिया है ।

(यह आवश्यक नहीं शब भी काम में लेता हूँ ।)

1. *I have lived here since 1950.*

मैं यहाँ सन् १९५० से रहता हूँ ।

He has had fever for three days.

उसे तीन दिन से बुखार आ रहा है ।

2. *Ram has helped me since I came here.*

जब से मैं यहाँ आया हूँ तब से राम मेरी सहायता करता रहा है ।

3. *I have not seen Ram since Monday last.*

मैंने पिछले सोमवार से राम को नहीं देखा है ।

Note—उपर के वाक्यों में यह स्पष्ट है कि **Present Perfect Tense** का प्रयोग कभी-कभी उन कार्यों के लिए भी होता है जो भूतकाल में प्रारम्भ होकर वर्तमान काल तक चालू रहे । ऐसी अवस्था में समय-सूचक शब्द के साथ *since* या *for* का प्रयोग करना जरूरी है । *I have known him for a long time.* मैं उसे बहुत समय से जानता हूँ । *I have lived here for five years* तथा *I have been living here for five years* (**Perfect Continuous**) में क्या अन्तर है ? इनका स्पष्टीकरण नीचे दिया जाता है :-

नोट:—(i) *I have lived here for three years.*

(ii) *I have been living here for three years.*

इस दोनों वाक्यों में अन्तर क्या है ? (i) मुझे यहाँ रहते तीन वर्ष हो गये हैं—मेरा रहने का काम भूतकाल में प्रारम्भ हुआ—इस समय भी जारी है अर्थात् मैं इस समय भी यहाँ रहता हूँ किन्तु भविष्य में मेरा रहने का कार्य चालू रहेगा—यह निश्चित नहीं है । (ii) मैं तीन वर्ष से यहाँ रहता आ रहा हूँ—मेरा रहने का कार्य तीन साल पहले प्रारम्भ हुआ, इस समय तक जारी है और भविष्य में जारी रहने की सम्भावना है ।

Simple Past और **Present Perfect** में अन्तर समझो—

I lived here for two years. (दुसरे वर्ष पहले) मैं दो वर्ष

यहाँ रहा (अब नहीं रहता हूँ) । (एक ही कार्य)

I have lived here for two years दो (बर्ष) (i)

मुझे यहाँ रहने दो बर्ष बीत गये हैं । (मैं उन समय भी यहाँ रहता

हूँ । (ii) मैं यहाँ दो बर्ष तक रह चुका हूँ । (अब नहीं रहता

हूँ । (अब नहीं रहता हूँ ।)

I was at your house for two hours.

मैं दो घण्टे तक तुम्हारे घर पर रहा ।

He has always been a good friend to me

(i.e., he is still alive).

He has been a good friend to me

(i.e., he is no more alive)

EXERCISE 25

Translate into English —

LESSON 22

CAUSATIVE VERB

Have (or Get) it done

1. I do this work myself. इस काम को मैं स्वयं करता हूँ।
2. I have it done by someone else या (I get it done by someone else.) मैं इस काम को दूसरे से करवाता हूँ।
He will do the work यह इस काम को करेगा।
He will get the work done. यह इस काम को करवायेगा।
3. He is building a house. वह एक मकान बना रहा है।
He is having a house built. वह एक मकान बनवा रहा है।
4. I despatched the goods, मैंने सामान रवाना किया।
I got the goods despatched रवाना करा किया।
5. He cleaned his room. उसने कमरे को साफ किया।
He got his room cleaned. साफ करवाया।
6. Do this work. इस काम को करो (तुम स्वयं)।
Get it done या Have it done इसको करवा लो (किसी दूसरे से)।
Can't you get it done? क्या तुम इस काम को नहीं करवा सकते?

I shall get my hair cut. मैं बाल कटाऊंगा (कटवाऊंगा)।

Note—ऊपर प्रेरणार्थक क्रिया (Causative verb) के कुछ नमूने दिये हैं। इन क्रियाओं में 'get' या 'have' के बाद object (कर्म) आता है और object के बाद Past Participle का प्रयोग होता है।
I got my shoes repaired या I had my shoes repaired मैंने अपने जूतों की मरम्मत करवाई। You

must get (या have) your hair cut. तुम्हें बाल कटवा लेने चाहिए। Get your coat washed. छाने कोट को धुलवा लो।

EXERCISE 26

मैं कल तक (by to-morrow) यह कर लूंगा। मैं कल तुम्हें सिखाऊंगा (will have you punished)। मैं अपने लडके का उसके विद्यालय में भर्ती कराना चाहता हूँ। मैं मान तुलवा लो। मैं अपनी मोटर गाड़ी की बीमा करा ली हूँ (I have got my car insured)। तुम बाल कहाँ कटवाने जाओगे? मैं तुम्हें स्कूल में निकाल दूँगा। तुम्हें कमरे का सफेदी अवश्य कर लेनी चाहिए (must have the room white-washed) हमने पटा को बटवा दिया। वह एक महान बनवा रहा है। उसने एक मकान बनवाया। तुम्हें धरती पर धोखा करा लेना चाहिए। तुमने यह पत्र किससे लिखाया? (By whom did you get) उनसे नहीं बल्कि जो देखा दिया। मैं इस पुस्तक को खपवा सकता हूँ। मैं इस दीवार को गिरा सकता हूँ (pull down)। मैं माचो से अपने जूते की मरम्मत करवा रहा हूँ। I have my shoes mended by a cobbler। जिसका नाम है एन मेन्डिंग-बाइर। मैं नौकरों से पत्र काट कर भेज रहा हूँ। तुम्हें यह कुर्सी कब बनवादी? (When did you have that chair made)?

बटिन शब्द जल्दी कराव get my son admitted to विद्यालय weight, सामान luggage भ्रष्ट गणित विद्यालय expect from school, बाल हाथों काट down दीवार का मरम्मत repair waste paper, पत्र डालना (पोस्ट) to post a letter Get the luggage (सामान) weighed वज़न

LESSON 23

2. *Read this book.* इस किताब को पढ़ो ।
3. *Sit down.* बैठ जाओ । *Help me* मेरी मदद करो ।
4. *Speak slowly* धीरे-धीरे बोलो *Love me.* मुझे प्यार करो ।
5. *Shut the door* दरवाजा बंद करो ।
6. *Be honest.* ईमानदार बनो *Be a good boy.*
7. *Be kind to your little brothers and sisters*
8. *Always stand up when your teacher comes in the room.*
9. *Always speak the truth* (द्रुप) सभ्य
10. *Keep your hands clean.* हाथ साफ रखो ।

B 1. *Please give me your book.* कृपया अपनी पुस्तक मुझे दें ।

2. *Kindly help me* कृपया मेरी सहायता करें ।
3. *Please let me go now* कृपया अब मुझे जाने दो ।
4. *Excuse me, Sir* महाशय जी, मुझे क्षमा कीजिए ।

C 1. *Do not tell a lie.* झूठ मत बोलो ।

2. *Do not spit on the wall* दीवार पर मत छुड़ो ।
 3. *Never tell a lie.* कभी झूठ मत बोलो ।
 4. *Do not sleep in the sun.* धूप में मत सोओ ।
 5. *Do not call others names.* दूसरों को गाली मत दो ।
- Do not abuse others

D 1. *Let him go there.* उसे वहाँ जाने दो ।

—Allow him to go there. उसे वहाँ जाने दो ।

2. *Let them read* उसे पढ़ने दो ।
3. *Let me sleep* मुझे सोने दो ।
4. *Please let me go* कृपया मुझे जाने दीजिए ।

E 1 *Don't let him run* उसे मत दौड़ने दो ।

2. *Let him not run.* उसे नहीं दौड़ना चाहिए ।

3. *Let us not wait for him* हमें उसके लिए इन्तजार नहीं करना चाहिए = *We should not wait for him.*

Note—ऊपर के वाक्यों में आज्ञा, शिक्षा तथा प्रार्थना पार्श्व जाती है ।
क्रिया (verb) को वाक्य के प्रारम्भ में रखते हैं । यहाँ वाक्य का
वर्ण (subject) 'you' हो जाता है Negative 'don't' को क्रिया
में पहले रखते हैं ।

EXERCISE 27

Translate into English—

उसे सुनने दो । मेरी बात सुनो (Listen to me) । डाक्टर को
पुकारो (Send for the doctor) । फ़िराव खोलो । काना-फूँगी
मत करो (Do not whisper) भूढ़ कभी भी मत बोलो । सदा सच
बातें । उसे मत जाने दो । कृपया मुझे धमा करें । इसे भूल जाओ इसे
मत भूलो । मुझे दो दिन की छुट्टी दीजिए । सड़क के नियमों का पालन
करो (Obey traffic rules) घरना समय नष्ट मत करो । मुझे
पानी दो । बातचीत मत करो । बहुत सावधान रहो (be very
careful) । बाई की तरफ़ देखो । बाई पर लिलो । बाई की डस्टर
में साफ़ (Clean) करो । नक्शे को समेट लो (Roll up the
map) । अपना वचन निभाओ (Keep your word) गरीबों को
मदद दो (Help the poor) भूखों को खिलाओ (Feed the
hungry) । नंगों को वस्त्र पहनाओ (Clothe the naked) ।
किसी को गाली मत दो (Do not abuse anybody) बड़ों का
आदर करो (Respect your elders) । Respect उच्चारण—
'रिस्पेक्ट' । अपने भोजन पर मक्खियों को मत बैठने दो (Don't let
flies sit on your food) । इसे बातचीत मत करने दो ।

- There is a cat *under* the table.
- 2 There is some rice *on* the plate
प्लेट पर कुछ चावल है ।
- 3 There is milk *in* the cup प्याले में दूध है ।
- 4 The boy's hand is *over* the cup
बच्चे का हाथ प्याले के ऊपर है ।
- 5 The pup is *between* the books.
प्यारा पुरखो के बीच में है ।
- 6 The pup is *behind* the cat. पिहला बिल्ली के पीछे है ।
Gita is running *after* a balloon. (पीछे)
7. The pup is playing *with* a ball.
पिन्ना गेंद से खेल रहा है ।



- The balloon is going *towards* the ceiling.
(तीन = छत, towards = तरफ) ।
8. A lady is coming *into* the room.

Let

1. Let us play football **आओ फुटबॉल खेलें ।**
= Let's play football (आएँ)
2. Let us go for a walk. **चलो घूमने चलें ।**
3. Let us do our duty **हम अपने कर्तव्य का पालन करें ।**
4. Let him come in **उसे बाहर आने दो । (आता)**

LESSON 24

PREPOSITION

अगले पृष्ठ के चित्र को देखो और बतानो कि इस चित्र में बिल्ली और मेज का क्या सम्बन्ध है ? उत्तर—बिल्ली मेज के नीचे है (The cat is *under* the table) । यदि वह बिल्ली मेज के ऊपर या उस पर इसका मेज के साथ क्या सम्बन्ध हो जायेगा ? तब हम बोलेंगे—बिल्ली मेज पर है (The cat is *on* the table) इस बिल्ली का कमरे में क्या सम्बन्ध है । उत्तर—बिल्ली कमरे में है । (The cat is *in* the room) । यदि वह कमरे से बाहर हो तब ? वह कमरे से बाहर है । (It is *outside* room) The cat is on the table. इस वाक्य में 'on' हटा दिया जाय तो यह एक निरर्थक वाक्य बन जायेगा, 'cat' का 'table' से कोई सम्बन्ध ही नहीं रह जायेगा, बिल्ली मेज पर है या नीचे है । या पास में है—कुछ पता नहीं सकेगा । देखो, छोटे-छोटे शब्द on, in, at, of, with, under आदि कितने काम के हैं । ये शब्द Preposition कहलाते हैं । ये Noun या Pronoun से पहले रखे जाते हैं । Preposition का उचित प्रयोग तुम अधिक अभ्यास से ही सीखोगे । अगले पृष्ठ पर चित्र को देखो और नीचे के वाक्यों में आये हुए Preposition के प्रयोग को समझो ।

नोट—Preposition उच्चारण-श्रेयजिज्ञान ।

1. A cat is *under* the table. बिल्ली मेज के नीचे है ।

- There is a cat *under* the table.
- 2 There is some rice *on* the plate
प्लेट पर कुछ चावल है ।
3. There is milk *in* the cup प्याले में दूध है ।
- 4 The boy's hand is *over* the cup
लड़के का हाथ प्याले के ऊपर है ।
5. The pup is *between* the books.
प्यारा पुरखो के बीच में है ।
- 6 The pup is *behind* the cat. बिल्ला बिल्ली के पीछे है ।
Gita is running *after* a balloon. (पीछे)
7. The pup is playing *with* a ball.
बिल्ला गेंद से खेल रहा है ।



- The balloon is going *towards* the ceiling.
(सीतिंग = छत, towards = तरफ) ।
8. A lady is coming *into* the room.

The old man with red hair is Qazi Imam Bux.

पान वाला वाला बूढ़ा आदमी काजी इमाम बुख है ।

The water in the jug is cold. गुराही का पानी ठंडा है ।

Money in the pocket grows less. जेब में रखा हुआ पैसा घट जाता है ।

Pocket — उच्चारण 'पॉकेट' ।

Money in the bank ever increases.

बैंक में रखा रखा सदैव बढ़ता जाता है ।

The girl with flowers in her hair is Vasanti

पुष्प विभूषित बेशी वाली लड़की वासन्ती है ।

The girl with big dark eyes and black hair is

Chhaya Chakravatti

The boy at the window is calling you.

The boy in the corner blew the whistle.

कोने वाले लड़के ने सीटी बजाई ।

He has a box with a lid

उसके पास एक ढक्कनदार गद्दूक है ।

EXERCISE 29

१. इन वाक्यों में दिखे हुए विलों को देखो और नीचे दिये वाक्यों का पूरा करो:—

Where is the cat ?

The cat is——the table.

Where is the cup ?

The cup is——the table

Where is the boy ?

The boy is——the table.

Where is the pup ?

The pup is——the cat

What is Gita doing ?

She is ——

Where is the balloon going ? It —— coming

Where is the picture ? ———

What is Champa doing ? She——picture

Where is the boy's hand ? The boy's hand is——
the cup.

Where is the little boy's right hand ?

The little boy's right hand is——

What is the lady doing ? The lady——the room.

२. नीचे लिखे वाक्यों को सावधानी से पढ़ो :—

(a) The boys who are sitting in the line are doing nothing.

जो लड़के अन्तिम पंक्ति में बैठे हैं, कुछ नहीं कर रहे हैं ।

(b) The boys in the last line are doing nothing.

अन्तिम पंक्ति वाले लड़के कुछ नहीं कर रहे हैं ।

ऊपर के दोनों वाक्यों का भाव एक ही है—'पहला वाक्य सच्चा है और दूसरा छोटा है ।

पब नीचे के वाक्यों को छोटे वाक्यों में बदलो:—

1. The boy who is sitting in the corner blew the whistle.

2. I have a box which has a green lid.

3. The book which is lying on the table belongs to me.

4. The man who has a dirty face works in this coal mine. (कोयले की खान)

5. The fishes that are in the net are all dead.

6. The man who has a broken leg is a beggar.
(with a broken leg)

(Dial to the operator again)

Operator—What number please ?

Mehta—You gave me the wrong number.

I want pk. 1760.

Operator—Hold on, please.

Mehta—Hullo, Is that Dr. Dey ?

Dr. Dey—Yes, what can I do for you ?

Mehta—C. L. Mehta speaking. My wife is down with fever, will you please come over and examine her ?

Dr. Dey - What's the matter with her ?

Mehta—High temperature—vomiting tendency—sore throat, can't speak properly—bad headache—feeling restless.

Dr. Dey—I see. Don't worry, I shall be there within half an hour.

Mehta—Thank you, Doctor.

LESSON 26

Writing Short paragraphs ()

प्रारम्भ में छात्रों को किसी एक विषय पर दस-बारह वाक्य लिखने का अभ्यास करना चाहिए । प्रश्न-उत्तर द्वारा रचना (Composition) लिखने का कार्य अधिक लाभदायक है । प्रश्न-उत्तर के बाद किसी एक छात्र से क्रमबद्ध वर्णन बोलाया जाय—इसके बाद कक्षा को वर्णन लिखने देश दिया जाय । वर्णन में आये हुए कठिन शब्दों की Spelling लिख देनी चाहिए, जिससे छात्रों को सहायता मिले । उदाहरण दो विषयों का वर्णन इसी ढंग में नीचे दिया जाता है—

P. I clean it when it does not write well ?

T. Who gave you this pen ?

P. Father gave it to me.

T. What is the price of this pen ?

P. Its price is rupees five only. It is made in India. It is very cheap.

T. How do you like your pen ?

P. I like it very much. My pen is my great friend. It helps me in the examination hall and at all times. It is always with me. It writes well and with a good speed. I take care of my pen. I think it will serve me well for years.

My Fountain pen

My father gave me a fountain pen. It now belongs to me. It is short and round in shape and black in colour. It is made of plastic (प्लास्टिक). The cap of the pen has a clip attached to it. The cap protects the nib. My pen is not a self-filler. It has no rubber tube. I fill it with a dropper. I use Sulekha ink. I always write with my pen. I keep it in my pocket. Its name is Plato. Price is rupees five only. I like it very much. My pen is my great friend. It helps me in the Examination Hall and at all times. It writes well and with a good speed. I take care of my pen. I think it will serve me a number of years.

My School

I attend D A V. school. It has a good building. It has a big hall and a number of rooms. The rooms are large and airy. Meetings are held in the hall. We play in the school compound in the recess period. There are six hundred boys in our school. Our school has a play ground outside the school. There we play foot-ball and hockey. The school begins at ten. It is over at four. Our school has a good library. In the library we have books on every subject and also newspapers. The librarian issues us books. We can take only one book at a time. All the teachers of the school are good, kind and able. We all respect them. I like my school very much.

My Best Friend

My best friend is Narayan. He is an intelligent boy. He knows his duty. He is always cheerful. He never tells a lie. He works hard and never wastes his time. He never talks when the teacher is teaching. He does his home-work regularly. He never abuses anyone. He takes care of his health. He takes exercise regularly. He goes for a walk every morning. He is the best boy of our school. All the teachers love him best because he is honest, noble and hard-working.

The Cow

The cow is a useful domestic animal. It has

two horns and a long tail. It feeds on grass. It is gentle and meek. It gives us milk. Its milk is very sweet. Milk is good food for children. It is also very useful for the sick. It is a 'light food' (हलका भोजन). We get butter and ghee from the milk. Cows are found in all the countries. They go out to graze in the field and return home in the evening. The cow-herd looks after it in the jungle. We milk the cows in the morning and the evening. We should be kind to this animal.

My Favourite Pet

I have a dog. It is my favourite pet. It gives pleasure to children. It guards my house at night. It is my best friend and companion. It barks when it sees a stranger. It wags its tail when it sees me. I take it with me when I go for my morning walk. It jumps and runs in the open field. Dogs are very gentle and faithful. In some countries they pull carts. They keep a watch over the flock of sheep (निगरानी रखते हैं). They guide the blind persons. They carry news from one place to another. I take care of my dog and feed it properly.

The Postman

The postman is a servant of the post-office. We see him going from house to house. He delivers letters, parcels and money orders. He has a leather bag full of letters and packets. He goes to

3 An application for Transfer Certificate —
The Headmaster,
Sadul Secondary School,
Bikaner ;

7,
As my father has shifted his business to Jaipur, I shall have to continue my studies at that place. I, therefore, request you to issue the T. C. so that I may get myself admitted to some school at Jaipur

Thanking you,

6th August, '87

I remain
Yours obediently,
Arvind Kumar
Class VIII

(ii) INVITATION

1. Write a letter to your friend inviting him to your birthday party —

Dear Gopal,

I shall be delighted if you give pleasure of your company at a dinner on Friday, May 4 at 8 p. m. A few of your friends have been invited as tomorrow is my birthday.

Yours sincerely,
Narayan

2. Write a letter to your friend inviting him to attend your sister's wedding :—

25, Sadul Colony,
Bikaner

18th June, 1987

My dear Hari,

It gives me pleasure to let you know that my elder sister's marriage comes off on 29th of this month. I therefore, request you to attend this function. A number of guests are coming. I will need your help on this occasion. Please come without fail.

Yours sincerely,
Atma Ram

3. Write a letter to your friend writing him to join you, in a picnic party.

Address

Date

My Dear Ashok,

Your examination is now over. You are free to move about. We have decided to enjoy picnic at the Sheobari Park. I think it is the best place for a picnic. We shall have a jolly time. We shall play Kabaddi and other games. We shall prepare food with our own hands. I assure you that you will enjoy the picnic very much. You will have time to relax your body and mind.

Hoping to hear from you soon,

I remain,
Yours sincerely,
Shankar

(iii) PERSONAL LETTERS

1. You want to buy some books. Write a letter to your father to send you some money

25 Sadul Colony

Bikaner

7.5.87

My dear Father,

You will be glad to know that I have been promoted to class VIII. So I shall have to buy some new books. They will cost me about fifty rupees. Kindly send me the amount by M.O. at an early date.

I am quite well. How do you do? With best regards,

I am

Yours affectionately,

Rajesh

2. Write a letter to your friend to tell him how you spent your last summer vacation.

Address _____

Date _____

My Dear Satish,

Thanks for your kind letter which I received this morning. You asked me how I spent my last summer vacation. I father took me to Delhi, the Capital of India. We put up

4. A letter to Father about your preparation for the Annual Examination

Address _____

Date _____

My dear Father,

I thank you very much for your letter which I received this morning. You want to know how I am going on with my studies. I have revised all my course. I am no more weak in English and Mathematics. I am fully prepared for the Annual Examination. I am very regular in my studies. I never miss any class. I shall do well in the coming examination.

I hope you are all well. My love to Munna and my best regards to mother.

Hoping to hear from you soon.

I remain,
Your loving son
Hari Ram

LESSON 29

Essay-Writing

1. My School

I attend Jain Secondary School. It has a good building. It has a big hall and a number of rooms. The rooms are large and airy. Meetings are held in the hall. We play in the

school compound in the recess period. There are six hundred boys in our school. Our school has its own play-ground. There we play foot-ball and hockey. The school begins at ten. It is over at four. Our school has a good library. In the library we have books on every subject. All the teachers of the school are good, kind and able. We all respect them. I like my school very much.

2. My best Friend

My best friend is Narayan. He is an intelligent boy. He knows his duty. He is always cheerful. He never tells a lie. He is regular in his studies. He is also a good player. He takes care of his health. He takes exercise regularly. He goes for a walk every morning. He is the best boy of our school. All the teachers love him best, because he is honest, noble and hard workers.

3. My English Teacher

I am in class VIII. Our school is known as B. K. Vidyalaya. Sri P. R. Purohit is our class teacher. He wears a simple dress. He is a perfect gentleman. He never loses his temper. He teaches us English. His method of teaching is very good. He makes everything clear to us. He corrects our books very carefully. He pays special attention to the weak and backward students.

He never gets angry with them. He inspires them. He seldom beats anyone of us. We love and respect him with all our heart and soul.

4. Our Class-room

Our class room is large and airy. It is about 25 feet long, 23 feet broad and 17 feet high. It has three windows and two doors. There are desks and seats for forty boys of our class. In the class-room we have a chair, a table and a chair is for the teacher to sit on. A table is placed before the chair. The teacher puts his books, registers and other things on it. The teacher writes on it difficult words or answers to certain questions. Our class-room is well lighted. We have two fans and electric light in our class room. Maps, pictures and charts are put up on the wall. We don't make our class room dirty. We try to keep it neat and clean. After the school is over the class-room is locked.

5. My Daily Life

I get up at 5.30 in the morning. I go out for my morning walk. I run and enjoy the fresh air. I return home at about 6.30. I have a bath. I finish my home-task. I have my meals. I go to school at 10 a.m. I attend the daily prayer in the school-hall. After the prayer is over, I go to my class. At 1.30 we have our afternoon

I have my tiffin. I play with my friends in the school-compound. At four, the school is over. I return home and take some light refreshment. I play for some time. I have my supper at 8 p. m. I sit down to prepare my lesson for the next day. At nine I go to bed. On Sundays and other holidays, I do not follow this routine. On these days I spend some time in watching the T. V.

6. The Cow

The cow is a useful domestic (घरेलू) animal. It has two horns and a long tail. It feeds on grass. It is gentle and meek. It gives us milk. Its milk is very sweet. Milk is a good food for children. It is also very useful for the sick. It is a light food (हल्का भोजन). We get butter and ghee from the milk. Cows are found in all the countries. They go out to graze in the field and return home in the evening. The Cow-herd looks after them in the jungle. We milk the cows in the morning and in the evening. We should be kind to this animal. In India the cow is called Gau-Mata.

LESSON 30

Story Writing

1. A Thirsty crow

He was very thirsty on a summer after-
noon. He flew in search of water. He was happy

to see a jar and so he flew to it. But when he came to it, he found the water very low. He tried to reach it, but failed. He saw some pebbles lying close by (सम न). He dropped them in one by one. Water rose up. The crow could now reach it. He quenched his thirst. He felt happy. He flew back to his nest.

[Word notes - Thirsty थ-रिस्त प्यासा । Afternoon बिद्युषा पहर । In search of (मन) तलाश मे । Happy खुश । Jar बरत । Low - नीचा । Peach पटुखना । Failed-फलान रहा । Pebbles पत्थर । Lying - टुम पड़े हुए । Drop गतना । Dropped - गतना गतना । In अन्तर, भीतर । One by one एक-एक कर । Rose up उठर उठ घाया । Quenched his thirst बर्दश्तु टिज ब मट फलना प्यास बुझ ई ।]

A hungry fox went out in search of food. At last he came to a garden. There was a vine in the garden. The vine was full of grapes. The mouth of the fox watered to see the grapes. But the grapes were so high that he could not reach them. He jumped again and again, but failed. He felt tired. He left the garden saying, 'the grapes are sour. I don't want to eat them.'

[Word-notes - In Search (मन) of तलाश मे । He-fox के लिए he का प्रयोग होता है-she-का नहीं । Vine वाईन्-सगूर की बेल । Grape ग्रेप् सगूर । Mouth

watered मुँह में पानी भर आया । Tired टायर्ड-पको हुआ ।
Sour साबुर-खट्टा ।]

3. A Hare and A Tortoise

Once there was a hare. He met a tortoise and made a fun of him. He said to them, 'your legs are vere short. You cannot run like me.' The tortoise replied, "My legs may be short, but I can beat you in a race." he hare laughed when he heard this. A day was fixed for the race. When the race began, the hare left the tortoise far behind. On the way the hare thought, "why should I run so fast? I will surely beat the tortoise in the race. Let me take rest under a tree." The hare fell asleep. But the tortoise walked on. When the hare got up, he ran very fast. But he found that the slow tortoise had reached the goal

Moral : Slow and study wins the race.

[Word notes : Hare खरगोश । Tortoise टॉर्टोइस । Made a fun of-छिल्ली उड़ाई । Beat in a race जीत में हरा देना । Left छोड़ दिया । Far behind बहुत पीछे । On the way रास्ते में-यहाँ in का प्रयोग नहीं होगा । Let me take rest मुझे आराम कर लेना चाहिए, मैं आराम करूँ । Slow धीमे, मन्द गति वाला ।

4 A Vain Stag : (वेन स्टैग-घमण्डी बारह भिंगा, हरिन)

Once a stag came to a stream to drink
r. While drinking water, he saw his own

will repay your kindness." The lion laughed and let it go. Once the lion was caught in a net. He tried to free himself, but failed. The lion roared loudly. The mouse heard his roar and came to him. With its sharp teeth the mouse bit the rope. In a short time the lion was set free.

[Word notes : Shady छायादार । Woke up जगा । Seized—सीज्ड—पकड़ लिया । Spare स्पेयर—बचाना । This day आज के दिन । Repay बदला चुकाना । Kindness मेहरबानी । Laugh साफ़—हँसना । Let it go छोड़ दिया, जाने दिया । Was caught पकड़ा गया । Net जाल व फंदा । To free—स्वतन्त्र करना । Roar रोर—दहाड़ना, गरजना । Roared गरजा । Heard his roar उसकी गरज (दहाड़) को सुना । Bit काट दिया । Was set free मुक्त कर दिया गया ।

6. The Two Friends And The Bear

Once two men were passing through a forest. The forest was full of wild beasts. They agreed to help each other in danger. Suddenly a bear appeared. One of the men at once climbed up a tree. The other man was left alone. He lay down as if he were dead. The bear sniffed at his face. It thought the man was dead and went away. Then the man in the tree came down. He said to the other man, "What did you say to me?" The man answered,

Never trust a friend who runs away in time of danger."

{ Word notes : Forest जंगल । Wild जंगली । Beast
Agreed तय किया, सहमत रह । Danger खतरा ।
Suddenly अचानक । Appeared प्रकट हुआ या प्रकट हुआ ।
Climb चढ़ना । Alone अकेला । Lay down रा-
ना । As if he were dead मना वह मृत था । The man
in the tree—वेह पर का छादगी । Bear उन्मत्त-वेसर 'बीघर'
नहीं-मानू । Bear दबक-महन करना (verb) । दाबो का एक ही
अर्थ— (Wear वेष्ट पहनना) । Never trust कभी
विश्वास मत करो ।

7 The Greedy Dog

Once a dog got a piece of meat from a
butcher's shop. He held it in his mouth. He set
off for his home. On the way he came up to
a bridge over a river. He looked down into the
clear water. He saw his own reflection there.
He took it for another dog. He was a greedy
dog. He wanted to get the piece of meat from
the other dog. So he opened his mouth to
take it. Alas! his own piece of meat fell
down into the water. He tried to get it back
but all in vain (व्यर्थ)

{ Word notes : Piece of meat मांस का टुकड़ा ।
Butcher बूचर-कसाई । Held— धामा । पकड़ा । Set off—
खन पड़ा, खाना हुआ । On the way रास्ते में । Bridge

पुनः । Reflection—image प्रतिबिम्ब । He took it for another dog उसने इसे दूसरा कुत्ता समझा । Greedy लालची, लोभी । Alas अफसोस, शोक की बात है । All in vain (वेन) सब प्रयास व्यर्थ गया ।

8 The Fox and The Crow

A hungry fox once saw a crow sitting on the branch of a tree. The crow was holding a large piece of meat in its beak. The fox sat down beneath the tree and began to praise the crow. He said, "What a lovely bird you are! How shining your feathers are! How beautiful your beak is! How bright your eyes are! But the pity is you can not sing. If you could sing, you would have been the finest bird in the world, the vain crow opened its beak to show that it could sing very well. The meat dropped from its beak. The fox said, "Thanks very much." He ate the piece of meat and ran off.

LESSON 31

WORD STUDY

(i) Some opposites

Right दाय	Wrong गलत	Good दाय	Bad बुरा
Big बड़ा	Small साना	Come आना	Go जाना
Open खुला	Close बंद	Hot गर्म	Cold ठंडा

[मैं घर जा रहा हूँ—यह उत्तर है। उसका प्रश्न बन सकता है—
तुम कहाँ जा रहे हो? तुम कहाँ जा रहे हो—इसकी घण्टी बनगी
Where are you going? मत. Q. (प्रश्न) बनगा Where
are you going?]

2. Q. How ?

Ans. He is ten years old

[वह दस वर्ष का है—यह उत्तर है। इसका प्रश्न बनेगा—वह किसे
का है? उसकी उम्र क्या है? यही Q के साथ How प्रश्न
को रूप में दिया गया है। हमें ऐसा प्रश्न बनाना है जो How से
होता हो। मत प्रश्न बनेगा—How old is he?]

3. Q. Whose ?

Ans. I am reading Ram's book

[मैं राम की किताब पढ़ रहा हूँ—यह उत्तर है। प्रश्न बनेगा—तुम
किसे किताब पढ़ रहे हो? Whose book are you
reading?]

Q. Who ?

Ans. A beggar is standing at the door.

यहाँ प्रश्न बनेगा—Who is standing at the door?

Q. Who ?

Ans. The father and the son are crossing the
bridge प्रश्न बनना Who are crossing the bridge

Q. When ?

Ans. My mother gets up at 5.

प्रश्न बनेगा—When does your mother get up?

Q. ?

Ans. Yes, it is my pen

8. Q ?

Ans. No, he did not break the table.

प्रश्न बनेगा—Did he break the table ?

9. Q When ?

Ans. I went to see him yesterday.

प्रश्न बनेगा—When did you go to see him ? तुम उससे मिलने कब गये ?

10. Q. How long ?

Ans. She has lived in this city for ten years.

प्रश्न बनेगा—How long has she lived in this city ?

11. Q. How many ?

Ans. There are three mango trees in my garden.

इसका प्रश्न बनेगा—How many trees are there in your garden ?

12. Q. What ?

Ans. I asked my sister to sing.

प्रश्न बनेगा—What did you ask your sister ? तुमने अपनी बहन से क्या पूछा ?

13. Q. Who ?

Ans. I helped the old woman.

प्रश्न बनेगा—Who helped the old woman ?

14. Q

Ans. I have never been to Agra. मैं आगरा कभी नहीं गया हूँ । प्रश्न बनेगा—क्या तुम कभी आगरा गये हो ? Have you ever been to Agra ?

9 Q When ?

Ans The doctor came just after the patient had died रोगी मर जाने के ठीक बाद डॉक्टर आया । प्रश्न बनना—When did the doctor come ?

16 Q ?

Ans Yes, I love you प्रश्न बनेगा—Do you love me ?

7 Q ?

Ans I have got a lot of sugar (शुगर) प्रश्न बनेगा—How much sugar have you got ?

8 Q Whom ?

Ans I helped the old woman प्रश्न—Whom did you help ? तुमने किसको मदद दी ?

19 Q play cricket ?

Ans. No, I don't.

प्रश्न बनेगा—Do you play cricket ?

20 Q Ram : What ?

Shyam : I have lost my pen.

प्रश्न—What have you lost ?

21 Ram : you ?

Shyam I am a doctor.

प्रश्न—What are you ? तुम क्या करते हैं ?

22 Q What is her sari ?

Ans. It is red

प्रश्न—What colour is her sari ?

23. Q. the answer ?
 Ans. I know the answer प्रश्न—Do you
 the answer ?
- 24 Q. Who ?
 Ans. I know the answer. यही प्रश्न बनेगा—
 knows the answer ? कौन उत्तर जानता है ?

